THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 286 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.8 2082 रविवार, 11 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

मोदी 17 जनवरी को पहली वंदेभारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पहली वंदे भारत स्लीपर 17 जनवरी से कोलकाता और गुवाहाटी के बीच चलेगी। इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन में करेंगे। यह ट्रेन 6 दिन कामाख्या और हावड़ा जंक्शन के बीच चलेगी। इसके अलावा 6 नई अमृत भारत एक्सप्रेस भी लॉन्च की जाएंगी। इनकी सेवाएं 17 और 18 जनवरी 2026 से मिलना शुरू हो जाएंगी। दिल्ली में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में शुक्रवार को वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे में 2026 में एक बड़ा बदलाव होगा।

ईरान में हिंसा : 217 की मौत

> सेना बोली-बच्चों को प्रदर्शन से दूर रखें वरना गोली लगने पर शिकायत मत करना

तेहरान, 10 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 217 लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। टाइम मैगजीन ने तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें ज्यादातर की मौत गोली लगने से हुई हैं।

सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात प्रदर्शन तेज होने पर कई जगहों पर गोलीबारी की थी, इसके बाद से लगातार कार्रवाई जारी है। इस बीच रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक अधिकारी ने सरकारी टीवी से बात करते चेतावनी दी कि माता-पिता अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें, अगर उन्हें गोली लगे तो शिकायत मत करना।

सरकार प्रदर्शन रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रही

रिपोर्ट के मुताबिक, पहले कुछ दिनों तक यह साफ नहीं था कि सरकार क्या रुख अपनाएगी। खुद एंटी राइट्स पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बल भ्रम में हैं। किसी को ठीक से नहीं पता कि आगे क्या होने वाला है। लेकिन शुक्रवार को सामने आई खूनी तस्वीरों और सख्त बयानों से साफ हो गया कि अब पूरी ताकत का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले सरकार ने देशभर में इंटरनेट और फोन सर्विस लगभग बंद कर दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो ईरानी सरकार को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अब जब प्रदर्शन मध्यम वर्गीय इलाकों तक फैल गए हैं, तो सरकार बेरहमी से कार्रवाई करने से नहीं हिचकेगी। उनका मानना है कि आने वाले दिनों में हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है। ईरान पहले से ही इजराइल के साथ संघर्ष, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, गिरती अर्थव्यवस्था, बिजली और पानी की किल्लत जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार के भीतर भी मतभेद हैं।

ईरान में महंगाई से आम लोगों में नाराजगी बढ़ी

देशभर में जेन्ज आक्रोश में है। इसका कारण आर्थिक बदहाली रहा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर करीब 1.45 मिलियन प्रति अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। साल की शुरुआत से रियाल की कीमत लगभग आधी हो चुकी है। यहां महंगाई चरम पर पहुंच गई है।

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 72% और दवाओं की कीमतों में 50% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा सरकार द्वारा 2026 के बजट में 62% टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव ने आम लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने शनिवार को देशभर में प्रदर्शनों के बीच शुक्रवार को पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया था। ईरान की सरकारी टीवी ने उनका भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने कहा कि ईरान 'विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों' को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनों के पीछे विदेशी एजेंट हैं जो देश में हिंसा भड़का रहे हैं।

ज़हर देकर मुझे मार दो : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपने खिलाफ चलाए जा रहे नकारात्मक अभियानों पर गहरी नाराज़गी व्यक्त की। एक भावुक बयान में उन्होंने कहा, 'ज़हर देकर मुझे मार दो।' मंत्रियों के क्वार्टर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ सोशल मीडिया मंच उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं और झूठी अफवाहें फैला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कि ऐसा करने वालों को अंततः ईश्वर दंड देगा। उन्होंने सवाल उठाया, 'क्या जिले के मंत्री होने के नाते समीक्षा बैठकों में अधिकारियों का मेरे साथ बैठना गलत है? लगातार आलोचनाओं के बावजूद मैं छह बार चुना गया हूँ। मैं विनम्रता से समझदारी की अपील करता हूँ। इस तरह की खबरें लोगों को निराशा की ओर ले जाती हैं। मैं दूसरों के दुख को समझने वाला इंसान हूँ। अगर आपको लगता है कि आप मुझे रुला सकते हैं तो कोशिश करें; मैं पहले ही अपने बेटे को खोने का दुख झेल रहा हूँ,' मंत्री ने सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में महिला अधिकारियों को निशाना बनाकर जानबूझकर खबरें फैलाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर लापरवाही से जानकारी फैलाना उचित नहीं है। आईएएस अधिकारियों के तबादले पूरी तरह मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। किसी मंत्री को आईएएस अधिकारियों का तबादला करने का अधिकार नहीं है। >14

सीडीएस बोले-ऑपरेशन सिंदूर रुका है, खत्म नहीं हुआ

> पाकिस्तान इसमें बुरी तरह हारा, इमरजेंसी जैसे हालात के लिए स्टैंडर्ड सिस्टम डेवलप कर रहे

पुणे, 10 जनवरी (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर केवल रुका है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स (सीडीएफ) जैसा नया पद बनाना पड़ा। ये पद तीनों सेनाओं को सेंट्रलाइज्ड करने के लिए बनाया गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने पाकिस्तान को संवैधानिक संशोधन करने के लिए मजबूर किया। ये इस बात का सबूत है कि पड़ोसी देश को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। अनिल चौहान ने शुक्रवार को पुणे पब्लिक पॉलिसी फेस्टिवल में ये बाते कहीं। उन्होंने कहा कि हम इमरजेंसी हालातों में लागू करने के लिए एक स्टैंडर्ड सिस्टम डेवलप कर रहे हैं।

भारत में प्रस्तावित संयुक्त थिएटर कमांड को लागू करने की समय सीमा 30 मई 2026 तक बढ़ाई गई है। सशस्त्र बल इस व्यवस्था को तय समय से पहले लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। पाकिस्तान में किए गए बदलावों से पता चलता है कि ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान को कई कमियां और कमजोरियां सामने आईं। पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 243 में संशोधन से उसके उच्च रक्षा संगठन में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन का पद खत्म कर दिया गया है। इसकी जगह चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) का पद बनाया गया है। सीडीएफ का पद केवल सेना प्रमुख द्वारा संभाले जाने का प्रावधान संयुक्तता के सिद्धांत के खिलाफ है। पाकिस्तान में नेशनल स्ट्रैटजी कमांड का गठन किया गया है। पहले बनाए गए आर्मी रॉकेट फोर्सेज कमांड से पारंपरिक और रणनीतिक क्षमताएं बढ़ सकती हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उच्च रक्षा संगठन से जुड़े कई ऑपरेशनल सबक सामने आए हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने उरी, डोकलाम, गलवान, बालाकोट और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में अलग-अलग कमांड व्यवस्थाओं के तहत काम किया है।

महिला अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की अधिकारी संघों ने निंदा की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईएएस और आईपीएस अधिकारी संघों ने हाल ही में एक स्थानीय समाचार चैनल पर प्रसारित एक कार्यक्रम में महिला आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की कड़ी निंदा की है।

प्रसारण में एक महिला अधिकारी और एक मंत्री के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए। तेलंगाना आईएएस अधिकारी संघ के सचिव जयेश रंजन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'उक्त प्रसारण में पारिवारिक असुविधा, कथित फोन कॉल और व्हाट्सएप चैट को कथित सबूत के रूप में पेश किया गया था। ये दावे पूरी तरह से मनगढ़ंत, मानहानिकारक और तथ्यात्मक सत्यापन से रहित हैं।' आईएएस अधिकारी संघ ने तत्काल और बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने के साथ-साथ सभी प्लेटफार्मों से उक्त सामग्री को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि संघ अपमानजनक सामग्री के निर्माण और प्रसार के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध कानूनी उपायों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। तेलंगाना आईपीएस अधिकारी संघ ने आईएएस अधिकारी संघ के साथ एकजुटता व्यक्त की और कुछ मीडिया प्लेटफार्मों द्वारा प्रसारित 'गैर-जिम्मेदार, दुर्भावनापूर्ण और मानहानिकारक' सामग्री की निंदा की, >14

ममता का दावा : एसआईआर के कारण राज्य में 77 मौतें

> 4 सुसाइड अटेम्प भी, अमर्त्य सेन-मोहम्मद शमी को भी परेशान किया गया

कोलकाता, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को 2 पेज का लेटर लिखा। इसमें राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर आम नागरिकों को लगातार परेशान जाने का आरोप लगाया। ममता ने लिखा-एसआईआर प्रोसेस में मानवीय संवेदनशीलता नहीं दिखी। 77 लोगों की मौत, 4 आत्महत्या के प्रयास और 17 लोगों के बीमार होने की वजह एसआईआर प्रक्रिया रही। लोगों में डर रहा, दबाव रहा। एसआईआर बिना तैयारी कराया गया।

सीएम ने आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन जैसे बुजुर्ग और सम्मानित लोगों से भी पहचान साबित करने को कहा गया। इसी तरह कवि जॉय गोस्वामी, अभिनेता-सांसद दीपक अधिकारी और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी इस प्रक्रिया का सामना करना पड़ा। दरअसल पश्चिम बंगाल में एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट में 58.20 लाख नाम कट गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट से पहले राज्य में 7.66 करोड़ थे, ड्राफ्ट लिस्ट में 7.08 करोड़ वोटर्स का नाम शामिल किया गया। काटे गए वोटर्स का प्रतिशत 7.6 है, यानी हर 100 से में लगभग 8 वोटर्स का नाम हटाया गया है। हालांकि, 58.20 लाख वोटर्स में से 24.17 लाख मृत पाए गए, 1.38 लाख डुप्लीकेट या फर्जी थे, 32.65 लाख वोटर्स शिफ्ट, लापता और अन्य थे।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा बंगाल बनाम ईडी विवाद

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले आई-पैक के कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने इसे चुनावी समय में विपक्ष को निशाना बनाने की कार्रवाई बताया है, जबकि दूसरी ओर ईडी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल सरकार उसकी जांच और तलाशी अभियान में दखल दे रही है और काम में बाधा डाल रही है। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की तरफ से दायर याचिका में बताया गया है कि गुरुवार को जब एजेंसी ने इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के मुख्यालय और कोलकाता में उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी अभियान चलाया, तब राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से रुकावटें डाली गईं।

इसरो प्रमुख ने तिरुपति में की प्रार्थना

तिरुपति, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को तिरुपति मंदिर का दौरा किया। यहां वह ईओएस-एन1 'पृथ्वी अवलोकन उपग्रह' और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में स्थापित करने के लिए पीएसएलवी-सी62 मिशन से पहले प्रार्थना की। इसके साथ ही इसरो के अधिकारी नारायणन के साथ थे। उन्होंने मंदिर में प्रार्थना करते समय प्रक्षेपण यान की एक लघु प्रतिकृति भी साथ रखी थी।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि यह मिशन 12 जनवरी को लॉन्च होने वाला है। उन्होंने कहा, 12 जनवरी को हम ईओएस-एन1 उपग्रह को ले जाने वाले पीएसएलवी-सी62 को लॉन्च करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मिशन के लिए लक्षित कक्षा ध्रुवीय सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती 11 जनवरी से शुरू होने वाली है, जो पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी।

डोभाल बोले-जंग दुश्मन का मनोबल तोड़ने के लिए लड़ते हैं

हम मनोरोगी नहीं कि शव देखकर खुशी मिले, मौजूदा लीडरशिप ने 10 साल में देश बदला

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि युद्ध राष्ट्र की इच्छाशक्ति के लिए लड़े जाते हैं। उन्होंने कहा, हम साइकोपैथ (मनोरोगी) नहीं हैं, जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष या सुकून मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जातीं। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी देश का मनोबल तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं, ताकि वह हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करे और हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकें।

अजीत डोभाल ने शनिवार को नई दिल्ली में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह के दौरान ये बाते कहीं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप अपनी इच्छाशक्ति बढ़ा सकते हैं। वही इच्छाशक्ति राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है। दुनिया में हो रहे सभी युद्ध और संघर्षों को देखें तो साफ है कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। इसके लिए अपनी ताकत का प्रयोग कर रहे हैं। अगर कोई देश इतना शक्तिशाली है कि कोई उसका विरोध न कर सके तो वह हमेशा स्वतंत्र रहेगा। लेकिन अगर संसाधन और हथियार हों, पर मनोबल न हो तो सब कुछ बेकार हो जाता है। मनोबल बनाए रखने के लिए लीडरशिप जरूरी होती है। आज हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेतृत्व है। एक ऐसा लीडर जिसने 10 सालों में देश को कहां से कहां पहुंचा दिया। आज का स्वतंत्र भारत हमेशा से उतना स्वतंत्र नहीं था। इसके लिए हमारे पूर्वजों ने बड़े बलिदान दिए। अपमान झेला और बेबसी के दौर से गुजरे। कई लोगों को फांसी हुई। हमारे गांव जलाए गए। हमारी सभ्यता को नुकसान पहुंचाया गया। यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि आज भारत के हर युवा के अंदर एक आग होनी चाहिए। >14

पश्चिम बंगाल के हल्दिया में बंद गले का काला कोट रेलवे से होगा आउट

> रेल मंत्री ने बताया इस वजह से बदल रही है कर्मियों की यूनिफॉर्म

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। इन दिनों भारतीय रेलवे में कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे है। इसी कड़ी में अब रेल कर्मचारियों की पारंपरिक यूनिफॉर्म में बदलाव किया जाएगा। रेल मंत्री ने कहा कि अंग्रेजी शासन काल से चली आ रही बंद गले वाली काली जैकेट को हटाने का फैसला लिया गया है। रेल मंत्री के मुताबिक, रेलवे से उन सभी चीजों को समाप्त किया जाएगा जो औपनिवेशिक सोच और गुलामी के प्रतीक के तौर पर देखी जाती हैं।

बंद गले का काला सूट अंग्रेजों ने शुरू किया था

रेल अधिकारियों और विभिन्न जोन को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित करने एक कार्यक्रम में रेल मंत्री ने कहा कि हमें अपनी सोच से भी गुलामी की मानसिकता को निकालना होगा। चाहे वह हमारे काम करने का तरीका हो या फिर हमारे पहनावे का तरीका, हमें हर जगह से इन पुरानी चीजों को हटाना होगा। आज मैं पहली घोषणा कर रहा हूं। हमारे जो बंद गले का काला सूट अंग्रेजों ने शुरू किया था, आज से यह रेलवे में फॉर्मल ड्रेस नहीं रहेगी।

परंपराओं को बदलने या खत्म करने पर गंभीरता से विचार

दरअसल, सरकार की यह पहल केवल रेलवे की वर्दी तक सीमित नहीं रहने वाली है।

सरकार अब उन तमाम परंपराओं की समीक्षा कर रही है, जिनकी जड़ें अंग्रेजी शासनकाल से जुड़ी हैं। इनमें विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में पहने जाने वाले गाउन और टोपी के साथ ही औपचारिक कार्यक्रमों में अधिकारियों द्वारा पहना जाने वाला बंद गले का कोट भी शामिल है। इन सभी परंपराओं को बदलने या खत्म करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और शीर्ष अफसरों को दिए निर्देश

कुछ राज्यों में कलेक्टरों, मेयरों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी विशेष वर्दी तय है। सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसी पुरानी व्यवस्थाओं की पहचान करें और उनकी जगह भारतीय संस्कृति और परंपरा को दर्शाने वाले विकल्प सुझाएं।

रेलवे बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम

इसके अलावा इस कार्यक्रम में रेलमंत्री आने वाले वर्षों के लिए रेलवे का पूरा विजन भी रखा। इस कार्यक्रम में रेल मंत्री ने रेलवे की अब तक की उपलब्धियां गिनाईं और 2026 के लिए छह बड़े संकल्पों का ऐलान किया।

रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में रेलवे पर फोकस्ड तरीके से रिफॉर्म्स किए गए हैं, जिनकी वजह से आज रेलवे बड़े से बड़े चैलेंज का सामना करने में सक्षम हुई है। चाहे कोयले की मूवमेंट हो, पावर प्लांट्स को फ्यूल सप्लाई हो या बड़े त्योहारों और आयोजनों में ट्रैफिक मैनेजमेंट, रेलवे ने अपनी क्षमता साबित की है।

बनने जा रहा नया नेवी बेस

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना उत्तरी बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में भारत की समुद्री मौजूदगी को बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक नया बेस बनाने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह बेस एक नेवी 'डिटैचमेंट' के तौर पर काम करेगी। इसका फोकस छोटे युद्धपोतों को तैनात करने पर होगा। हुगली नदी पर स्थित यह बेस फास्ट पेट्रोल और अटैक क्राफ्ट को सपोर्ट करेगा। इस बेस के ऑपरेशन में आने के बाद भारत के पूर्वी समुद्री तट पर तटीय सुरक्षा, समुद्री डकैती विरोधी अभियान, आपदा राहत और क्रिक रेसपॉन्स को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के लिए क्यों अहम है बेस?

यह कदम नेवी की बड़ी विस्तार योजनाओं के भी मुताबिक है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि नॉर्थ बंगाल की खाड़ी में भारत का यह कदम कई कारणों से उठाया गया है। इसमें हिंद महासागर क्षेत्र में पीपल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (प्लान) की बढ़ती गतिविधियां अहम कारण है। इसके अलावा समुद्री घुसपैठ को लेकर बढ़ती चिंताएं, और बांग्लादेश से समुद्री रास्ते से भारत में अवैध रूप से घुसने की घटनाएं भी अहम कारक है। भारत-बांग्लादेश तटरेखा के पास उथले पानी और बहुत अधिक समुद्री ट्रैफिक होता है। ऐसे में तेज, फुर्तीले प्लेटफॉर्म खास तौर पर रोकथाम और इंटरसेप्शन के लिए बहुत असरदार होते हैं। हिंद महासागर में चीन की नेवी की मौजूदगी बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, बांग्लादेश के साथ चीन का बढ़ते रक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर जुड़ाव भी एक कारक है। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के साथ चीन की लंबे समय से चली आ रही सैन्य साझेदारी के बीच हल्दिया बेस का महत्व अधिक बढ़ जाता है।

नेवी के नए बेस की क्षमता

हल्दिया बेस पर फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट्स और 300-टन के न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स रखे जाएंगे। खास बात है कि, ये हाई-स्पीड प्लेटफॉर्म, जो 40-45 नॉट तक की स्पीड से चल सकते हैं, क्रिक-रिस्पॉन्स समुद्री ऑपरेशंस के लिए तैयार किए गए हैं। ये सीआरएन-91 बंदूकों से लैस हैं। माना जा रहा है कि इन्हें आने वाले समय में नागास्त्र सिस्टम जैसे लोइटरिंग म्यूनिशन क्षमताओं से भी लैस किया जाएगा। इसके बाद उनके हमले सटीक और निगरानी की भूमिकाएं बेहतर साबित होंगी।

नया बेस बहुत बड़ा नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार इस बेस पर लगभग 100 अधिकारी और नाविक तैनात होंगे। इससे साफ है कियह पूरी तरह से कमांड सेंटर नहीं होगा। इसकी लोकेशन कोलकाता से लगभग 100 किमी दूर बंगाल की खाड़ी तक सीधा रास्ता देकर एक रणनीतिक फायदा देती है।

फडणवीस-शिंदे को फंसाने की किसने रची साजिश?

यूएलसी घोटाले पर पूर्व डीजीपी की रिपोर्ट से आया भूचाल

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। निकाय चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा विस्फोट हुआ है। जिसने सियासत के साथ पुलिस विभाग में भूचाल ला दिया। पूरा मामला पूर्व पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट से जुड़ा है। जो कि उन्होंने रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले सौंपी। इस रिपोर्ट में मौजूदा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को फंसाने की साजिश का सनसनीखेज आरोप लगाया गया है।

रिपोर्ट में क्या दावा किया?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व डीजीपी की यह रिपोर्ट महाराष्ट्र के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को सौंपी गई है। जिसमें दावा किया गया है कि पूर्व डीजीपी संजय पांडे 2021 के अर्बन लैंड सीलिंग (यूएलसी) घोटाले में फडणवीस और शिंदे को फंसाना चाहते थे, जो 160 करोड़ रुपये का कथित भ्रष्टाचार का मामला है।

गोपनीय रिपोर्ट में दावा किया गया कि साल 2021 में तत्कालीन पुलिस महानिदेशक संजय पांडे ने तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष और वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को यूएलसी घोटाले में झूठे आरोपों में फंसाने की साजिश रची। रिपोर्ट के मुताबिक पांडे ने कथित तौर पर ठाणे पुलिस अधिकारियों को तत्कालीन विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस को घोटाले के मामले में फंसाने का आदेश दिया था।

झूठे आरोपों में फंसाने की रची साजिश

आरोपों से पता चलता है कि संजय पांडे ने न सिर्फ फडणवीस और शिंदे को फंसाने के साथ उन्हें गिरफ्तार करने का भी आदेश दिया था, जो कथित साजिश के वक्त शहरी विकास मंत्री थे। बताया गया है कि पूर्व डीजीपी ने ठाणे के डीसीपी लक्ष्मीकांत पाटिल और एसीपी सरदार पाटिल को 2016 के यूएलसी मामले में फडणवीस और शिंदे को आरोपी के रूप में पेश करने और बिल्डरों से अवैध वसूली करने के रूप में निर्देशित किया था।

जांच अधिकारी नहीं फिर भी की पूछताछ

इसके अलावा पूर्व डीजीपी की रिपोर्ट में कोपरी पुलिस थाने के केस सीआर नं. 176/2021 का भी जिक्र किया गया है।

जिसमें आरोप है कि डीसीपी लक्ष्मीकांत पाटिल जो कि इस मामले के जांच अधिकारी नहीं थे, उन्होंने गिरफ्तारी के बाद पुनामिया और सुनील जैन से पूछताछ की। साथ ही पुनामिया पर दबाव बनाया कि वो फडणवीस की ओर से बिल्डरों से वसूली की रकम की जानकारी बताएं।

हिमंता बोले-दो सीट पर जीत तय

गुवाहाटी, 10 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में अप्रैल में खाली होने वाली तीन राज्यसभा सीटों पर भाजपा और उसके सहयोगी उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने दावा किया कि इन तीन सीटों में से दो सीटों की जीत पक्की है, जबकि तीसरी सीट पर भी जीत उनके पाले में आने की संभावना है। मुख्यमंत्री सरमा ने पत्रकार वार्ता में कहा 'भाजपा, एजीपी और हमारा संयुक्त मोर्चा इन सभी तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारेगा। हम दो सीटों में निश्चित रूप से जीतेंगे, तीसरी पर जीत या हार हो सकती है।'

अजीत भूयान पर लगाया सांसद कोष के दुरुपयोग का आरोप

सरमा ने यह भी कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों ने अजीत भूयान के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारा, क्योंकि वे उसे तटस्थ और अच्छे कार्य के लिए उपयुक्त मानते थे। हालांकि, उन्होंने भूयान पर राज्यसभा सांसद कोष के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए कहा लेकिन उन्होंने अपने सांसद कोष के साथ क्या किया, वह हम सब जानते हैं।

विधानसभा में एनडीए के पास 83 सदस्य

बता दें कि अप्रैल में खाली होने वाली सीटों पर वर्तमान में दो भाजपा सांसद, भुवनेश्वर कालिता और रमेश्वर तेली और एक स्वतंत्र सांसद अजीत भूयान हैं। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 सदस्य, जबकि उसके सहयोगी एजीपी, यूपीपीएल और बीपीएफ के पास क्रमशः 9, 7 और 3 विधायक हैं। विपक्षी दलों में कांग्रेस के 26, एआईयूडीएफ के 15, सीपीआई(एम) का 1 विधायक और एक स्वतंत्र विधायक शामिल हैं।

हुगली की सुनसान फैक्टरी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

एक आरोपी टीएमसी का युवा नेता

कोलकाता, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन बंगाल से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटनाएं सामने आती रहती हैं। अब हुगली जिले में एक सुनसान फैक्टरी में किशोरी से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार (10 जनवरी) को बताया कि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सुनसान फैक्टरी में नाबालिग से हैवानियत

जानकारी के मुताबिक नाबालिग, जिसकी उम्र 16 साल बताई जा रही है, वो गुरुवार शाम (08 जनवरी) को अपने एक दोस्त के साथ बंद पड़ी हिंदमोटर फैक्टरी परिसर में गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोप है कि आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर परिसर के अंदर नाबालिग के साथ शारीरिक दुराचार किया। पुलिस ने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, और मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है।

आरोपियों में एक टीएमसी का युवा नेता

पुलिस ने इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप लगाए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से एक की पहचान दीपांकर अधिकारी उर्फ सोनाई के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर इलाके में तृणमूल कांग्रेस का युवा नेता है। जबकि दूसरा शख्स लड़की का कथित प्रेमी है, जो कि नाबालिग है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के दो और साथियों की तलाश कर रहे हैं। वे फरार हैं, और उन्हें ढूंढने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

निकाय चुनाव के लिए चाचा-भतीजा एकसाथ

अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया; घोषणा पत्र जारी

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने शनिवार को पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है।

अजित पवार और सुप्रिया सुले की अहम बातें

अजित पवार ने कहा हमारा मकसद पुणे के नागरिकों के लिए विकास और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

इस संयुक्त घोषणापत्र के माध्यम से हम शहर की जनता के सामने अपनी स्पष्ट नीति पेश कर रहे हैं। वहीं सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी सभी वर्गों और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त मंच से भाजपा और अन्य विपक्षी पार्टियों के सामने मजबूत संदेश जाएगा।

छात्रों के लिए मुफ्त कंप्यूटर टैबलेट

अजित पवार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र से पर्याप्त फंड मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ का विकास रोक दिया गया। पिछले नगर निगम चुनावों में 2017 से 2022 तक दोनों निगमों में भाजपा की सरकार थी। इस बार एनसीपी का गठबंधन उनके विकास एजेंडे के साथ जनता के सामने चुनावी विकल्प पेश कर रहा है।

15 जनवरी को निकाय चुनाव

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 15 जनवरी को 29 नगर निगमों, जिनमें पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ शामिल हैं, के लिए चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग ने 15 जनवरी को इन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है ताकि अधिक से अधिक लोग वोट डालें। आयोग ने 70% से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है।

128 पार्षदों का चुनाव

पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में भाजपा अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि एनसीपी पिंपरी-चिंचवाड़ के 32-वार्ड निगम में वापसी की तैयारी कर रही है। इस निगम में लगभग 17.13 लाख मतदाता होंगे, जो 128 पार्षदों का चुनाव करेंगे।

'अभिषेक बनर्जी को बचाने के लिए ममता ने ईडी से कागज चुराए'

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का बड़ा हमला

बेगूसराय, 10 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार किया है।

उन्होंने आरोप लगाए कि अभिषेक बनर्जी को बचाने के लिए ममता बनर्जी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से जब्त कागजातों को चुराया है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि टीएमसी की मुखिया संविधान विरोधी हैं। यहां कभी नहीं देखा गया कि कोई मुख्यमंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से जब्त दस्तावेजों को चुरा ले। बिहार के बेगूसराय में मीडिया से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने पूछा कि आई-पैक का कार्यालय क्या तृणमूल कांग्रेस का दफ्तर था? आखिर ममता बनर्जी को ईडी के पास से कागजात चुराने की जरूरत क्यों पड़ी? कौन सा गुप्त कागज था?

उन्होंने आगे कहा, ममता बनर्जी को डर था कि अगर ईडी को गुप्त कागज मिला तो अभिषेक बनर्जी फंस जाएगा। इसीलिए ममता बनर्जी वहां गई थीं और सारे कागजातों को चुराया। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। वे पूरे राज्य को घुसपैठियों के हवाले कर देना चाहती हैं। आज पश्चिम बंगाल में कोई जिला ऐसा नहीं है, जहां हिंदू डरा-सहमा नहीं है। उन्होंने कहा कि बंगाल के हिंदुओं को डर निकालकर राज्य को बचाने के लिए ममता बनर्जी को हटाना ही पड़ेगा।

इसी बीच, गिरिराज सिंह ने 'इंडी' गठबंधन को लेकर भी विपक्षी दलों पर कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी सिर्फ चुनाव के समय विरोधी दलों के साथ आते हैं। बाकी कोई एकजुट नहीं है। पश्चिम बंगाल में कहीं 'इंडी' गठबंधन दिखाई नहीं देता है। यह सिर्फ संतरे की तरह का गठबंधन है। केंद्रीय मंत्री ने असदुद्दीन ओवैसी पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा, कभी कहते हैं कि मुंबई में बुर्का वाली मेयर होगी, कभी कहते हैं कि बुर्का वाली प्रधानमंत्री होती, असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग क्या नफरत फैलाना चाहते हैं?

राम मंदिर के दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने की कोशिश

पुलिस ने युवक को पकड़ा...सामने आई ये बात

अयोध्या, 10 जनवरी (एजेंसियां)। स्थित राम मंदिर परिसर में शनिवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां एक युवक राम मंदिर के दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, वह अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका।

युवक को रोकने का प्रयास किया गया तो वह संप्रदाय विशेष के नारे लगाने लगा। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे दबोच लिया। इसके बाद थाना रामजन्मभूमि पुलिस के हवाले कर दिया। थाने में पुलिस और खुफिया एजेंसियां युवक से पूछताछ कर रही हैं। उसकी पहचान कश्मीर को शोपिया निवासी अबू अहमद शेख के रूप में हुई है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने घटना की पुष्टि की। वहीं,

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि युवक से पूछताछ की जा रही है। साथ ही वह कहां से और कैसे राम मंदिर में पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है।

ममता बनर्जी 72 घंटे में कोयला तस्करी के आरोप साबित करें या मानहानि का केस लड़ें : भाजपा

कोलकाता, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा के दो वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी और प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चुनौती दी कि वे कोयला तस्करी मामले में उनकी संलिप्तता के आरोपों को तय समय के अंदर साबित करें, नहीं तो मानहानि केस का सामना करें। सुवेंदु अधिकारी के वकील ने पहले ही मुख्यमंत्री ममता को मानहानि का नोटिस भेजा है। नोटिस में सीएम ममता से 72 घंटे के भीतर सभी सबूत देने या सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह की मानहानि की कार्यवाही का सामना करने के लिए कहा गया है। दूसरी ओर, चट्टोपाध्याय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो मैसेज जारी कर मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे या तो उचित समय के अंदर आरोपों को साबित करें या मानहानि की कार्यवाही का सामना करें।

मध्य प्रदेश में गोबर-गोमूत्र से कैंसर इलाज का दावा

रिसर्च पर 3.5 करोड़ खर्च के बाद सवाल-पैसा गया कहां? जांच शुरू

भोपाल, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में गाय से जुड़े उत्पादों के जरिए कैंसर के इलाज पर की गई एक सरकारी रिसर्च अब सवालों के घेरे में है। इस रिसर्च के लिए राज्य सरकार ने करीब 3.5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह पैसा सही जगह खर्च हुआ या नहीं।

यह रिसर्च प्रोजेक्ट साल 2011 में जबलपुर स्थित नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य पंचगव्य के जरिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज की संभावना तलाशना था। पंचगव्य में गाय का गोबर, गोमूत्र और दूध से बने कुछ पारंपरिक उत्पाद शामिल होते हैं। शुरुआत में विश्वविद्यालय ने इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 8 करोड़ रुपये की मांग की थी, लेकिन सरकार ने 3.5 करोड़ रुपये ही मंजूर किए।

कुछ समय पहले जिला प्रशासन को इस प्रोजेक्ट को लेकर एक शिकायत मिली। शिकायत में खर्च को लेकर गड़बड़ियों का आरोप लगाया गया था। इसके बाद संभागीय आयुक्त के निर्देश पर जांच शुरू हुई। जांच के लिए अतिरिक्त कलेक्टर की अगुवाई में एक टीम बनाई गई, जिसने प्रोजेक्ट के खर्च और कामकाज की पड़ताल की। जांच में सामने आया कि कई चीजों पर जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च किया गया। रिपोर्ट के

अनुसार, गाय का गोबर, गोमूत्र, कच्चा माल, स्टोरेज के बर्तन और मशीनरी पर करीब 1.9 करोड़ रुपये खर्च दिखाए गए। जबकि जांच टीम का मानना है कि बाजार भाव के हिसाब से इन चीजों की कीमत 15 से 20 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए थी।

इसके अलावा यूनिवर्सिटी की टीम ने रिसर्च के नाम पर देश के अलग-अलग शहरों में 23 से 24 बार हवाई यात्राएं कीं। जांच में सवाल उठाया गया है कि क्या इन यात्राओं की सच में जरूरत थी और क्या वे रिसर्च के लिए जरूरी थीं। इन यात्राओं का भी मंजूर बजट में साफ तौर पर जिक्र नहीं मिला। जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करीब 7.5 लाख रुपये की एक गाड़ी खरीदी गई, जो मूल योजना का हिस्सा नहीं थी। गाड़ी के ईंधन और रखरखाव पर भी 7.5 लाख रुपये से ज्यादा खर्च हुआ। इसके अलावा मजदूरी, फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान पर भी लाखों रुपये खर्च किए गए, जिन्हें जांच टीम ने गैर-जरूरी बताया है।

अतिरिक्त कलेक्टर रघुवर मरावी ने बताया कि किसानों को ट्रेनिंग देने की बात भी कही गई थी, लेकिन यह साफ नहीं है कि किस तरह की ट्रेनिंग दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ खरीदी गई गाड़ियां मौके पर नहीं मिलीं और कई खर्चों का सही हिसाब नहीं था। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी आरोपों को गलत बताया है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार का कहना है कि सारी खरीदारी सरकारी नियमों के तहत और टेंडर प्रक्रिया से की गई। उनका दावा है कि कोई घोटाला नहीं हुआ और सभी दस्तावेज जांच टीम को दिए गए हैं। अब यह जांच रिपोर्ट कलेक्टर के जरिए संभागीय आयुक्त को भेजी जाएगी। आगे की कार्रवाई क्या होगी, इसका फैसला वहीं से किया जाएगा। फिलहाल यह मामला इस बात पर टिक गया है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के नाम पर किए गए खर्च वाकई सही थे या नहीं।

खबरें जरा हटके

प्लेन से लूटा 4 करोड़, होने लगी पैसों की बारिश, फिर 40 साल जेल में रहा कैद

गजब है इस शख्स की कहानी

क्या कोई इंसान करोड़ों रुपये लूटने के बाद उन्हें हवा में उड़ा सकता है? सुनने में यह किसी फिल्म की कहानी लग सकती है, लेकिन मार्टिन मैकनौली नाम के एक युवक ने साल 1972 में कुछ ऐसा ही दुस्साहस किया था जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था. यह कहानी एक ऐसे अपराधी की है जिसने एक महान अपराधी बनने का सपना देखा था, लेकिन किस्मत ने उसे ऐसी पटखनी दी कि वह आज भी पछतावे की आग में जल रहा है. वो तारीख जब आसमान में मचा हड़कंप- तारीख थी 23 जून, 1972. अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट 119 सेंट लुइस से ओक्लाहोमा की ओर उड़ान भर रही थी, जिसमें करीब 100 यात्री सवार थे. अचानक 28 साल के एक बेरोजगार युवक मार्टिन मैकनौली ने एक मशीनगन के दम पर विमान को हाईजैक कर लिया. उसने मांग की कि उसे 5 लाख डॉलर (करीब 4.20 करोड़ रुपये) की फिरौती और पैराशूट दिए जाएं.

हवा में उड़े करोड़ों और बिखर गया सपना

फिरौती की रकम मिलने के बाद मार्टिन ने 300 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ते विमान के पिछले हिस्से से छलांग लगा दी. उसने अपनी कमर पर करोड़ों रुपयों से भरा बैग बांधा हुआ था. लेकिन जैसे ही उसने हवा में गोता लगाया, कुदरत ने अपना खेल दिखाया. हवा के भारी दबाव के कारण उसके बैग की डोरी टूट गई और सारे नोट अंधेरे आसमान में गायब हो गए. जब उसने अपना रिजर्व पैराशूट खोला, तो वह उसके चेहरे पर लगा जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया.

मार्टिन को इस लूट का आइडिया 1971 के मशहूर हाईजैकर डीबी कूपर से मिला था, जो विमान से कूदकर कभी पकड़ा नहीं गया था. लेकिन मार्टिन की किस्मत वैसी नहीं थी. खेत में गिरते समय उसके पास सिर्फ 13 डॉलर बचे थे. घटना के पांच दिन बाद ही पुलिस ने उसे दबोच लिया. उसे उम्रकैद की सजा हुई और उसने अपने जीवन के चार दशक यानी करीब 40 साल जेल की सलाखों के पीछे बिताए. आज 81 साल का मार्टिन एक साधारण जीवन जी रहा है.

महिला को है अजीबोगरीब आदत, मुंह की जगह नाक से लेती है खाना, देखकर हैरान रह गया नया बॉयफ्रेंड!

जब कोई बीमार होता है तो उसे ग्लूकोज चढ़ाया जाता है और कई बार जब वो खाना खाने में सक्षम नहीं होते, तो खाना नली के रास्ते उनके शरीर में पहुंचाया जाता है. मगर एक महिला ने तो हद ही कर दी. उसे नाक से खाना लेने की आदत है, वो मुंह का प्रयोग नहीं करती. जब पहली बार उसके नए नवेले बॉयफ्रेंड ने उसकी ये हरकत देखी, तो वो हैरान रह गया. अमेरिका के वर्जीनिया राज्य की रहने वाली एक युवा महिला कैथरीन इन दिनों अपने असामान्य खान-पान के तरीके को लेकर चर्चा में है. कैथरीन भोजन को सामान्य तरीके से खाने के बजाय उसे ब्लेंड करके नाक के जरिए शरीर में लेती हैं. यह मामला अमेरिकी टीवी चैनल टीएलसी (टीएलसी) के कार्यक्रम 'माय स्ट्रेंज एडिक्शन' के सातवें सीजन के पहले एपिसोड में सामने आया है. कार्यक्रम में कैथरीन ने बताया कि उनका भोजन से जुड़ा व्यवहार पहले पूरी तरह सामान्य था, लेकिन कम्युनिटी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान यह आदत शुरू हुई. उनके अनुसार, एक बार दोस्तों के साथ शर्त के तौर पर उन्होंने फ्लेवर वाले फलों के ड्रिंक को नाक के जरिए लेने की कोशिश की थी. उन्हें इससे सिर में हल्का चक्कर और अलग तरह का स्वाद महसूस हुआ, जिसके बाद उन्होंने इस तरीके को अपनाना शुरू कर दिया। कैथरीन ने कार्यक्रम में कहा कि पिछले करीब 5 वर्षों से वह अपना लगभग पूरा भोजन नाक के जरिए ही ले रही हैं. इसमें ब्लेंड किए गए ऑमलेट, पालक और मशरूम, पालक और स्टेक का तरल मिश्रण, कॉफी और यहां तक कि मसालेदार गुआकामोले भी शामिल है. उनका दावा है कि उन्हें भोजन की बनावट से जुड़ी असहजता होती है और यह तरीका उन्हें उससे बचाता है.

खुदाई में मिला 1200 साल पुराना कब्र, 'खजाने' संग दफनाई गई थी महिला, लेकिन इस हरकत ने उड़ाए सबके होश!

इतिहास के पन्नों में दफन कई राज जब सदियों बाद सतह पर आते हैं, तो वे न केवल हमें अचंभित करते हैं बल्कि हमारी मौजूदा वैज्ञानिक समझ को भी कड़ी चुनौती देते हैं. दुनिया भर में समय-समय पर प्राचीन सभ्यताओं से जुड़े ऐसे अवशेष मिलते रहे हैं, जो उस दौर की विचित्र मान्यताओं और डरावनी रस्मों की गवाही देते हैं. हाल ही में नॉर्वे के 'बजुग्न' इलाके में स्थित एक खेत से दो ऐसी ही वाइकिंग जमाने की कब्रें मिली हैं, जिन्होंने शोधकर्ताओं और पुरातत्वविदों के बीच खलबली मचा दी है. इन कब्रों के साथ एक ऐसा विचित्र अनुष्ठान देखने को मिला है, जो इससे पहले कभी इतिहास में दर्ज नहीं किया गया था. इस खोज की शुरुआत तब हुई जब रॉय सोरेंग नाम के एक व्यक्ति को मेटल डिटेक्टर की मदद से एक अंडाकार ब्रोच मिला, जो आमतौर पर 8वीं या 9वीं शताब्दी के वाइकिंग काल का माना जाता है. इस खबर के सामने आते ही उस जगह पर नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनटीएनयू) के पुरातत्वविदों की टीम पहुंच गई. उन्होंने जब इस जगह की खुदाई शुरू की, तो उन्हें 1200 साल पुरानी एक महिला की कब्र मिली जो उस दौर के 'खजाने' और कीमती आभूषणों से लदी हुई थी. लेकिन इस खोज में सबसे चौंकाने वाली बात गहने नहीं, बल्कि महिला की लाश के साथ की गई एक विचित्र हरकत थी. विशेषज्ञों ने पाया कि महिला के मुंह के दोनों किनारों पर रहस्यमयी तरीके से 'स्कैलप शेल्स' यानी समुद्री सीपियां रखी गई थीं. पुरातत्वविद रेमंड सॉवेज के अनुसार, वाइकिंग काल की ईसाई धर्म से पूर्व की हजारों कब्रों की जांच हो चुकी है, लेकिन इस तरह की रस्म का कोई पिछला रिकॉर्ड आज तक नहीं मिला.

यह देखकर वैज्ञानिक भी उलझन में हैं कि आखिर मौत के बाद उस महिला के मुंह पर सीपियां रखने के पीछे क्या मकसद रहा होगा? बता

सुविचार: इस दुनिया में असंभव कुछ भी नहीं, हम वो सब कर सकते है, जो हम सोच सकते है!

प्रत्येक डॉक्टर को अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए: रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने फेलोज़ इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधन किया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्हें यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि फेलोज़ इंडिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन हैदराबाद में किया जा रहा है। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि देशभर के साथ-साथ पड़ोसी दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से 500 से अधिक हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट)इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में शामिल सभी डॉक्टर अपने-अपने क्षेत्र में सफल हैं, इसके बावजूद ज्ञान को अद्यतन करने और कौशल बढ़ाने के लिए एकत्रित होना उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखते रहना ही सफलता का सबसे बड़ा रहस्य है। जिस दिन इंसान सीखना बंद कर देता है, उसी दिन उसका विकास रुक जाता है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन का हैदराबाद में होना राज्य के लिए गर्व की बात है। हैदराबाद तेजी से जीवन विज्ञान, फार्मा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार का केंद्र बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टर बनना आसान नहीं है और समाज में डॉक्टरों का स्थान विशेष है, क्योंकि लोग अपना जीवन उनकी देखभाल में सौंपते हैं। उन्होंने चिकित्सकों से समाज और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी कभी न भूलने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और जनहित में नीतियों को बेहतर बनाने के लिए सरकार डॉक्टरों के साथ मिलकर काम करने को हमेशा तैयार है। उन्होंने चिकित्सकों से सुझाव और फीडबैक देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान और तकनीक तेजी से दुनिया को बदल रहे हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर में स्वास्थ्य सेवा अत्याधुनिक बन चुकी है। उन्होंने डॉक्टरों से नवीनतम तकनीक से जुड़े रहने का आह्वान किया, साथ ही मानवीय संवेदनशीलता बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने चिंता जताई कि हृदय रोगों के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है और सभी से मिलकर हृदय रोगों की रोकथाम को एक मिशन के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि डॉक्टर स्कूल के छात्रों को सीपीआर तकनीक सिखाने के लिए स्वेच्छा से आगे आएं, तो देश में कई जानें बचाई जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अक्सर निवारक चिकित्सा की उपेक्षा करते हैं, जबकि लोगों को जागरूक करने से पूरे समाज को लाभ होगा। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने और विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ बनने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डॉक्टर को अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए।

बाल रोगियों की सिरप में ज़हरीली मिलावट पर चेतावनी जारी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने अल्मोंट-किड सिरप में अत्यंत विषैले रसायन एथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) की मिलावट पाए जाने के बाद तत्काल 'उपयोग बंद करें' नोटिस जारी किया है। यह चेतावनी कोलकाता स्थित केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन , ईस्ट ज़ोन की प्रयोगशाला रिपोर्ट के बाद जारी की गई, जिसमें सिरप में एथिलीन ग्लाइकोल की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। डीसीए के अनुसार उत्पाद अल्मोंट-किड सिरप (लेवोसेटिरिज़िन डायहाइड्रोक्लोराइड और मोंटेलुकास्ट सोडियम) की निर्माण तिथि जनवरी 2025 और समाप्ति तिथि दिसंबर 2026 है। इसके निर्माता ट्राइडस रेमेडीज़, हाजीपुर, वैशाली जिला, बिहार है। डीसीए ने कहा है कि सार्वजनिक रूप से कड़ी सलाह दी गई है कि इस दवा का उपयोग तुरंत बंद करें और यदि यह सिरप आपके पास है तो नज़दीकी औषधि नियंत्रण प्राधिकरण को सूचित करें। प्राधिकरणों ने चेतावनी दी है कि एथिलीन ग्लाइकोल का सेवन गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है और नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

किसी के निजी जीवन पर चर्चा करना दुखद और अस्वीकार्य : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने शनिवार को मीडिया के एक वर्ग द्वारा तेलंगाना की एक महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ प्रसारित की गई कथित झूठी और निराधार खबरों की कड़ी निंदा की। गांधी भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए गौड़ ने कहा कि किसी व्यक्ति के निजी जीवन पर चर्चा करना 'दुखद और अस्वीकार्य' है। उन्होंने सच्चाई से कोसों दूर रिपोर्टों पर नाराजगी जताते हुए मीडिया संस्थानों से जिम्मेदारी से काम करने और मंत्रियों व अधिकारियों के खिलाफ अप्रमाणित खबरें प्रकाशित न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे पद वर्षों की मेहनत और समर्पण के बाद हासिल होते हैं।

भाजपा पर निशाना साधते हुए गौड़ ने राजनीति में धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या भगवान राम की भाजपा की सदस्यता है? और कहा कि चुनावी लाभ के लिए

भगवान को राजनीति में घसीटना गलत है और लोकतंत्र के लिए अस्वस्थ है।

टीपीसीसी प्रमुख ने बीआरएस नेतृत्व पर भी हमला बोला और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के 10 साल के शासनकाल में तेलंगाना के युवाओं को दिए गए रोजगारों पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा, हम कांग्रेस सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों में दिए गए रोजगारों पर श्वेत पत्र जारी करने के लिए तैयार हैं। गौड़ ने आरोप लगाया कि केसीआर अपने फार्महाउस तक सीमित हो गए हैं, जबकि बीआरएस नेता के.टी. रामाराव और टी. हरीश राव एमएलसी के. कविता से जुड़े घटनाक्रमों के कारण दबाव में हैं। उन्होंने दावा किया कि कविता केसीआर परिवार के भीतर कथित भ्रष्टाचार को उजागर कर रही हैं। हालिया चुनावी सफलताओं का उल्लेख करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने 90 प्रतिशत नगर निकाय सीटें और 70 प्रतिशत पंचायत सीटें जीती हैं, साथ ही कैंटोनमेंट और जुबली हिल्स उपचुनावों में भी जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को चुनने के लिए जनता की उत्सुकता साफ दिखाई देती है।' जिलों के नाम बदलने के प्रस्ताव पर बीआरएस की आलोचना करते हुए गौड़ ने कहा कि इससे जनता को कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया, पहले उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने उन जिलों के लिए क्या किया है। नाम बदलने का मुद्दा उठाना केवल जनता का ध्यान भटकाने के लिए है।

बीसी-ए पैनल ने अन्य जातियों को शामिल करने का विरोध किया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी-ए जाति अधिकार संरक्षण समिति ने शनिवार को राज्य सरकार से बीसी-ए सूची में किसी भी नई जाति को शामिल न करने की मांग की। समिति का कहना है कि सूची में पहले से शामिल 68 जातियां सामाजिक और आर्थिक रूप से अब भी पिछड़ी हुई हैं। हैदराबाद में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए समिति के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. एम. बगैया ने, गंगापुत्र एसोसिएशन के अध्यक्ष गडावा श्रीहरि के साथ, कहा कि जब तक मौजूदा बीसी-ए समुदायों का समुचित विकास नहीं हो जाता, तब तक किसी भी नई जाति पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। समिति ने सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकार से आग्रह किया कि बीसी-ए जातियों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में ही आरक्षण दिया जाए। उन्होंने राज्य मंत्री वकीटी श्रीहरि द्वारा मुदिराज जाति को बीसी-डी सूची से बीसी-ए श्रेणी में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की कड़ी निंदा की। नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनावों के दौरान कुछ जातियां राजनीतिक लाभ के लिए बार-बार बीसी-ए में शामिल किए जाने की मांग करती हैं, जबकि सूची में पहले से मौजूद कई समुदाय विशेषकर भिक्षावृत्ति और सेवा से जुड़ी जातियां अब भी अत्यंत पिछड़ी हुई हैं। उन्होंने मांग की कि यदि सरकार पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करती है, तो कम से कम 12 प्रतिशत आरक्षण विशेष रूप से बीसी-ए समूह के लिए आरक्षित किया जाए। उनका कहना था कि अपेक्षाकृत विकसित जातियों को शामिल करने से सबसे हाशिए पर खड़े समुदायों के लिए निर्धारित लाभ कमजोर हो जाएंगे। इस अवसर पर समिति के नेता कांटी रामचंदर, अंबाती माधाकर, शिवरत्नम, गडावा शंकर, मुरली मनोहर सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

संक्रांति भीड़ को देखते हुए तेलंगाना में 6,400 विशेष बसें तैनात

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए तेलंगाना सरकार ने चार दिनों की अवधि में 6,400 विशेष बसें चलाने की व्यवस्था की है, ताकि यात्रियों को सुगम यात्रा सुविधा मिल सके। ये विशेष बस सेवाएँ हैदराबाद के प्रमुख परिवहन केंद्रों-इमलीबुन बस स्टॉप, जुबली बस स्टेशन (जेबीएस), अरामघर, उप्पल क्रॉस रोड और एलबी नगर से संचालित की जाएंगी, जिससे भीड़ कम हो और यात्रा बिना परेशानी के हो सके। कुल बसों में से 5,400 बसें महालक्ष्मी योजना के तहत चलाई जाएंगी, जिनमें महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इससे त्योहार के अवसर पर अपने गांव जाने वाली हजारों महिलाओं को लाभ होगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समयबद्ध और सुरक्षित सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ, निगरानी व्यवस्था और संचालन नियंत्रण तैनात किया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीलता ने कहा कि विभाग त्योहारों के दौरान सुरक्षित, आरामदायक और कुशल परिवहन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह पहल यात्रियों को बड़ी राहत देने और पूरे राज्य में निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने में सहायक होगी।

नगर निकाय चुनावों से पहले भाजपा से डरी कांग्रेस: रामचंदर राव

भाजपा तेलंगाना स्टेट डायरी जारी की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने शनिवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस ''विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार - आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025'' को लेकर जनता को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनावों से पहले भाजपा को मिल रहे बढ़ते जनसमर्थन से कांग्रेस घबराई हुई है। ''भाजपा तेलंगाना स्टेट डायरी'' जारी करने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि नया अधिनियम मनरेगा का आधुनिक और सशक्त रूप है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के लिए अधिक कार्यदिवसों के साथ रोजगार के अवसरों का विस्तार करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जानबूझकर इस कानून का विरोध कर जनता को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस और बीआरएस दोनों ने अपनी जनविरोधी शासन शैली को उजागर कर दिया है। अब दोनों मिलकर भाजपा के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कांग्रेस सरकार पर केंद्र की मुफ्त चावल योजना का श्रेय लेने का भी आरोप लगाया, जिसके तहत प्रति लाभार्थी 5 किलो चावल दिया जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री की तस्वीर के बिना राशन चावल के वितरण पर आपत्ति जताई और मांग की कि सभी राशन बैग और रसीदों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर अनिवार्य की जाए। ऐसा न होने पर उन्होंने राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी। इससे पहले रामचंदर राव ने '' सोमनाथ स्वाभिमान पर्व'' के अवसर पर उस्मानिया विश्वविद्यालय स्थित शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए दिए गए बलिदानों की स्मृति में किया जाता है, जो बार-बार हुए आक्रमणों के बावजूद भारत की आध्यात्मिक दृढ़ता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणा से 1951 में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा हुआ था। राव ने कहा कि वर्ष 2026 में महमूद गजनवी के सोमनाथ पर आक्रमण के 1,000 वर्ष पूरे होंगे, जिसे उन्होंने भारतीय सभ्यता और आस्था पर हमला बताया। इस अवसर पर भाजपा नेता वेमुला अशोक, एन.वी. सुभाष, वेंकट रेड्डी, तडूरी श्रीनिवास सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , Chandrikaben V Prajapati, W/o, No. 14668221Y, NK, Prajapati Vishnubhai Amrutbhai, R/o, Dist: Mahesama, Gujarat, changed my name from Chandrikaben V Prajapati to Prajapati Chandrikaben Vishnubhai, vide Affidavit No.0031835351 dt. 06.01.2026, before Addl Civil Judge, Mahesana.

I, No.14668634H, NK, Sujoy Kumar Chini, R/o, Dist: Paschim Medinipur, West Bengal, changed my Mother's name from Gita Rani Chini to Gita Chini, vide Affidavit No. 284197 dt. 08.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14647732P, Hav, Atule Karbhari Rangnath, R/o, Dist : Aurangabad, Maharashtra, changed my Mother's name from Bhagubai to Bhagubai Ranganath Atule, vide Affidavit No. 284252 dt. 09.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana..

I , No. 14641432X, Hav, Chandra Shekhar Singh, R/o, Dist: Ballia, U P, changed my Father's name from Surendra Nath Singh to Surendra, vide Affidavit No. 284254 dt. 09.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14668016X, NK, Mohammad Sheikh Sajeed, R/o, Dist: Chhindwara, Madhya Pradesh, changed my Son's name from MD Shaik Kazi to Mohammad Sheikh Kazi, vide Affidavit No. 284258 dt. 09.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana..

I, No. 14669629K, NK, Babasaheb Koli, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Mother's name from Mangal to Mangal Koli, vide Affidavit No. 284260 dt. 09.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14647600F, Hav, Tathe Shahinath Nagorao, R/o, Dist: Chhatrapati Sambhajnagar, Maharashtra, changed my Father's name from Nagorao to Nagorao Devrao Tathe, vide Affidavit No. 284199 dt. 08.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14649228N, Hav, Ramanjulu S, R/o, Dist : Chittoor, A P , changed my Son's name from Punit Eswar to S Puniteswar, vide Affidavit No. 284183 dt. 08.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मरम्मत कार्यों के लिए सिंगूर परियोजना से पानी छोड़ा गया

संगारेड्डी, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के राष्ट्रीय बांध सुरक्षा समीक्षा पैनल द्वारा सुझाए गए मरम्मत कार्यों को पूरा करने के लिए सिंचाई अधिकारियों ने शनिवार को पुलकल मंडल के सिंगूर के पास मंजिरा नदी पर बनी सिंगूर बहुउद्देशीय परियोजना से पानी निकालना शुरू कर दिया है। सिंचाई विभाग ने जलविद्युत परियोजना को संचालित करते हुए नदी में 2,500 क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार अगले 30 से 40 दिनों में जलाशय का जल स्तर घटकर 8 टीएमसीएफटी रह जाएगा और छोड़े गए पानी का उपयोग आगे की जरूरतों के लिए किया जाएगा। वर्तमान में परियोजना में 29.91 टीएमसीएफटी की कुल भंडारण क्षमता के मुकाबले लगभग 16 टीएमसीएफटी पानी मौजूद है। पिछले वर्ष गर्मियों में निरीक्षण के दौरान बांध के मिट्टी के तटबंध और ऊपरी हिस्से में क्षति पाए जाने के बाद एहतियात के तौर पर इस वर्ष अधिक जल प्रवाह के बावजूद भंडारण को सीमित रखा गया था। इसी बीच सिंचाई विभाग ने करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से बांध के ऊपरी तटबंध की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है। पानी निकालने की प्रक्रिया के दौरान विशेषज्ञों की एक टीम बांध और तटबंध की स्थिति पर लगातार नजर रखेगी और आगे की मरम्मत से पहले नुकसान का आकलन करेगी।

पुलिस ने चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर

चार बाइक बरामद की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने शनिवार को चोरी के मामलों में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चार मोटरसाइकिलें और कुछ कपड़े बरामद किए। आयुक्त के टास्क फोर्स (पश्चिम) की टीम ने सूचना के आधार पर सरदार जगजोइथ सिंह (24), अजमेरा मुरली कुमार (19) और सिरसुवल तिलक (19) को पकड़ा, जो सभी एसआर नगर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों ने मिलकर एक गिरोह बनाया और चार मोटरसाइकिलों के साथ-साथ दो घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। अतिरिक्त डीसीपी (टास्क फोर्स) इकबाल सिद्दीकी ने बताया कि चोरी की गई संपत्ति बेचकर गिरोह ने कमाई की और उसके जरिए ऐशो-आराम की जिंदगी जी। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

आठ गांवों के नेताओं ने शुरू की भूख हड़ताल

जीएचएमसी में अतिरिक्त डिवीजन की मांग

संगारेड्डी, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पांच साल पहले अमीनपुर नगरपालिका में विलय किए गए आठ गांवों के नेताओं ने शनिवार को किस्तारेड्डीपेट गांव को मुख्यालय बनाकर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में एक अतिरिक्त डिवीजन बनाने की मांग को लेकर रिले भूख हड़ताल शुरू की। नेताओं का कहना है कि अमीनपुर क्षेत्र के जीएचएमसी में विलय के बाद केवल दो डिवीजन बनाए गए हैं, जबकि क्षेत्र में लगभग 12 लाख मतदाता रहते हैं और तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि आठ गांवों में फैले 80,000 मतदाताओं को शामिल करते हुए एक नया डिवीजन बनाया जाए। नेताओं ने बताया कि राजधानी में केवल 20,000 मतदाताओं वाले वार्ड बनाए गए हैं, जबकि अमीनपुर के 12 लाख मतदाताओं के बावजूद इसे केवल दो डिवीजनों तक सीमित रखा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो विरोध प्रदर्शन और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता महेश काले पेश करेंगे 'स्वरसंध्या' संगीत कार्यक्रम

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक महेश काले 17 जनवरी को शाम 6.30 बजे हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका, हाईटेक सिटी में 'स्वरसंध्या' नामक संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। 'स्वरसंध्या' एक आध्यात्मिक और भावपूर्ण संगीत कार्यक्रम है, जिसमें अभंग, राग संगीत, नाट्य संगीत और महेश काले की स्वयं की रचनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले महेश काले ने अपने सफल इंजीनियरिंग करियर को छोड़कर पूरी तरह से भारतीय शास्त्रीय संगीत के अध्ययन को समर्पित किया। महान पंडित जितेंद्र अभिषेकी के शिष्य महेश काले हिंदुस्तानी शास्त्रीय, नाट्य और भक्ति संगीत में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं। उन्हें मराठी फिल्म 'कट्यार कलजात घुसाली' के लिए 63वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक के रूप में मिला और कैलिफोर्निया के सैन जोस में भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महेश काले अपने प्रदर्शन, सैन फ्रांसिस्को स्थित महेश काले स्कूल ऑफ म्यूजिक और दिवंगत उस्ताद जाकिर हुसैन, अरुणा साईराम, स्टेनली जॉर्डन और त्रिलोक गुर्टू जैसे दिग्गजों के साथ सहयोग के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत की विरासत को दुनिया भर के नए दर्शकों तक पहुंचाते रहेंगे।

शमशाबाद में महिला से सोने की चेन झपटी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह शमशाबाद इलाके में अज्ञात लोगों ने एक महिला से सोने की चेन छीन ली। आरजीआई एयरपोर्ट क्षेत्र के कुमुरी बस्ती में रहने वाली जयम्मा अपने घर के सामने झाड़ू लगा रही थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया और उनके गले से चार तोला वजनी सोने की चेन छीनकर फरार हो गया। घटना से महिला घबरा गई और आसपास के लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी गई। शिकायत मिलने पर आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

बाघ लड़की को खा गया 3 टुकड़ों में मिला शव

महाराजगंज, 10 जनवरी (एजेंसियां)। महाराजगंज में 14 साल की नाबालिग लड़की को बाघ खा गया। उसका शव तीन टुकड़ों में मिला। एक हाथ शव से 10 मीटर दूर पड़ा था। पेट का मांस भी उसके बगल पड़ा था। सीने से मांस और कान गायब था। शरीर का एक भी कपड़ा नहीं था। 17 घंटे बाद नाबालिग का शव मिला। लाश देखकर मां ऊषा रो-रोकर बेसुध हो गईं। उन्होंने कहा- मेरी बिटिया को बाघ ने बहुत बुरी तरह से मारा है। वह बहुत तड़पी होगी। अब मैं जीकर क्या करूंगी। कोई मुझे भी मार दें। परिजनों ने बताया- बेटी दोपहर बड़ी बहन के साथ खेत में गन्ना काटने गई थी। बहन अलाव के लिए लकड़ी लेने गई तो वह गायब हो गई। बड़ी बहन ने उसे खेत में खोजा, लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद घर लौट आई और हम लोगों को यह बात बताई। इसके बाद हम लोग लाठी-डंडे लेकर टॉर्च की रोशनी में रात 2 बजे तक उसे खोजते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह फिर से खोजबीन शुरू की तो जंगल में खून के धब्बे और चप्पल पड़ी मिली।

बिहार में जदयू के 12 नेताओं पर कार्रवाई

छह साल के लिए पार्टी से किया निष्कासित

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी और एनडीए प्रत्याशियों के खिलाफ काम करने वाले नेताओं पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने सख्त कार्रवाई की है। पार्टी ने अनुशासनहीनता और भितरघात के आरोप में 12 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इन निष्कासित नेताओं में पूर्व विधायक से लेकर जिला और प्रखंड स्तर के पदाधिकारी शामिल हैं।

निष्कासित किए गए नेताओं में पूर्व विधायक अशोक सिंह (औरंगाबाद), जदयू नेता संजीव कुमार सिंह (औरंगाबाद), प्रमोद सदा (सहरसा), संजय कुशवाहा और कमला कुशवाहा (सिवान), जहानाबाद के पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा उर्फ शशिभूषण कुमार, महेंद्र सिंह, गुलाम मुर्तजा अंसारी, अमित कुमार पम्मू, दरभंगा के

जदयू नेता अवधेश लाल देव और गया जिले के कोच प्रखंड अध्यक्ष जमीलउर रहमान के नाम शामिल हैं।

समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपी

पार्टी सूत्रों के अनुसार, चुनाव के दौरान अंदरूनी विरोध और पार्टी प्रत्याशियों के खिलाफ काम करने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की जांच के लिए पार्टी ने तीन सदस्य समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपी, जिसमें इन नेताओं की भूमिका संदिग्ध पाई गई।

12 नेताओं को छह वर्षों के लिए किया निष्कासित

समिति की रिपोर्ट के आधार पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सभी 12 नेताओं को छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित करने का आदेश जारी किया। इस संबंध में जारी पत्र पर प्रदेश अध्यक्ष के हस्ताक्षर भी हैं। पार्टी के भीतर इस कार्रवाई को अनुशासन मजबूत करने और भविष्य में भितरघात करने वालों के लिए कड़ा संदेश माना जा रहा है। जदयू नेतृत्व का साफ कहना है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केसी त्यागी आउट! जदयू ने कहा

पार्टी से उनका कोई आधिकारिक संबंध नहीं

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग करने वाले पूर्व सांसद केसी त्यागी से जदयू ने किनारा कर लिया है। त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर कहा था कि नीतीश कुमार समाजवादी आन्दोलन के अनमोल रत्न हैं। इससे पहले भी कई जीवित राजनेताओं को यह सम्मान दिया जा चुका है। त्यागी ने समाजवादी पृष्ठभूमि के संदर्भ स्व चौधरी चरण सिंह एवं स्व कर्पूरी ठाकुर की चर्चा की थी, जिन्हें नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत रत्न दिया गया।इससे पहले भी कई नेताओं ने नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की थी। लेकिन, उन पर कभी जदयू की प्रतिक्रिया नहीं आई।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने शनिवार को कहा कि हाल के दिनों में केसी त्यागी के कई बयान आए हैं, ये पार्टी के आधिकारिक स्टैंड नहीं हैं। त्यागी इसे निजी क्षमता में दे रहे हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं को तो यह भी पता नहीं है कि केसी ज्यागी जदयू में हैं या नहीं। उनके वक्तव्यों को जदयू से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। हालांकि, राजीव रंजन ने त्यागी की ओर से भारत रत्न देने की मांग का जिक्र नहीं किया है। लेकिन, इसके समय को देख कर यही अनुमान लगाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत रत्न की मांग को पसंद नहीं किया है। त्यागी का बयान शुक्रवार को आया। जदयू की प्रतिक्रिया शनिवार की सुबह आ गई।

जदयू में केसी त्यागी की भूमिका लगातार सिमट रही है। कभी वे दल के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव और प्रवक्ता हुआ करते थे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की टीम में उन्हें महासचिव और प्रवक्ता के पद से मुक्त कर दिया गया। अभी तक वे जदयू के सलाहकार के रूप में जाने जाते हैं। लेकिन, राजीव रंजन की शनिवार की प्रतिक्रिया से साफ हो गया है कि उनकी यह भूमिका भी समाप्त हो गई है।

केजीएमयू में हंगामे के बाद सीएम योगी ने अपर्णा यादव को किया तलब

यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष के खिलाफ पुलिस से हुई शिकायत

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के केजीएमयू में उस वक्त तनाव फैल गया जब राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचीं। अपर्णा यादव यहां धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर केजीएमयू के वाइस चांसलर से मिलना चाहती थीं। केजीएमयू प्रशासन का दावा है कि अपर्णा यादव बिना किसी सूचना के वहां पहुंची थीं और अपने करीब 200 समर्थकों के साथ वीसी से मिलने पर अड़ी रहीं। इस दौरान जमकर हंगामा और नारेबाजी भी हुई। मामला इतना बढ़ गया कि प्रशासन को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस फोर्स बुलानी पड़ी। इस मामले को लेकर सीएम योगी ने अपर्णा यादव को तलब किया। वहीं, अपर्णा यादव के खिलाफ चौक कोतवाली में केजीएमयू के चीफ प्रॉक्टर की तरफ से तहरीर दी गई है।

अपर्णा यादव ने लगाए हैं गंभीर आरोप

हंगामे के बाद अपर्णा यादव ने केजीएमयू में ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने संस्थान पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इसे 'धर्मांतरण का अड्डा' बता दिया। अपर्णा यादव ने कहा कि केजीएमयू में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और धर्मांतरण जैसे आरोप सामने आ रहे हैं, लेकिन इन गंभीर मामलों पर केजीएमयू प्रशासन की चुप्पी चिंता का विषय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केजीएमयू में पिछले दो साल से बिना लाइसेंस के ब्लड बैंक चल रहा है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कहा कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच जरूरी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस विवाद के बाद केजीएमयू के वाइस चांसलर डॉ। नित्यानंद सोनिया ने पूरे मामले की जानकारी देने के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है।

डॉक्टरों की बैठक और मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप

घटना के बाद केजीएमयू में डॉक्टरों की एक बड़ी बैठ हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर्णा यादव को मिलने के लिए बुलाया। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में केजीएमयू में हुए हंगामे और वहां लगाए गए आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है।

प्रेमिका का बच्चा किडनैप कर भागा प्रेमी

कानपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में प्रेमिका के बच्चे को लेकर भाग रहा प्रेमी पकड़ा गया है। वह शादीशुदा प्रेमिका से मिलने शुक्रवार को बिहार से दिल्ली पहुंचा। प्रेमिका से साथ चलने को कहा तो उसने मना कर दिया। इससे हेमंत कुमार नाराज हो गया। उसने महिला के एक साल के बेटे को खिलौना दिलाने के बहाने किडनैप कर लिया। उसे अगवा कर विक्रमशिला एक्सप्रेस से भाग निकला। इधर, महिला को काफी देर तक बेटा नहीं मिला तो उसने दिल्ली के कपसेरा वेस्ट थाने में हेमंत के खिलाफ अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई।

पुलिस ने सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। जांच में सामने आया कि आरोपी बच्चे के साथ विक्रमशिला एक्सप्रेस पर चढ़ा है। इसके बाद पुलिस ने कानपुर रेलवे स्टेशन पर पुलिस को अलर्ट भेजा। जैसे ही ट्रेन शुक्रवार रात स्टेशन पर पहुंची, आरपीएफ और जीआरपी जवानों ने ट्रेन को घेर लिया। फिर तलाश के दौरान बच्चे को बरामद किया।

माघ मेला 2026: सीएम योगी ने लगाई डुबकी गंगा पूजन कर दिया आस्था का संदेश

प्रयागराज, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेला-2026 के दौरे के दौरान प्रयागराज में गंगा नदी में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए। सीएम योगी शनिवार को माघ मेले में आने वाले 'स्नान पर्व' की तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रयागराज पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने गंगा पूजन में हिस्सा लिया और माघ मेला क्षेत्र में सत्तू बाबा के पंडाल में आयोजित होने वाले अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। सीएम आदित्यनाथ मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी सहित प्रमुख स्नान पर्वों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी करेंगे। उम्मीद है कि इन स्नान अनुष्ठानों में देश भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे।

गंगा में पवित्र डुबकी लगाने और पूजा करने के बाद सीएम योगी सत्तू बाबा के शिविर में श्री जगद्गुरु रामानंदाचार्य के प्रकटोत्सव समारोह में भाग लेंगे। उम्मीद है कि वह जल्द ही पंडाल पहुंचेंगे, जहां साधु-संत पहले ही इकट्ठा होना शुरू हो गए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सीएम योगी संतों और धार्मिक नेताओं से भी मिलेंगे। इसके अलावा, वह रामानंदाचार्य की 726वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। प्रयागराज दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री योगी राजेंद्र प्रसाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी भी जाएंगे। 44 दिनों तक चलने वाला माघ मेला 3 जनवरी को प्रयागराज में संगम पर पौष पूर्णिमा के शुभ स्नान के साथ शुरू हुआ। माघ मेले के दौरान छह मुख्य स्नान होंगे, जो 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान के साथ खत्म होंगे। इस साल की महत्वपूर्ण स्नान की तारीखों में 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि शामिल हैं। माघ मेला-2026 की भव्य शुरुआत ने एक बार फिर प्रयागराज को आस्था और संस्कृति के एक शाश्वत केंद्र के रूप में उसकी स्थिति की पुष्टि की है।

आशिया को मोनू से मेले में हुआ प्यार, अब अंशिका बन रचाई शादी; मंदिर में कराया शुद्धिकरण

बरेली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में प्यार की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जहां आशिया खान नाम की एक युवती अपने प्यार को पाने के लिए अंशिका बन गई। पूरा मामला कस्बा मीरगंज का बताया जा रहा है। मीरगंज की रहने वाले आशिया खान ने अपने प्रेमी मोनू के साथ बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम में जाकर हिंदू रीति-रिवाज से शादी कर ली। आशिया खान ने अपना नाम परिवर्तित करने के साथ ही धर्म भी परिवर्तित कर लिया है। आशिया ने हमेशा के लिए इस्लाम धर्म को छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया है। इसके लिए बाकायदा आशिया का शुद्धिकरण भी कराया गया। दरअसल, आशिया से अंशिका बनी युवती ने बताया कि उसकी मुलाकात मेले में मोनू से हुई और फिर दोनों ने मोबाइल नंबर एक्सचेंज किया। दोनों के बीच बात होती रही और फिर बातचीत होते-होते दोनों के बीच प्यार हो गया। अब दोनों ने शादी भी रचा ली है। दोनों ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम में जाकर हिंदू रीति रिवाज के अनुसार शादी कर ली। युवती ने बताया कि वह पिछले 4 सालो से सनातन धर्म को मानती थी और मंदिर भी जाती थी। मोनू से मुलाकात के बाद से ही वह हिंदू धर्म के रीति रिवाजों को मानने लगी थी।

'जब अहंकार सिर पर चढ़ जाता है'

रोहिणी आचार्य का फिर छलका दर्द; 'अपने-परायों' का किया जिक्र

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव के परिवार में शुरू हुई कलह कम होने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए घर छोड़ दिया था। उन्होंने खुद के साथ मारपीट किए जाने सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं अब एक बार फिर रोहिणी आचार्य दर्द सामने आया है। रोहिणी आचार्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए अपने और परायों की बात कही है। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि एक बड़ी विरासत को तहस-नहर करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती है।

रोहिणी आचार्य ने परायों का किया जिक्र

रोहिणी आचार्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा, बड़ी शिद्दत से बनायी और खड़ी की गयी बड़ी विरासत को तहस-नहस करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती। अपने और अपनों के चंद षड्यंत्रकारी नए बने अपने ही काफी होते हैं। हैरानी तो तब होती है, जब जिसकी वजह से पहचान होती है, जिसकी वजह से वजूद होता है, उस पहचान, उस वजूद के निशान को बहकावे में आ कर मिटाने और हटाने पर अपने ही आमादा हो जाते हैं। जब विवेक पर पर्दा पड़ जाता है, अहंकार सिर पर चढ़ जाता है।।। तब विनाशक ही आंख-नाक और कान बन बुद्धि-विवेक हर लेता है।

हाल में छोड़ा था परिवार

बता दें कि हाल ही में लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति और परिवार छोड़ने का ऐलान किया था। रोहिणी आचार्य ने उस समय एक्स पर एक पोस्ट में कई गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने एक्स पर लिखा, मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपए लिए, टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी। सभी बेटी-बहन, जो शादीशुदा हैं उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा-भाई हो, तो भूलकर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं, अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे।

यूट्यूब पर देखकर झोलाछाप डॉक्टर ने प्रेग्नेंट महिला का किया ऑपरेशन, तड़प-तड़प कर हुई मौत

भागलपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जिले से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जिसने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। कहलगांव प्रखंड के एकचारी क्षेत्र में एक झोलाछाप डॉक्टर ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर एक गर्भवती महिला का सिजेरियन ऑपरेशन कर दिया, जिसके कारण महिला की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। रात एकचारी क्षेत्र के श्रीमठ स्थान निवासी स्वाति देवी को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने गांव की ही आशा कर्मी की सलाह पर अमर कुमार मंडल नामक डॉक्टर के क्लीनिक में भर्ती कराया। आरोप है कि डॉक्टर ने 30 हजार रुपये लेकर ऑपरेशन की बात कही और सहमति मिलने के बाद मोबाइल पर यूट्यूब वीडियो देखकर ऑपरेशन शुरू कर दिया।

'मैं बता दूं कि कोई न कोई साजिश चल रही पीडीए का वोट काटने की

वोटों को आधार से जोड़ा जाए'; अखिलेश की मांग

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, ये जो एसआईआर का काम चल रहा है, किसी भी पार्टी ने इसका विरोध नहीं किया। मैं बता दूं कि कोई न कोई साजिश चल रही है। पीडीए समाज का वोट काटने की और अपना वोट बढ़ाने की। जब एक प्रतिष्ठित अखबार में ये बात सामने कि सरकार ने ये निर्देश दिए हैं कि हर बूथ में 200 वोट बढ़ाए जाएं, तब ये शक और भी गहरा हो जाता है। मेरी मांग कि सभी वोटों को आधार से जोड़ा जाए। यूपी में बीएलओ के बनाए गए आंकड़े पंचायत चुनाव की लिस्ट में अलग हैं, जबकि विधानसभा की लिस्ट में अलग हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

इसके लिए हमने एक प्रारूप तैयार कर लिया है। हम चुनाव आयोग से जांच की मांग करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा, जैसे ही ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सामने आई, वैसे ही मेरी आशंकाएं सच साबित होती दिख रही हैं। मुझे करीब तीन करोड़ वोट काटे जाने की आशंका थी। प्रक्रिया के दौरान ही खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पहले ही

चार करोड़ वोट काटे जाने की बात सार्वजनिक मंचों पर कही थी।

किसी को यह जानकारी नहीं थी कि कितने वोट हटाए जाएंगे

अखिलेश यादव ने कहा, जब वोटर लिस्ट अभी आई भी नहीं थी और किसी को यह जानकारी नहीं थी कि कितने वोट हटाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के बीच यह बात कही कि करीब चार करोड़ वोट काटे जाएंगे। यह बयान रिकॉर्ड में है। कई लोगों ने सुना भी है। जब पहले से यह आंकड़ा तय कर लिया गया था, तो यह पूरी प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष है।

10 लाख की फाइल पर 18 हजार की डील, रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया अफसर

खगड़िया, 10 जनवरी (एजेंसियां)। खगड़िया जिले में सरकारी महकमों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। डीआरडीए परिसर स्थित स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्यालय में तैनात प्रमंडलीय लेखा अधिकारी शिशिर कुमार राम को 18 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि लेखा अधिकारी शिशिर कुमार राम एक संवेदक का बकाया भुगतान करने के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। पीड़ित संवेदक संजय कुशवाहा ने बताया कि उसने बालू आपूर्ति का कार्य किया था, जिसका 10 लाख 50 हजार रुपये का भुगतान लंबित था। मूल बिल खो जाने के कारण उसने भुगतान के लिए बिल की फोटोकॉपी जमा की थी।

इस बिल को संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) और असिस्टेंट इंजीनियर (एई) ने पास कर दिया था, लेकिन लेखा अधिकारी ने जानबूझकर फाइल को रोक लिया। संवेदक के अनुसार, बिल पास करने के बदले पहले उससे 20 हजार रुपये की मांग की गई, बाद में सौदा 18 हजार रुपये में तय हुआ। संजय कुशवाहा ने बताया कि पिछले दो महीनों से अधिकारी उसे लगातार दौड़ा रहा था। पहले फंड नहीं आने का बहाना बनाया गया और बाद में सीधे तौर पर पैसों की मांग की जाने लगी।

कपसाड़ में कड़ा पहरा: गांव सील-अटेरना पुल पर बैरिकेडिंग

मीडिया और नेताओं की एंट्री बंद, टोल पर रोके सपा नेता

मेरठ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ से सटे सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में दलित महिला सुनीता की हत्या और उनकी बेटी रूबी के अपहरण के बाद हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। गांव कपसाड़ में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण के गांव पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। एसपी देहात स्वयं मौके पर डेरा डाले हुए हैं। अटेरना पुल पर बैरिकेडिंग कर दी गई है साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं कपसाड़ जा रहे सपा नेताओं को भी काशी टोल प्लाजा पर रोक दिया गया।

पुलिस ने अटेरना पुल पर बैरिकेडिंग कर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही रोक दी है। गांव में जाने वाले सभी रास्तों पर कड़ी नाकेबंदी की गई है। किसी भी बाहरी व्यक्ति को गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

मीडिया कर्मियों की भी एंट्री बंद

संवेदनशील हालात को देखते हुए पुलिस ने मीडिया कर्मियों को भी गांव में प्रवेश से रोक दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता या मीडिया प्रतिनिधि को गांव के भीतर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल स्थानीय ग्रामीणों को पहचान सत्यापन के बाद आने-जाने दिया जा रहा है।

हत्या व अपहरण के बाद तनावपूर्ण माहौल

गौरतलब है कि दो दिन पहले कपसाड़ गांव में अनुसूचित जाति की युवती रूबी का अपहरण कर लिया गया था। अपहरण का विरोध करने पर उसकी मां सुनीता की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस जघन्य घटना के बाद से गांव में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है।

राजनीतिक गतिविधियों को लेकर पुलिस सतर्क

घटना के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के गांव पहुंचने की संभावनाओं को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में सपा के महिला प्रतिनिधिमंडल को भी पुलिस ने रास्ते में रोक दिया।

सपा महिला जिला अध्यक्ष मृदुला यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष इशार जहां, नजमा महारगर अध्यक्ष, सांसद सुमन लाल, राजलक्ष्मी सहित अन्य सपा कार्यकर्ताओं को काशी टोल पर एसपी ट्रैफिक ने रोक लिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि हालात सामान्य होने तक किसी भी राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल को गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस ने हत्या और अपहरण के मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लगातार दबिशें दी जा रही हैं और प्रशासन का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव-29 नगर निगमों में 15 जनवरी को वोटिंग

उद्धव बोले-बीजेपी का हिंदुत्व असली नहीं वह रावण को भी पार्टी में मिला लेगी

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बीएमसी समेत महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में चुनाव को लेकर महाराष्ट्र भर में चुनाव प्रचार जारी है। नासिक में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को भाई राज ठाकरे के साथ जनसभा की। उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी के हिंदुत्व के प्रति समर्पण पर सवाल उठाया। दागी नेताओं को शामिल करने पर कहा कि वह इतनी बेशर्म हो गई है कि वह राक्षस राजा रावण को भी अपने साथ मिला सकती है। वहीं राज ने आरोप लगाया कि बीजेपी धर्म और जाति के नाम पर लोगों को गुमराह करना चाहती है। आप हमें सत्ता सौंपें और देखें, हम शहर को पहले जैसा बना देंगे। महाराष्ट्र के नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने हैं। इसके लिए प्रचार 13 जनवरी को शाम 5.30 बजे खत्म हो जाएगा। चुनाव के नतीजे 16 जनवरी को आएंगे।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि उन्हें बीजेपी के वफादारों के लिए दुख हुआ जिन्हें नजरअंदाज कर दिया गया क्योंकि पार्टी दागी

नेताओं को शामिल कर रही थी जिन्हें प्राथमिकता दी जा रही थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक उद्धव ने कहा कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा परेशान किए गए लोग भगवा पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने घोषणा की कि 15 जनवरी को 29 नगर निगमों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में वोटिंग के लिए छुट्टी रहेगी। लातूर नगर निगम चुनाव लड़ रहे सत्रह निर्दलीय उम्मीदवार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) ने शनिवार को पुणे नगर निगम के आगामी चुनावों के लिए एक संयुक्त घोषणापत्र जारी किया।

बीजेपी ने बदलापुर यौन शोषण मामले के सह-आरोपी को ठाणे जिले में पार्षद बनाया

भारतीय जनता पार्टी ने बदलापुर यौन शोषण मामले में सह-आरोपी और उस समय एक स्कूल के सचिव रहे तुषार आप्टे को ठाणे जिले की कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद में मनोनीत पार्षद नियुक्त किया है। परिषद की चेयरपर्सन रुचिता घोरपड़े ने आप्टे की नियुक्ति की पुष्टि की है। आप्टे के अलावा, अन्य मनोनीत पार्षदों में शगॉफ गोरे (बीजेपी), प्रभाकर पाटिल (एनसीपी), और दिलीप बाइकर और हेमंत चतुरे (शिवसेना) शामिल हैं। घटना 12 और 13 अगस्त की है। आदर्श स्कूल में 23 साल के स्वीपर अक्षय शिंदे ने दो बच्चियों का यौन शोषण किया। इसके बाद दोनों लड़कियां स्कूल जाने से डर रही थीं। माता-पिता को संदेह हुआ। उन्होंने लड़की को भरोसे में लेकर पूछताछ की तो बात सामने आई। आप्टे, जो उस समय उस शैक्षणिक संस्थान के सचिव थे जहां यौन शोषण हुआ था। उनपर अपराध को रिपोर्ट न करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवाजीराव मोघे ने शनिवार को कहा कि अगर अंबरनाथ नगर परिषद के 12 कांग्रेस पार्षदों ने बीजेपी के साथ हाथ मिलाने के बजाय आपसी समझ बनाई होती, तो उन्हें सस्पेंड होने से बचाया जा सकता था।

जम्मू के गोरखा नगर में घर की छत पर ड्रोन मिलने से मचा हड़कंप जांच में जुटी पुलिस

जम्मू, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू के गोरखा नगर में शनिवार सुबह एक घर की छत पर ड्रोन मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह करीब 10:30 बजे घर के लोग ड्रोन को छत पर देखकर चौंक गए और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ड्रोन किसका था और इसे वहां क्यों छोड़ा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

ठाणे में बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के सह-आरोपी को भाजपा ने बनाया पार्षद; उठे कई सवाल

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। ठाणे के बदलापुर यौन शोषण मामले के सह-आरोपी और तब के स्कूल सचिव तुषार आप्टे को भाजपा ने ठाणे जिले की कुलगांव-बदलापुर नगरपालिका परिषद में को-ऑप्टेड काउंसलर नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की पुष्टि परिषद की अध्यक्ष रुचिता घोरपड़े ने की। नगर परिषद के पांच को-ऑप्टेड काउंसिलरों के चयन की प्रक्रिया पूरी हुई।

इसमें से दो को भाजपा, दो को शिवसेना और एक को एनसीपी ने नामित किया। तुषार आप्टे के अलावा अन्य नियुक्त काउंसिलरों में शगोफ गोरे (भाजपा), प्रभाकर पाटिल (एनसीपी) और दिलीप बाईकर व हेमंत चतुरे (शिवसेना) शामिल हैं।

भाजपा काउंसिलर राजन घोरपड़े ने इस नियुक्ति का बचाव करते हुए कहा कि आप्टे सामाजिक कार्यकर्ता और एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था के पदाधिकारी हैं। उन्होंने कहा हालांकि उनका नाम आरोपी के रूप में था, उनकी दोषसिद्धि साबित नहीं हुई है। मुख्य आरोपी को पहले ही सजा मिल चुकी है। आप्टे ने पार्टी के लिए सक्रिय रूप से काम किया और पार्टी उम्मीदवार की जीत में योगदान दिया, इसलिए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई।

तुषार आप्टे पर लगे थे गंभीर आरोप

तुषार आप्टे उस शैक्षणिक संस्थान के सचिव थे जहां कथित यौन शोषण की घटना हुई थी। उन पर अपराध की रिपोर्ट न करने का आरोप लगाया गया था। स्कूल प्रबंधन के खिलाफ पीओसीएसओ एक्ट की धारा 21(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना के 44 दिन बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था और 48 घंटे में जमानत मिल गई थी। यह मामला वर्तमान में सुब ज्यूडिस (अदालती प्रक्रिया में) है।

पीएम मोदी सीएम नीतीश को 'भारत रत्न' से नवाजे जाने का फैसला कर सबको चौकाएंगे : जीतन राम मांझी

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड के नेता केसी त्यागी द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की मांग का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी समर्थन किया है। मोर्चा के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने विश्वास जताते हुए यहां तक कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'भारत रत्न' से नवाजे जाने का फ़ैसला कर एक बार फिर से सबको चौकाएंगे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत रत्न नीतीश कुमार, ये शब्द सुनने में कितना अच्छा लगेगा ना। हमें पूर्ण विश्वास है कि अपने फैसले से सबको चौंका देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'भारत रत्न' से नवाजे जाने का फ़ैसला कर एक बार फिर से सबको चौकाएंगे। भारत रत्न नीतीश कुमार।

दरअसल, शुक्रवार को जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को देश का सर्वोच्च सम्मान देने की मांग की। केसी त्यागी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि समाजवादी आंदोलन के बचे अनमोल रत्न नीतीश कुमार 'भारत रत्न' के योग्य हैं। उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाए। केसी त्यागी ने पत्र में लिखा, 30 मार्च 2024 हमारे पुरखों के सम्मान का दिन है। आपके प्रयासों से उन्हें 'भारत रत्न' के सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किया गया था। स्व. चौधरी चरण सिंह एवं स्व. कर्पूरी ठाकुर द्वारा किए गए जनहित एवं कृषक, हाशिए पर गए लोगों को संगठित कर उन्हें सम्मान दिलाने का सार्थक प्रयास किया गया था।

पत्र में आगे लिखा है, आपके इन्हीं प्रयासों से अभिभूत होकर निवेदन है कि समाजवादी आंदोलन के बचे अनमोल रत्न नीतीश कुमार भी इस सम्मान के योग्य हैं। पहले भी जीवित रहते हुए कई नायकों को यह सम्मान मिल चुका है। करोड़ों जनमानस की ओर से आपसे आशा एवं निवेदन है कि प्रिय नेता नीतीश कुमार को इस सम्मान से नवाजा जाए ताकि इतिहास आपके प्रयासों की लंबे समय तक सराहना करे। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब नीतीश कुमार के लिए 'भारत रत्न' की मांग उठी हो। इससे पहले भी कई पार्टी के नेता नीतीश कुमार के लिए 'भारत रत्न' की मांग कर चुके हैं।

'पहचान उजागर की जा रही, मेरा मानसिक बलात्कार करना बंद कराओ'

उन्नाव रेपकांड पीड़िता ने लगाई गुहार

उन्नाव, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उन्नाव रेप कांड की पीड़िता का शनिवार को एक और वीडियो सामने आया है। पीड़िता का आरोप है की कुलदीप सिंह सेंगर की दोनों बेटियों और समर्थकों के द्वारा लगातार सोशल मीडिया पर मेरी पहचान उजागर की जा रही है। मेरा चरित्र हनन किया जा रहा है। कहा जा रहा है की मेरी पास ठोस सबूत है तो उनको सामने लाया जाया और जांच एजेंसी को क्यों नहीं दिया गया। कहा की हकीकत यह है की इनके पास कोई सबूत नहीं है जो थे वह कोर्ट के सामने रखे जा चुके है।

वीडियो के जरिए पीड़िता ने कहा की 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जाति विशेष समाज के द्वारा धरना प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। यह कोई प्रदर्शन नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शन के जरिए सीजेआई को डराने का मात्र एक प्रयास है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डर जाए और हमारे फेवर में फैसला कर दें। पीड़िता ने कहा की ऐश्वर्या सेंगर को नेता बनाया जा रहा है, जिससे वह कुलदीप सिंह सेंगर की राजनीतिक विरासत 2027 मे संभाल सकें। पीड़िता ने कहा की ऐश्वर्या अपने इंटरव्यू को सनसनी खेज बना रही है।

ओवैसी बोले-भारत में हिजाब पहनने वाली बेटी प्रधानमंत्री बनेगी

भाजपा नेता का जवाब-हिंदू राष्ट्र में संभव नहीं, इसके लिए इस्लामिक देश में जाएं

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी भारत की प्रधानमंत्री बनेगी।

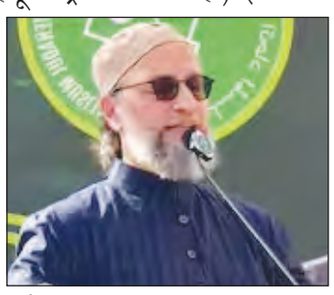

जो पार्टियां आज देश में मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम कर रहीं हैं, उनकी दुकान अब ज्यादा दिन नहीं चलने वाली। ओवैसी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में आयोजित जनसभा में ये बयान दिया। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा-पाकिस्तान के संविधान में लिखा है कि सिर्फ एक ही धर्म का व्यक्ति प्रधानमंत्री बन सकता है, लेकिन बाबा साहब का संविधान कहता है कि कोई भी भारतीय नागरिक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मेयर बन सकता है। ओवैसी के बयान का जवाब महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने दिया। उन्होंने मीडिया से कहा- ओवैसी हिंदू राष्ट्र में ऐसे बयान नहीं दे सकते हैं। जो लोग ऐसे पदों पर बैठना चाहते हैं, उन्हें अपने इस्लामिक देशों में जाना चाहिए। हम बुर्के वाली और हिजाब पहनने वाली के साथ ओवैसी को भी बैठाएंगे और यहां से भगा देंगे।

ओवैसी बोले-मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने वालों का अंत होगा

ओवैसी ने आरोप लगाया कि कई अन्य पार्टियां मुसलमानों के खिलाफ नफरत भड़का रही हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाते हैं, उनका अंत होगा। जब प्यार आम हो जाएगा, तो लोगों को एहसास होगा कि उनके लोगों के दिमाग में कैसे जहर घोला गया था। इस पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा संविधान किसी को नहीं रोकता, लेकिन ओवैसी को चुनौती देता हूं कि पहले आप किसी पसमांदा या हिजाब वाली को एआईएमआईएम का अध्यक्ष बनाएं।

9-सीटर फ्लाइट क्रैश भुवनेश्वर से राउरकेला जा रही थी, पायलट समेत 7 लोग सवार थे

राउरकेला, 10 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के राउरकेला में शनिवार दोपहर 9 सीटर फ्लाइट दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। यह इंडिया वन एयर की 9 सीटर फ्लाइट थी, जो भुवनेश्वर से राउरकेला जा रही थी। इस विमान में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें 6 यात्री और 1 पायलट शामिल हैं। पायलट को गंभीर चोट आई हैं। प्लेन क्रैश की घटना राउरकेला से 15 कि.मी दूर हुई है। प्लेन क्रैश की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें नजर आ रहा है कि क्रैश प्लेन वीटी केएसएस है। इसका अगल हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। प्लेन के विंग्स भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्लेन क्रैश की वजह अभी तक सामने नहीं आई है।

आतिशी पर सियासी भूचाल : दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के डीजीपी

जालंधर कमिश्नर को भेजा नोटिस; सीएम का दौरा रद्द

जालंधर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आप विधायक आतिशी के विवादित वीडियो को लेकर दर्ज एफआईआर के मामले में दिल्ली विधानसभा ने कड़ा रुख अपनाया है। विधानसभा की ओर से पंजाब के डीजीपी, साइबर क्राइम के स्पेशल डीजीपी और जालंधर पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर पूरे प्रकरण पर 48 घंटे में जवाब मांगा गया है। इसके साथ ही केस से जुड़े सभी दस्तावेज और फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट भी तलब की गई है।

जालंधर पुलिस ने कपिल मिश्रा पर दर्ज की थी एफआईआर

गौरतलब है कि 9 जनवरी को जालंधर पुलिस ने दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस का दावा था कि मोहाली की फोरेंसिक लैब की जांच में यह सामने आया है कि वीडियो में आतिशी द्वारा 'गुरु' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया। इसी आधार पर मामला दर्ज होने के बाद दिल्ली विधानसभा में जालंधर पुलिस कमिश्नर के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की शिकायत दर्ज कराई गई।

दिल्ली भाजपा विधायकों ने सवाल उठाया कि विधानसभा के भीतर की कार्यवाही से जुड़े मामले में पंजाब पुलिस दूसरे राज्य में एफआईआर कैसे दर्ज कर सकती है। इसे सदन के विशेषाधिकारों का खुला उल्लंघन बताते हुए उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई। इस पर दिल्ली विधानसभा स्पीकर ने स्पष्ट किया कि जालंधर पुलिस कमिश्नर सहित एफआईआर दर्ज करने से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री भगवंत मान का आज प्रस्तावित जालंधर दौरा अचानक रद्द कर दिया गया। पहले इसकी आधिकारिक सूचना जारी हुई थी, लेकिन बाद में इसे कैंसिल कर दिया गया। अब संभावना जताई जा रही है कि रविवार को सीएम मान और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल जालंधर आ सकते हैं। सीएम के दौरे से पहले ही जालंधर बीजेपी ने श्रीराम चौक में जोरदार प्रदर्शन किया और दिल्ली विधानसभा में सिख गुरुओं के अपमान के मुद्दे पर आप सरकार को घेरा। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि आतिशी वीडियो मामले में एफआईआर और बढ़ते विवाद के चलते आप नेताओं ने दौरा रद्द किया है, हालांकि सरकार की ओर से इसकी कोई आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है।

अंकिता भंडारी मामले में कथित वीआईपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पद्मभूषण अनिल प्रकाश जोशी ने की शिकायत

देहरादून, 10 जनवरी (एजेंसियां)। देहरादून वसंत विहार थाने में अंकिता भंडारी मामले के कथित वीआईपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पद्मभूषण पर्यावरणविद डॉ अनिल प्रकाश जोशी ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को शिकायत दी थी। बता दें, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अंकिता भंडारी प्रकरण की सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। अब केंद्र सरकार को मामले में फैसला लेना है। इससे पहले अंकिता भंडारी के माता-पिता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान सीबीआई जांच का अनुरोध किया था। अंकिता भंडारी प्रकरण में मचे सियासी घमासान के बीच

मुख्यमंत्री ने माता-पिता से बातचीत के बाद उनकी भावनाओं के अनुरूप मामले में निर्णय लेने का भरोसा दिलाया था। दो दिन पहले अंकिता भंडारी की मां सोनी देवी और पिता वीरेंद्र भंडारी ने सीएम से मुलाकात की थी। अब प्रदेश सरकार ने मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। खास बात यह है कि सितंबर 2022 में अंकिता भंडारी की हत्या में एसआईटी जांच के बाद न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई लेकिन 15 दिन पहले हत्या प्रकरण से जुड़े एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले ने फिर से तूल पकड़ा।

राहुल नार्वेकर के भाई सबसे अमीर प्रत्याशियों में से एक, नौ साल में बढ़ी 1800 गुना संपत्ति

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव 15 जनवरी को होने वाले हैं। इस चुनाव में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर के छोटे भाई मकरंद नरवेकर सबसे धनी उम्मीदवारों में से एक हैं। इनकी घोषित संपत्ति 124.4 करोड़ रुपये है। वह भाजपा के टिकट पर वार्ड नंबर 226 से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, अन्य उच्च संपत्ति वाले उम्मीदवारों में पूर्व शिवसेना विधायक सदा सर्वंकर के बेटे समाधान सर्वंकर ने 46.59 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। इसके साथ ही शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव ने 46.34 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है।

नौ साल में 1800 प्रतिशत बढ़ संपत्ति

चुनाव आयोग के समक्ष दायर किए गए उनके हलफनामे के अनुसार, मकरंद नरवेकर की संपत्ति (जिसमें उनकी पत्नी की संपत्ति भी शामिल है) नौ साल पहले की तुलना में 1,868 प्रतिशत बढ़ गई है उन्होंने अक्टूबर 2022 और नवंबर 2025 के बीच तटीय रायगढ़ जिले के तेजी से विकसित हो रहे अलीबाग में कृषि भूमि के 27 भूखंड खरीदे।47 वर्षीय मकरंद नरवेकर ने अपना पेशा वकील बताया है। 27 पृष्ठों के हलफनामे के अनुसार, उनकी 124.4 करोड़ रुपये की संपत्ति में से 32.14 करोड़ रुपये चल संपत्ति और 92.32 करोड़ रुपये अचल संपत्ति है। उन पर विभिन्न व्यक्तियों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋणों, उधारों और असुरक्षित ऋणों के रूप में 16.68 करोड़ रुपये की देनदारियां भी हैं।

पहली बार चुनाव लड़ते वक्त 6.3 करोड़ रुपये की संपत्ति थी

2017 में भाजपा के टिकट पर नगर निगम चुनाव लड़ते समय उन्होंने 6.3 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी। 2012 में, जब उन्होंने पहली बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नगर निगम चुनाव लड़ा था, तब उनकी संपत्ति 3.67 करोड़ रुपये की थी। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अब तक उनकी कुल आय 2.77 करोड़ रुपये है। उनकी संपत्तियों में 6,66,370 रुपये की बैंक जमा राशि, तीन वाहन शामिल हैं, जिनमें 40.75 लाख रुपये और 38.75 लाख रुपये मूल्य की दो टोयोटा फॉर्च्यूनर सिग्मा कारें और 9 लाख रुपये मूल्य की एक मारुति ग्रैंड विटारा शामिल हैं।

बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर चिंतित हैं राज्यपाल, बोले-पुख्ता तैयारी करनी होगी

देहरादून, 10 जनवरी (एजेंसियां)। आपराधिक घटनाओं को लेकर आमतौर पर शांत रहने वाले उत्तराखंड में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर राज्यपाल ले. जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह चिंतित हैं। उनका कहना है हाल के समय में डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इस तरह के अपराध का तौर-तरीका तकनीकी पर आधारित हैं इसलिए उससे निपटने के लिए हमें भी तकनीकी तौर पर लैस होना होगा। ऐसे अपराध रोके जा सकें इसके लिए हमें लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। लोकभवन में अमर उजाला के साथ विशेष बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि हमारे राज्य में कानून को चुनौती देने वाले अपराधों की संख्या अन्य राज्यों की तुलना में कम है लेकिन लगातार साइबर अपराध बढ़ रहा है।

'चुनाव आते ही ईडी को याद आते हैं दस्तावेज'

कपिल सिब्बल बोले-विपक्ष को डराने का औजार बनी एजेंसी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई को लेकर राज्य से लेकर देशभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। इसी बीच इस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही जांच एजेंसियों को अचानक दस्तावेजों की याद आ जाती है और इसका मकसद सिर्फ विपक्षी नेताओं को परेशान करना होता है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई का मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती, वहां ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को परेशान करने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने सवाल उठाया कि कोई भी जांच एजेंसी किसी दफ्तर में जाकर सभी फाइलें कैसे ले जा सकती है। अगर कोयला घोटाले की जांच करनी है तो उससे जुड़ी फाइलें लें, लेकिन हर फाइल ले जाना किस

अधिकार में है? किसी भी जांच एजेंसी को ऐसा करने का हक नहीं है।

विपक्षी नेताओं को डराने के लिए हो रहा

ईडी का इस्तेमाल- सिब्बल

कपिल सिब्बल ने ईडी को एक सर्वव्यापी एजेंसी की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कानून लागू करना नहीं, बल्कि विपक्षी नेताओं को डराना और परेशान करना है। उन्होंने केंद्र और राज्य के बीच बढ़ते टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राज्य और केंद्र के बीच जानबूझकर विवाद पैदा किया जा रहा है।

चुनाव के समय ही ऐसी कार्रवाई क्यों होती है- सिब्बल

सिब्बल ने आगे कहा कि चुनाव के समय ही ऐसी कार्रवाइयां क्यों तेज हो जाती हैं। कोयला घोटाला कोई नया मामला नहीं है, यह कई वर्षों से चल रहा है। फिर अब ही अचानक कार्रवाई क्यों? राज्यसभा सांसद ने यूपीए सरकार के कार्यकाल (2004 से 2014) को याद करते हुए कहा कि उस समय इस तरह की खबरें अखबारों में नहीं आती थीं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने ईडी को इतनी खुली छूट नहीं दी थी। उस दौर में किसी भी राजनीतिक पार्टी या नेता के खिलाफ झूठी जानकारी के आधार पर कार्रवाई नहीं की गई।

ईडी पर लगाए गंभीर आरोप

सिब्बल ने आरोप लगाते हुए कहा कि आज ईडी एक ऐसी एजेंसी बन गई है जो देश में कहीं भी, कभी भी पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि जब भी कहीं कोई एफआईआर दर्ज होती है, ईडी वहां पहुंच जाती है और खासतौर पर चुनाव के समय उसकी सक्रियता बढ़ जाती है। इससे देश की संघीय व्यवस्था (फेडरल स्ट्रक्चर) को नुकसान पहुंच रहा है।

पतंग की उडान और तिल गुड की मिठास का पर्व : मकर संक्रांति

अतुल कुमार

वर्षारंभ का पहला प्रमुख पर्व मकर संक्राति है . यह पर्व हर आयु वर्ग के लोगों द्वारा उत्साह ,उल्लास और उमंग से मनाया जाता है . क्यों कि इसके साथ पतंग उडाने , विभिन्न तरह के व्यंजनो को खाने की परंपरा जुडी है . कुछ स्थानों पर इसे तिल संक्रांति भी कहा जाता है . इस मंगल अवसर पर तिल के लड्डू तथा तिल से बनी अन्य मिठाइयाँ जैसे गजक और पट्टी खाने का विधान है . इनको देते समय महाराष्ट्र में कहा जाता है (तिळ गुड ध्या गोड गोड बोला " अर्थात " तिल गुड खाइये और मीठा मीठा बोलिये" आज के संदर्भों में यह अधिक प्रासंगिक है . क्यों कि मधुर व्यवहार ,मधुर वाणी और वचन को तेज़ी से भुलाया जा रहा है ,तब ऐसे त्यौहारों की महत्ता बडी दिखायी देती है .शास्त्रानुसार मकर संक्रांति का त्योहार फसलों की अच्छी पैदावार के लिये भगवान को धन्यवाद और उनका आशीर्वाद हमेशा किसानों पर बना रहे इसकी कामना से किया जाता है . यह फसल कटाई का पर्व भी है .किसी कवि ने खूब लिखा " सूरज के संग पतंगों का जश्न /मकर संक्रांति पर नई आशाओं का प्रण /पतंगों की तरह उंचाई छूए आपके सपने / मिल जुल कर आपस में बांटे प्यार //

वास्तव में मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के मकर राशि में प्रवेश (उत्तरायण की शुरुआत) से जुडा है जो शुभ कार्यों ,आध्यात्मिक उन्नति और समृद्धि का प्रतीक है जिसे देवताओं का दिन माना गया और यह जप तप और दान के लिये शुभ होता है . इस दिन से खर मास (जिसमें शुभ कार्य वर्जित होते हैं) समाप्त होता है . इस दिन मौसम में बदलाव आता है और नदियों में वाष्पन की प्रक्रिया आरंभ होती है . इसलिये फसल काटने के बाद नयी फसल बोयी जाती है .मकर संक्रांति को विभिन्न स्थानों पर लोहडी , पोंगल और बिहू नाम से मनाया जाता है .

पौराणिक कथानुसार सूर्य देव अपने पुत्र शनि (जो मकर राशि के स्वामी हैं) से मिलने उनके घर जाते हैं . जो पिता – पुत्र के प्रेम और मेल मिलाप का द्योतक है . इसी दिन गंगा नदी भगीरथ के पीछे चल कर कपिल मुनि के आश्रम से होते हुए सागर में जा मिली थीं . इसलिये इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है . बाबा गोरखनाथ ने योगियों के लिये दाल चावल और सब्जियों को मिला खिचडी बनाने का सुझाव दिया जो व्यक्ति को तुरंत ऊर्जा दे उसके पाचन तंत्र को मज़बूत रखता है . इसमें मौसम की सभी सब्जियां डाली जाती हैं जिस कारण इसे कुछ जगहों पर इसको दीवानी हंडी भी कहा जाता है ,जो वर्ष में एक बार केवल मकर संक्रांति के मौके पर बनाया जाता है

मकर संक्रांति के बाद दिन लंबे होने लगते हैं जिससे वसंत ऋतु का आगमन होता है . यह पर्व प्रकृति की आराधना का प्रतीक है . सर्दी का मौसम उतार पर आने लगता है .इसका सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है जो लोगों को एक दूसरे से जोड उनके रिश्तों को मज़बूती देता है .तिल के लड्डुओं से एक दूसरे का अभिवादन करते हैं . ध्यान रखें ! तिल की तासीर गर्म होती है उसी गर्म जोशी से मिलने जुलने का संदेश यह पर्व देता है . आज के संदर्भों में देखें तो जब सारे रिश्ते मशीनी और दिखावटी हो रहे हैं तब मकर संक्रांति का महत्व बडा दिखायी देता है .

यह पर्व प्रकृति और मौसम के बदलावों के प्रति जागरूक करता है . पतंगबाज़ी जैसे उल्लास पूर्ण विधान रिश्तों के दायरों को बडाते हैं जिससे नये संपर्कों में बढोतरी होती है सहृदयता में वृद्धि होती है . पतंगबाज़ी के सौहार्द पूर्ण रूप को देख इसे खेल का जामा पहनाना चाहिये क्यों कि इसके पीछे छिपी भावना में मित्रता भाव की थीम है .चरक ,धागे ,पतंग और मांझे के

कांबिनेशन ने बचपन से ले हर उम्र के लोगों को जोडने व सुनहरी यादों को बसाने का कार्य किया है . इस बाज़ी की पेंच में पतंग काटने , के बाद जो खुशी और उल्लास मिलता है वह किसी और खेल से कम नहीं है . मूल रूप से यह कौशल विकास का माध्यम जो है . गीतकार राजेंद्र कृष्ण ने यूं ही नहीं लिखा " चली चली रे पतंग चलि बादलों के पार / हो के डोर पे सवार ,यूं मस्त हवा में लहरे /रंग पतंग का धानी ,है ये नील गगन की रानी चली चली रे पतंग ...// आमतौर पर पतंगें चतुर्भुज आकार की होती हैं . बताया जाता

है कि पहली बार पतंग 3000 साल पहले चीन में बनी और बाद में यह एशियाई देशों में फैली .

पौराणिक मान्यतानुसार महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी इच्छा मृत्यु के लिये मकर संक्रांति के दिन का ही चयन किया . क्यों कि इस दिन उत्तरायण का आरंभ होता है और इस दौरान शरीर त्यागने से मोक्ष प्राप्त होता है . दरअसल यह त्यौहार कर्मों और उनके फलो पर चिंतन करने ,नकारात्मकता को छोड सकारात्मकता की ओर बढने का है सूर्य की गति से जुडे होने के कारण यह जीवन में गति ,नव चेतना नव उत्साह ,नव चेतना ,और नव स्फूर्ती का प्रतीक है . कुछ मान्यताओं के अनुसार भगवान राम ने मकर संक्रांति पर पहली पतंग उडायी जो स्वर्ग लोक तक पहुंची थी . खुले आसमान में पतंग उडाने से विटामिन डी मिलता है और सूर्य की रौशनी नेत्रों पर पडने से वह स्वस्थ व तेज़ होते हैं .

उत्तर प्रदेश में इसे खिचडी के नाम से भी जाना जाता है . इस पर्व के महत्व पर हिंदी के प्रसिद्ध कवि सुमित्रा नंदन पंत ने लिखा " जन पर्व मकर संक्रांति ,उमडा नहान को जन समाज / इनमें विश्वास अगाध अटल इनको चाहिये प्रकाश नवल / भर सके नया जो इनमें बल ,भर गये आज जीवन स्पंदन प्रिय लगता जन ग़ण सम्मेलन // मकर संक्रांति का पर्व कवि की इसी भावना को साकार करता है क्यों कि इस त्यौहार में अपने पन की तिल गुड भरी मिठास और जीवन में पतंग की उडान जो बसी है .

काव्य कुंज

पगडंडी की प्रतीक्षा

संजीव ठाकुर, रायपुर

गाँव की वो
पतली पगडंडी बहुत पहले
शहर की ओर गई,
तो फिर लौटी क्यों नहीं?
उसके जाते ही
खेतों ने अपनी हरियाली धीमी कर ली,
जैसे कोई हँसता हुआ चेहरा
अचानक गहरी सोच में डूब गया हो।
पोखर ठहरे पानी में
अब रास्तों की थकान नहीं उतारते,
वे हर शाम बस आसमान को ही देखते रहते हैं।
धान की बालियाँ हवा से झुककर बतियाती
आज भी पगडंडी नहीं आई क्या?
गाँव के घर दरवाज़ों पर धीरे-धीरे बूढ़े हो रहे ,
खिड़कियाँ अब भी उसी दिशा में खुलती
जहाँ से लौटना था।
पगडंडी, अगर लौट नहीं सकती
तो कम से कम इतना तो करे
कभी सपनों में ही गाँव की मिट्टी छू ले।
यह गाँव आज भी इंतज़ार करता ,
क्योंकि यहाँ रास्ते नहीं,यादें बसती हैं।

हौसले से भरी उड़ान

गीता अग्रवाल हैदराबाद

हौसलों से भरी उड़ान
को क्या कोई रोक सके।
बेखौफ उड़ना सीखे जो,
तूफान को मोड़ सके।।
आसमान को झुका दे,
वो हौसला रखे जो,
विजय की आस ले,
उँचाई छूने लगे वो,
जमाने की निगाहें भी खास जिसे टकने लगे
कुटिल चाल से बचते बचाते, मात दे उड़ चले वो,
काँटों पर चलने को वो,नरम बिछौना छोड़ सके।
हौसलों से भरी उड़ान को, क्या कोई रोक सके।
बेखौफ उड़ना सीखे जो,तूफान को मोड़ सके।।
ख्वाब आसमाँ के, पाँव जमीं पर टिके रहे,
समय नजाकत में ही ,ख्वाब पूरे किये रहे,
दूरदर्शी आईना जिसका बड़ा सशक्त रहा,
वह हौसले का जाम पी,मस्त-मस्त जिये रहे,
अटूट विश्वास लिए वो राह बाधाओं को तोड़ सके।
हौसलों से भरी उड़ान को ,क्या कोई रोक सके।
बेखौफ उड़ना सीखे ज,तूफान को मोड़ सके।।

सूर्य का अभिनंदन

डॉ.प्रतिमा सिंह हैदराबाद

लोहड़ी की लौ में जलें,
बीते दुःख की थकी छायाएँ
तिल–गुड़ की मिठास में घुलें
नई आशाएँ, नई मुस्कानें।
ढोल की थाप पर झूमे मन,
सरसों के खेत गुनगुनाएँ,
अग्नि देव को नमन करें हम,
जीवन में उजास बुलाएँ।
मकर संक्रांति आई संग सूरज ने बदली अपनी दिशाएँ,
उत्तरायण का शुभ संदेश भर दे जग में नई उमंगें।
पतंगों संग सपने उड़ें, नीले नभ में रंग बिखेरें,
मेहनत का फल, धैर्य का बल हर घर में सुख बनकर उतरे।
लोहड़ी बोले—बाँटो ऊष्मा, संक्रांति सिखाए संतुलन,
परंपरा, प्रकृति, परिश्रम यही है जीवन का आभूषण।

शब्दों का जादू

डॉ संजुला सिंह जमशेदपुर

मीठे शब्दों के जादू से
सब पर तीर चलाते हो
बाबू- सोना का उद्बोधन
कर तुम सबको बुलाते हो ।
शहद सी मीठी बोल बोलकर
मछुआरे सा जाल बिछाते हो
दिखती सुन्दर मीन जिधर भी
जाल उधर फैलाते हो ।
तेरी चतुराई को देख हम
मंद- मधुर मुस्काते हैं
शब्बाशी देते तुमको पर
खुद में बहुत शरमाते हैं।
शब्दों से तुम खेल खेल कर
सबको ही भरमाते हो
मीठे शब्दों के जादू से
सबको अपना बनाते हो ।
ये चालाकी एक दिन तुमको
दरिया लेकर जाएगी
पानी भी जहां कमतर होगा
तुमको वहीं डुबाएगी ।
शायद ! तब तुम समझ सकोगे
झूठे शब्द के मीठे बोल
मीठे शब्दों के जादू जब
जीवन कर देगा तेरा झोल ।

अरावली की पहाड़ियाँ

मोनिका डागा, चेन्नई

यह कैसा न्याय प्रिय शासन और
कैसी यह आधुनिकता की मुहिम,
विकास की दौड़ में हरीतिमा को
बना रहे हो एक क्षेत्र तुम कृत्रिम,
छीन रहे हो अरावली के इर्द-गिर्द
फैले राज्यों की शुद्ध हवा पानी,
और तोड़ रहे हो घरौंदा मूक
पशु-पक्षियों का बनाकर नई कहानी ।
एक स्वस्थ बीज से पौधे को
वृक्ष बनने में लग जाते हैं कितने वर्ष,
झटके से उसी वृक्ष की जड़ों को
उखाड़ने चले बिना सोचे निष्कर्ष,
तुम खंजर चला रहे हो माता की
छाती पर शर्मशार हुई इंसानियत,
प्रकृति को बेरंग कर मरूस्थल
बना रहे हो जो थी बेहद खुबसूरत ।
क्या तुमने बसाया उजाड़ने से
पहले एक नया प्राकृतिक संसार,
क्या तुमने सोचा फैसला लेने से
पहले आनंद मानवता विचार,
कितना दर्दनाक होगा अरावली की
पहाड़ियों पर ये नवनिर्माण,
जहाँ से जुडे है अनेकों जीवों और
जनता के भावनात्मक प्राण ।
शायद तुम नहीं जानते हो
मरूस्थल में एक हरे पेड़ की भूमिका,
वो कर देता है आग उगलती
लपटों से थके हारे बदन को हल्का,
एक हरा वृक्ष भीषण गर्मी में
जानलेवा लू के थपेड़ो से रक्षा करता,
और जल की एक-एक बूँद व
बारिश के पानी को संजोकर रखता ।

आ गई नववर्ष की संक्रांति

कुमुद बाला, हैदराबाद

कहीं पे लोहरी कहीं पे भोगी
कहीं पे पोंगल कहीं संक्रांति
अलग हैं नाम हर प्रदेश में
कहीं पे बिहु तो कहीं खिचड़ी
यही हमारे भारत वर्ष की शान
विविधता में एकता की पहचान
शुभ है रश्मिरथी का दर्पण
शुभ मकर राशि में परिवर्तन
सभी जीवों पर होता आवर्तन
है इसी प्रक्रिया में देव दर्शन
फलदायक तिल-गुड़ का पान
यही हमारे भारत वर्ष की शान
विविधता में एकता की पहचान
प्रथम अन्न दाता को समर्पित
गन्ने के रस- नारियल अर्पित
फूलों से वातावरण सुगंधित
हरियाली से ये धरती ऊर्जित
अंकुर-प्रांकुर की दिव्य मुस्कान
यही हमारे भारत वर्ष की शान
विविधता में एकता की पहचान
यह शस्य श्यामला-नीलाम्बरा
तरंगित ध्वनियों की ऋतम्भरा
विभिन्न पतंगों का व्योम मंचन
उमंगित पंछियों का नव नर्तन
प्राकृतिक छवि दिव्य दैदीप्यमान
यही हमारे भारत वर्ष की शान
विविधता में एकता की पहचान
नई फसल का विहँसता आवरण
नर्तक मयूर का मोहित जागरण
मधुरकंठी कोयल का स्वरागमन
वातावरण का नवल रूपांतरण
अद्भुत दृष्टि अद्भुत दृश्य निर्वाण
यही हमारे भारत वर्ष की शान
विविधता में एकता की पहचान।।

दुनिया की रीत है...

डॉ डी डी देसाई

जिसकी जितनी जरुरत थी...
उसने उतना चाहा मुझे
जहाँ तक उनकी मंजिल थी..
उसने वहीं तक साथ दिया मुझे
जी जान लगा दो किसी की भलाई में,
वही हमारी बुराई करते है...
यही दुनिया की रित है...
साथ दे कर भी देखा निभा कर भी देखा,
रिश्ता बनाया.....निभा कर भी देखा
जरूरत पर जिनकी ज़बान मीठी थी,
अनुकूलता में उनको पलटते भी देखा
अमृत के प्याले जिन्होंने गटके हमारे हाथों से
वही लोग हम पर जहर उगलते है
यही दुनिया की रित है...
जिनको पनाह दी थी हमारे आँगन में,
वही हमें बेघर कर देते हैं
उजाड़ते हैं जो अक्सर दुनिया हमारी,
वही हमारी आस्तीन के सांप निकलते हैं
सहायता कर के भी हम रोते रहें..
और वही बेशरम हम पर हँसते रहें...
इसी में उनकी जीत हैं...
यही दुनिया की रित है...

सर

जे गंगाधर 'गंध' हैदराबाद

सर का आना कक्षा में,
कुछ होते है संतोष में,
और कुछ छात्र असंतोष में ।
'सर' का यूँ नियमित आना,
सभी को नियंत्रण में रखना,
अपनी निगाहों से परखना,
विधि-विधान को लागू करना,
अनुशासन छात्रों को भाता है।
पढ़ना-लिखना मेहनत करना,
नित नियम का पालन करना,
सर के अनुसार व्यवहार करना,
अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करना,
' सर ' का आना अच्छा लगता है।
तो....
कुछ खास छात्रों को पसंद नहीं,
विधि-विधान जो जानते ही नहीं,
मनमानी छोड़ना मानते ही नहीं,
नकल करना कतई छोड़ते नहीं,
'सर' का अस्तित्व असह्य होता है।
पढ़ाना-लिखाना जिनको चुभता हैं,
अनुशासन उनको बोझ लगता हैं,
अतिक्रमण आतिथ्य दिखाई देता हैं,
नीति-नियम ही कलुषित माना जाता है,
तो भला ' सर' का आना कैसे सव्य होता है।

हम और समय

डॉ टी महादेव राव

और फिर एक बार हम आ गये
समय के इस पल में, तुम और मैं
चिंता या दर्द या चाहत या पलायन
या नियंत्रित अपनी जडहीनता.....
और जैसे हम बातें करतें हैं गाते हैं
या चीखते हैं
कहे हुए शब्दा गढे हुए विचार
मस्तिष्कक में गुंथी हुई
रस्सीह के बल सी आवाजें
जैसे सारी भारी चीजें गिरी है हमसे दूर
हमारी भूलों के प्रवाह में
और फिर हम अलग होते हैं
आने वाले किसी पल में, तुम और मैं
पहुंचने किसी गंतव्यं पर, किसी जगह
बातें करने या गाने या चीखने
और फिर अलग होने के लिये।।

डोर, पतंग और मन के भाव

कमलेश झा भागलपुर, बिहार

नीली गगन की गोद में,
उड़ी एक नन्ही पतंग,
हाथों में थी डोर थमी,
मन में थी भरी रंग।
कभी ऊँची, कभी नीची,
हवा संग करती बात,
जैसे जीवन की राहों में,
चलते हैं दिन और रात।
हवा से बातें करती,
ऊँचाइयों की उसके मन में चाह,
नीचे डोर में बँधी थी, फिर भी खुली हुई थी उसकी राह।
डोर कहे—संभल कर उड़, मत छोड़ मर्यादा का साथ,
पतंग हँसकर बोल उठी—बंधन में जीना क्या खास।
मन भी कुछ ऐसा ही है, चाहे मुक्त गगन को छूना,
पर रिश्तों की डोर बिना, कैसे पाए सुकून संग जीना ?
तेज़ हवा जब आई तो, थरथर काँप गई पतंग,
डोर ने थामे रखा उसे, मुश्किल में खड़ी थी उसके संग।
मन जब संकट में घिरता, टूटने लगता बांध धैर्य,
संयम की डोर ही देती, ऊर्जा साहस का नया शौर्य।
कभी ढील, कभी कसाव, यही जीवन की बनती रीत,
डोर–पतंग सिखा देती, संतुलन में हीं होती प्रीत।
डोर, पतंग और मन, यही सत्य का राह बताए ,
उड़ान वही अमर है, जो संबंधों में भाव जगाए।
मन भी जब यह समझेगा, भावों का यह सुंदर गान,
बंधन में भी आज़ादी है—यही जीवन समूल ज्ञान।

वो जिनके हाथ में...

यूं ही सड़क किनारे टहल रहा था
दोनों ओर उभरी
गगनचुंबी अट्टालिकाओं को पढ़ रहा था
श्रमवीरों द्वारा अदभूत कारीगरी की गई थी
कोटिशः नमन, श्रद्धा से अखियां झुकी हुई थी
मैग्निफाइंग ग्लास से
जब उनके शरीर का नेत्रावलोकन किया
तो नेत्र अश्रुओं से भरे रहते हैं
वो जिनके हाथ में हर वक्त छाले होते हैं
आबाद उन्हीं के दम पर महल वाले रहते हैं

दर्शन सिंह हैदराबाद

लेकिन मजदूर तुम सिर्फ मजदूर
चलना ही तुम्हारा जीवन है
भले ही चूल्हा बुझा हो
आंतों में कुलबुलाहट हो
घड़ी की सुइयों की तरह रफ्तार ही
तुम्हारा जीवन है
रह रह कर बंधु ,
मुंगेरी सपनों में खो जाता है
सिर पर डंडा जोरदार, झण सा रह जाता है
यूं ही पीढियां दर पीढियां ,
दर्द की कराहटों से भरे रहते है
उलझे बाल , सूखे चेहरे, हड्डियों के गट्ठर
नित्य प्रतिदिन पंक्तिबद्ध हो जाते हैं
उपस्थित हैं माय - बाप, कड़क सैल्यूट बजाते हैं
एक ही मंत्र , अगर रखना है इन्हें सीधा
इनको सिर्फ आधा पेट खाना देना है
घुटने तले सिर दबाए रखना है
चाहे जो भी हो कर्मों का दोष
लेकिन अंतिम सांसों तक
हुजूर की चौखट पर नाक रगड़ते हैं
वो जिनके हाथ...

चाँद

पी एन गुप्ता हैदराबाद

कौन कहता है धरा का चाँद हो तुम
चाँद जैसी कालिमा तुममें कहाँ है?
वह रहे आकाश में अति दूर
भू से पर हमारे मध्य अन्तर ही कहाँ है?
बढ़ रही है कांति, पर परिपूर्ण होते ही,
ढुलक पड़ती सदा क्षति की तरफ है।
पर तुम्हारे सुमुख की शोभा मनोरम
सतत बढ़ती रही उन्नति की तरफ़ है।
अस्त होना काम है उस चंद्रमा का
तुम सदा इस हृदय में ही वास करते।
छा नहीं सकती अमावस रात्रि
तुम पर राहु-केतु कर नहीं हैं ग्रास सकते ।
वह चाँद है निस्सार यदि यह चाँद
न हो इस चाँद का अस्तित्व उससे सौ गुना है।
उस चाँद की इस चाँद से तुलना
न किंचित मनुज पहुँचा है वहाँ यह भी सुना है।
सम हृदय की धड़कनें सुन्दर सुहानी
गत समय की अति मनोहर याद हो तुम।
एक भी अवगुण न तुममें मिल सकेगा
व्यर्थ ही कहते धरा का चाँद हो तुम।

अतिरिक्त

डॉ हेमंत सुराना, उदयपुर

जीवन की सारी दौड़,
अतिरिक्त पाने की होड़
अतिरिक्त पैसा ,
अतिरिक्त पहचान
अतिरिक्त शोहरत,
अतिरिक्त प्रतिष्ठा
पाने की चाह में,
खुद को ना खो देना
अतिरिक्त का बोझ ढोते-ढोते,
कहीं तुम थक मत जाना
रुक कर खुद से बात कर लो,
अंतर मन को शांत कर लो
हर जीत खुशी नहीं देती ,
अपनों से दूरी ला देती
अतिरिक्त पाने की ना हो लालसा,
तो फिर जीवन हो सरल सा,
तो फिर जीवन हो सरल सा ।

नयी सुबह

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

हर नया दिन,
हर नयी सुबह,नयी नवेली,
सूरज की मुखरित रश्मियों को सलाम।
घने वृक्षों की चिलमन से झांकती,
आफताब की चमकती धूप को सलाम।
हर तृणमूल और फूल पत्तियों को,
प्राणवायु संचार करने हेतु सलाम।
रेत के समन्दर को , चांदी की चादर में तब्दील,
करने वाली महताब की चांदनी को सलाम।
बारिश की फूटती- बिखरती, मोती जैसी,
अमृत वर्षा करती, बूंदों को सलाम और
सलाम हर गली कूचे व मोहल्ले को,
जिसमें बसे रैन-बसेरे ने हमको आश्रय दिया।।
जिंदगी के हर पड़ाव पर आशा और विश्वास का,
संबल देने वाले स्वजनों को सलाम, और
उन सभी ज़ख्म देने वालों को भी सलाम,
जिनसे हमारे हौसलों को आबोताब मिली।।।
सलाम ज़िन्दगी के आखिरी पड़ाव को, जहां
खुदा के दरबार में हाजिरी देनी होगी,
अपने अच्छे बुरे की सुनवाई होगी,
बादशाहों के बादशाह को बाअदब सलामी देनी होगी।

स्वागत

गजानन पाण्डेय

जो बीत गया , वो सपना था
आज नया दिन है
उम्मीद से भरा पल है
अवसर से भरा कल है ।
जो चाहता है
ये तुझ निर्भर है
पुरुषार्थ में ,
हर मुश्किल का हल है ।
आओ बढ़ चले
सपनों को साकार करें
नव वर्ष का स्वागत करें ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार, 11 जनवरी, 2026

नेस्ले के बेबी फॉर्मूला में टॉक्सिन्स

कहीं ये शिशु को बीमार न कर दे

खरीदने से पहले ध्यान रखें ये बातें

बेबी अभी सिर्फ 15 दिन का है। बार-बार रो रहा है, रात में ठीक से सो नहीं पा रहा। सबको लगता है कि शायद मां के दूध से उसका पेट नहीं भर रहा। ऐसे में तुरंत सुझाव आता है कि फॉर्मूला मिल्क पिला देते हैं। बच्चा शांत हो जाएगा, अच्छी नींद आएगी। आज शिशु को फॉर्मूला मिल्क पिलाना काफी कॉमन हो गया है। लेकिन क्या ये फॉर्मूला शिशु के लिए सुरक्षित है? हाल ही में ग्लोबल फूड कंपनी नेस्ले ने कुछ इन्फेंट फॉर्मूला प्रोडक्ट्स को ग्लोबल मार्केट से वापस लिया है, क्योंकि उसमें एक दुर्लभ टॉक्सिन सेरुलाइड होने की आशंका जताई गई। इसलिए जब भी शिशु के लिए मिल्क खरीदें तो पहले जांच करें कि यह कितना सुरक्षित है।

एक्सपर्ट के अनुसार बेबी फॉर्मूला मिल्क या इंफेंट फॉर्मूला मिल्क 12 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए फैक्ट्री में तैयार किया गया फूड प्रोडक्ट होता है। इसे मां के दूध के विकल्प के रूप में या उसके साथ सप्लीमेंट की तरह दिया जाता है। यह पाउडर या लिक्विड रूप में उपलब्ध होता है। इसमें बच्चे की सही बढ़त के लिए जरूरी प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। साथ ही इसमें विटामिन और मिनरल्स भी मिलाए जाते हैं। ये पोषक तत्व बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करते हैं। फॉर्मूला मिल्क पाउडर, कंसन्ट्रेट या रेडी-टू-यूज लिक्विड फॉर्म में मिलता है। फॉर्मूला मिल्क खासतौर पर तब दिया जाता है, जब मां का दूध उपलब्ध न हो। कई बार मां का दूध पर्याप्त नहीं होता। कुछ मेडिकल कंडीशंस में बच्चे को ब्रेस्ट मिल्क नहीं दिया जा सकता। प्रीमेच्योर या कम वजन के शिशुओं को अतिरिक्त न्यूट्रिशन की जरूरत होती है। ऐसे में डॉक्टर फॉर्मूला मिल्क की सलाह देते हैं।

फॉर्मूला मिल्क बच्चों के लिए सेफ माना जाता है, अगर इसे सही तरीके से और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दिया जाए। लेकिन हाल ही में कुछ बेबी फॉर्मूला मिल्क में सेरुलाइड नाम का टॉक्सिन मिलने की आशंका सामने आई है। यह टॉक्सिन बैसिलस सेरेस नाम के बैक्टीरिया की कुछ किस्मों से बनता है। सेरुलाइड एक फूड पॉइजनिंग टॉक्सिन है, जो बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। इससे उल्टी, दस्त, पेट दर्द जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। छोटे शिशुओं में यह डिहाइड्रेशन और कमजोरी का कारण भी बन सकता है। इसलिए ऐसे मामलों में फॉर्मूला मिल्क को तुरंत रिकॉल किया जाता है और इस्तेमाल से रोका जाता है।

बेबी फॉर्मूला सुरक्षित है या नहीं, यह जानने के लिए सबसे पहले पैकिंग को ध्यान से देखना जरूरी है। हमेशा एक्सपायरी डेट, बैच नंबर और सील ठीक से बंद होने की जांच करें। अगर डिब्बा फूला हुआ हो, सील टूटी हो या पाउडर की गंध अजीब लगे, तो उसे बिल्कुल इस्तेमाल न करें। साथ ही, कंपनी या हेल्थ अथॉरिटी की ओर से जारी किसी रिकॉल या चेतावनी की जानकारी भी जरूर देखें। अगर फॉर्मूला देने के बाद बच्चे को उल्टी, दस्त, पेट दर्द या असामान्य सुस्ती दिखे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

बेबी फॉर्मूला खरीदते समय लेबल में इंग्रीडिएंट लिस्ट जरूर चेक करें। इसमें ध्यान दें कि कार्बोहाइड्रेट के लिए लैक्टोज, प्रोटीन के लिए व्हे या केसिन, और दिमाग व आंखों के विकास के लिए DHA/ARA लिखा हो। एक्स्ट्रा शुगर, कॉर्न सिरप सॉलिड्स या पाम ऑयल से बचना बेहतर होता है। इसके साथ ही न्यूट्रिशन पैनल, एक्सपायरी डेट, बनाने के निर्देश और सबसे जरूरी FSSAI लाइसेंस नंबर जरूर जांचें क्योंकि भारत में बिना FSSAI लाइसेंस वाला कोई भी बेबी फूड बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता है।

अगर बेबी फॉर्मूला देने के बाद शिशु की तबीयत में बदलाव दिखे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये लक्षण इस बात का संकेत हो सकते हैं कि फॉर्मूला उसे सूट नहीं कर रहा। ऐसे किसी भी लक्षण में फॉर्मूला खुद से बदलने की बजाय तुरंत पीडियाट्रिशन से कंसल्ट करना जरूरी है। शिशु के लिए सबसे सुरक्षित और प्राकृतिक विकल्प मां का दूध है। इसमें पूरा पोषण और बीमारियों से बचाने वाले तत्व होते हैं। WHO भी शुरुआती छह महीनों तक सिर्फ स्तनपान की सलाह देता है। अगर किसी कारण स्तनपान संभव न हो या पर्याप्त न हो, तो डॉक्टर की सलाह से फॉर्मूला मिल्क दिया जा सकता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में यह बच्चे के लिए जरूरी पोषण का अहम स्रोत बनता है। फॉर्मूला तैयार करने से पहले हाथ हमेशा अच्छी तरह धोएं। गंदे हाथों से फॉर्मूला बनाना बच्चे के लिए संक्रमण का कारण बन सकता है। इसलिए साबुन और गर्म पानी से हाथ कम-से-कम 20 सेकंड तक अच्छे से साफ करें।

बोतल, निप्पल और अन्य फीडिंग इक्विपमेंट को गर्म और साफ पानी से अच्छी तरह धोएं। बोतल उबालने से ई.कोलाई, साल्मोनेला जैसे जर्म्स नष्ट हो जाते हैं। ये जर्म्स दस्त और इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं। फॉर्मूला दूध बनाने में उबला और ठंडा किया हुआ पानी इस्तेमाल करें। उबला पानी फॉर्मूला पाउडर को सुरक्षित रूप से घोलने में मदद करता है। साथ ही, माइक्रोबियल कंटैमिनेशन का खतरा घटाता है।

फॉर्मूला को कभी माइक्रोवेव में गर्म न करें। माइक्रोवेव में फॉर्मूला अनियमित रूप से गर्म होता है और हॉटस्पॉट से बच्चे के मुंह में जलन हो सकती है। बोतल को कुछ मिनट गर्म पानी के बाउल में रखकर कमरे के तापमान तक लाएं।

बच्चा जब बोतल से फॉर्मूला पीता है, तो उसके मुंह के बैक्टीरिया दूध में पहुंच जाते हैं। फ्रिज में रखने पर भी ये बैक्टीरिया पूरी तरह खत्म नहीं होते, बल्कि धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं। दोबारा पिलाने पर यही बैक्टीरिया शिशु के पेट में इंफेक्शन, उल्टी या दस्त का कारण बन सकते हैं।

जो फॉर्मूला बिल्कुल नया बना हो और जिसे बच्चे ने अभी पिया न हो, उसे साफ और ढंके हुए कंटेनर में फ्रिज में रखा जा सकता है। ठंडा तापमान बैक्टीरिया की बढ़त को धीमा कर देता है, जिससे दूध कुछ समय तक सुरक्षित रहता है। आमतौर पर इसे 24 घंटे के भीतर इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

पैकेट पर लिखे निर्देश ध्यान से पढ़ें

पैकेट पर दिए निर्देश के अनुसार पानी और पाउडर का सही अनुपात मिलाएं। ज्यादा पानी डालने से पोषण कमजोर होता है और ज्यादा पाउडर देने से डिहाइड्रेशन या पेट की परेशानी हो सकती है। इसलिए निर्देशों का सख्ती से पालन करना बहुत जरूरी है।

वर्दी पहनते ही बदला रिश्ता

जिस पत्नी को पढ़ाकर बनाया दरोगा, उसी ने पति पर दर्ज कराई दहेज की एफआईआर

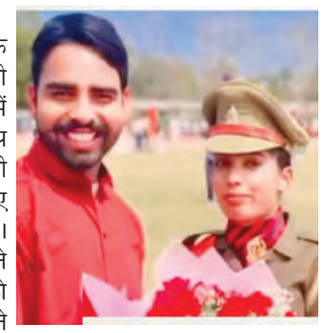

रिश्ते, भरोसे और कानून के टकराव की एक चौंकाने वाली तस्वीर उत्तर प्रदेश के हापुड़ में सामने आई है। एसपी कार्यालय पहुंचे एक युवक ने अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। युवक का कहना है कि उसने मेहनत-मजदूरी कर पत्नी को पढ़ाया-लिखाया और दरोगा बनने में हरसंभव मदद की, लेकिन नौकरी लगते ही पत्नी ने उसी और उसके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया।

एसपी कार्यालय पहुंचे एक युवक ने अपनी पत्नी पर ही उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एसपी के समक्ष गुहार लगाई है। युवक का आरोप है कि उसने अपनी पत्नी को पढ़ा लिखाकर दरोगा बनाया, लेकिन अब उसने ही उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़ित ने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पिलखुवा क्षेत्र के गांव पूठा हुसैनपुर के गुलशन ने एसपी से की शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी पायल रानी बरेली में दारोगा पद पर तैनात है। नवंबर 2025 में उसने उसके व उसके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायती पत्र में गुलशन ने बताया कि दो दिसंबर 2022 को उसकी शादी हापुड़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गणेशपुरा निवासी पायल रानी से हुई थी। लेकिन शादी से पहले दोनों वर्ष 2016 से एक-दूसरे को जानते थे और आपसी रिलेशन में थे और 2021 में कोर्ट मैरिज कर चुके थे। इससे पहले उन्होंने अपनी पत्नी को मेहनत-मजदूरी कर पढ़ा लिखाकर भर्ती कराया।

वर्ष 2023 में उनकी पत्नी उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के रूप में भर्ती हुई। वह वर्तमान में बरेली जिले में तैनात हैं। लेकिन 13 नवंबर 2025 को उसकी पीड़ित उसके पिता नरेंद्र कुमार, मां गीता, बड़े भाई कमल, भाभी कोमल, बहन सलोनी, पायल व बहनोई रिंकू के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया।

पीड़ित ने एसपी से गुहार लगाते हुए कहा कि उसने अपनी कड़ी मेहनत से कमाए रुपयों से पत्नी को पढ़ाया-लिखाया और दारोगा बनने में हरसंभव मदद की। अब पत्नी उसे व उसके परिजनों को जेल भिजवाना चाहती है। एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि पीड़ित ने प्रार्थना पत्र दिया है, जिसके आधार पर निष्पक्ष जांच के आदेश दिए गए हैं।

राजस्थान के शाही परिवार का 400 करोड़ का जमीन विवाद फिर खुला

सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी (JDA) और पूर्व राजघराने की सदस्य और पूर्व डिप्टी सीएम दीया कुमारी के परिवार के बीच 400 करोड़ रुपये के जमीन विवाद में राजस्थान हाई कोर्ट के एक फैसले को पलट दिया है। हाई कोर्ट ने एक निचली अदालत के उस आदेश को 'बिना मेरिट की जांच के' बरकरार रखा था, जो राजघराने के पक्ष में था। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई फिर से शुरू करने का आदेश दिया है।

जस्टिस जे बी पारदीवाला और के वी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट ने तकनीकी आधार पर JDA की अपील पर विचार करने से इनकार करके कोई सही काम नहीं किया। कोर्ट ने हाई कोर्ट को निर्देश दिया है कि वह चार हफ्तों के अंदर JDA की पहली अपील पर मेरिट के आधार पर फैसला करे और एक अनुपालन रिपोर्ट पेश करे।

क्या है मामला ? यह पूरा मामला जयपुर के शहरी इलाके में फैली जमीन से जुड़ा है। यह जमीन पहले 'हथरोई गांव' के नाम से जानी जाती थी। अब इस इलाके में कीमती जमीन, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। JDA के मुताबिक, इस जमीन की कीमत 400 करोड़ रुपये है। JDA का कहना है कि इस जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में 'सिवाई चक' यानी 'बिना खेती वाली सरकारी जमीन' के तौर पर दर्ज किया गया था। JDA का कहना है कि 1990 के दशक में उन्होंने इस जमीन पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने पूर्व राजघराने के इस दावे को चुनौती दी थी कि यह जमीन 1949 की संधि के तहत उनकी निजी संपत्ति थी। यह संधि जयपुर के भारतीय संघ में विलय से जुड़ी थी। JDA का जोर है कि इस जमीन का जिक्र कभी भी उस संधि की सूची में पूर्व राजघराने की निजी संपत्ति के तौर पर नहीं किया गया था। JDA का यह भी कहना है कि 1993 से 1995 के बीच मुआवजा देकर इस जमीन के बड़े हिस्सों को कानूनी तौर पर अधिग्रहित किया गया था। 2005 में, राजघराने ने मालिकाना हक की घोषणा के लिए एक दीवानी मुकदमा दायर किया था। 24 नवंबर 2011 को, निचली अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया और उन्हें जमीन का मालिक घोषित कर दिया। अदालत ने राज्य के पक्ष में राजस्व रिकॉर्ड को रद्द कर दिया और JDA को जमीन में दखल देने से रोक दिया।

JDA ने 2012 में अपनी पहली अपील दायर की थी। नवंबर 2023 में इसे खारिज कर दिया गया था, लेकिन एक साल से कुछ ज्यादा समय बाद इसे फिर से बहाल कर दिया गया।

पिछले साल 15 सितंबर को, हाई कोर्ट ने इस विवाद में दखल देने से मना कर दिया था। उन्होंने निचली अदालत के फैसले को बिना किसी अपीलीय जांच के बरकरार रखा था। इसके बाद JDA ने 10 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। JDA ने दलील दी कि सार्वजनिक जमीन तकनीकी आधार पर खो गई, जबकि मामला सार्वजनिक मालिकाना हक, पूरी हो चुकी अधिग्रहण प्रक्रिया, तय राजस्व रिकॉर्ड और अनुच्छेद 363 के तहत संवैधानिक रोक से जुड़ा था। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद फिर से हाई कोर्ट में मेरिट के आधार पर सुना जाएगा। इससे यह तय होगा कि इस कीमती जमीन का मालिकाना हक किसके पास है।

जिस मस्जिद के लिए पत्थरबाजी हुई उसके कोई कागज नहीं

113 साल पुराने पेपर गायब, मस्जिद कमेटी बोली- शायद वक्फ के पास होंगे

तारीख 7 जनवरी, वक्त रात के 1 बजे। पुरानी दिल्ली सो रही थी, तभी 32 जेसीबी और बुलडोजर तुर्कमान गेट की गलियों में दाखिल हुए। हाईकोर्ट के आदेश पर फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास 36,400 वर्ग फीट में बने एक बंद पड़े बारात घर और प्राइवेट क्लिनिक के अलावा पार्किंग ढहाने की तैयारी थी। जेसीबी चलनी शुरू हुईं, तभी भीड़ जुट गई। एमसीडी के स्टाफ और पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। 5 पुलिस वाले घायल हो गए। पुलिस ने हालात संभाले और एमसीडी के अमले ने कब्जे तोड़ दिए। तीन दिन बीत गए, तुर्कमान गेट के आसपास पुलिस तैनात है।

फैज-ए-इलाही मस्जिद की मैनेजिंग कमेटी का दावा है कि जिस जमीन पर कार्रवाई की गई है, वह 100 साल से ज्यादा पुरानी नोटिफाइड वक्फ संपत्ति है। कमेटी के जनरल सेक्रेटरी मतलूब करीम, मस्जिद की तरफ से पैरवी कर रहे वकील इरशाद हनीफ और वक्फ बोर्ड की वकील फरहत जहान रहमानी कहते हैं कि पूरा मामला कागजों की वजह से उलझा है। मस्जिद के पास उस जमीन के कागज नहीं हैं।

मस्जिद कमेटी के जनरल सेक्रेटरी मतलूब करीम कहते हैं, 'पेपर जमा करने की जिम्मेदारी वक्फ बोर्ड की थी। वक्फ बोर्ड दिल्ली सरकार के तहत आता है। दिल्ली सरकार में अभी कौन लोग हैं, आप जानते हैं। वे 1913 के पेपर नहीं दिखा रहे हैं, जिसमें 3 बीघा 17 बिस्वा जमीन का जिक्र है। उन्होंने सिर्फ 1940 का पेपर दिखाया, जिसमें 0.195 एकड़ जमीन के बारे में ल खा है।'

दरअसल, एमसीडी कमिश्नर ने 22 दिसंबर के अपने आदेश में कहा था कि 1940 में बनी डीड के तहत मिली 0.195 एकड़ ज़मीन के अलावा मस्जिद कमेटी और वक्फ बोर्ड के पास बाकी जमीन पर मालिकाना हक नहीं है। मतलूब करीम मस्जिद के बाहर की जमीन के मालिकाना हक या पेपर की बात वक्फ बोर्ड की तरफ मोड़ देते हैं। वे कहते हैं कि कमेटी ने एमसीडी को सारी बातें बताई थीं। हमारे पास जो डॉक्यूमेंट्स थे, हमने दे दिए। बाकी के लिए हमने समय मांगा था, लेकिन हमें समय ही नहीं दिया गया।

जमीन विवाद पर दिल्ली वक्फ बोर्ड की तरफ से कोर्ट में पेश हुईं वकील फरहत जहान रहमानी कहती हैं, 'दो साल से बोर्ड नहीं है, यानी अभी कोई पैनल नहीं है। पैनल की गैर-मौजूदगी में जिन्हें सीईओ बनाया गया था, वे भी रिटायर हो चुके हैं। अभी कोई अधिकारी नहीं है, जो फाइल को मंजूरी दे। वक्फ बोर्ड की लीगल सेल से कोई निर्देश नहीं आता है, तब तक हम कोई फाइल जमा नहीं कर सकते।

फैज-ए-इलाही मस्जिद कमेटी की तरफ से हाईकोर्ट में केस लड़ रहे सीनियर वकील इरशाद हनीफ भी दावा करते हैं कि जिस जमीन पर कार्रवाई की गई, वह वक्फ की है। वक्फ कानून की धारा-83 में प्रावधान है कि वक्फ की जमीन पर विवाद हो, तो उस पर वक्फ ट्रिब्यूनल ही फैसला ले सकता है।

इरशाद आगे कहते हैं, 'सेव इंडिया फाउंडेशन ने इस जमीन पर याचिका लगाई थी। 12 नवंबर, 2025 को याचिका लिस्ट हुई और उसी दिन हाईकोर्ट ने कहा कि अगर ये वक्फ की जमीन है, तो उन्हें सुनवाई का मौका दिया जाए। एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर ने दो बार सुनवाई की।' 'मस्जिद कमेटी ने डॉक्यूमेंट देने के लिए उनसे एक महीने का समय मांगा था। उन्होंने कहा कि 24 घंटे का समय देंगे। इसके पीछे क्या मकसद था, समझ नहीं आया। इसके बाद 22 दिसंबर को आदेश आ गया कि मस्जिद के बाहर की जमीन एमसीडी की है।'

इरशाद कहते हैं, 'हाईकोर्ट ने 6 जनवरी को कहा था कि मामले पर विचार करने की जरूरत है। फिर क्या जल्दबाजी थी कि आधी रात तोड़फोड़ शुरू कर दी। नोटिस तक नहीं दिया गया। हाईकोर्ट ने जो कहा था, मैं उसे एक तरह से रोक मानता हूं।' 'हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी करने के लिए तीन महीने का समय दिया था। ये समय 12 फरवरी 2026 को पूरा होता। हमने एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर से एक महीने का वक्त मांगा, जो हमें नहीं दिया गया। आप हमें दस्तावेज जमा करने के लिए सिर्फ 24 घंटे का समय दे रहे हैं। ये तो गलत है।'

इरशाद बताते हैं, '1940 के समझौते के तहत लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने करीब 900 गज जमीन मस्जिद को ट्रांसफर की थी। उसके बाहर 3 बीघा 17 बिस्वा जमीन कब्रिस्तान की है। यहीं तबलीगी जमात का मरकज चलता है। मस्जिद के बाहर के पूरे हिस्से को ढहा दिया गया है।'

'सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर, 2024 को फैसला दिया था, जिसमें कार्रवाई के नियम तय किए गए थे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने आदेश दिया था कि डिमॉलिशन की प्रक्रिया देर रात या तड़के सुबह नहीं की जा सकती है। एमसीडी ने इसका उल्लंघन किया है। रात में 2 बजे पुलिस तैनात करके बुलडोजर चलाया गया।'

कब्जे के खिलाफ याचिका लगाने वाले प्रीत सिंह सिरोही का दावा है कि फैज-ए-इलाही के आसपास की जमीन का मालिकाना हक PWD और एमसीडी के पास है। दिल्ली में रहने वाले प्रीत सिरोही सेव इंडिया फाउंडेशन नाम की संस्था चलाते हैं और सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई मस्जिद, मजार, दरगाह और कब्रिस्तान के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

प्रीत सिरोही देशभर में 2500 से ज्यादा और दिल्ली में 275 इस्लामिक स्ट्रक्चर्स के खिलाफ पिटीशन डाल चुके हैं। इसके लिए दिल्ली में 37 वकीलों की टीम बनाई है। उनके पास ऐसे मामलों की लंबी लिस्ट है। अप्रैल, 2025 में दैनिक भास्कर ने प्रीत सिरोही का इंटरव्यू किया था।

इसमें उन्होंने कहा था, 'जब तक मैं हूं, इन्हें नहीं रहने दूंगा। बहुत पहले से कागज इकट्ठा कर रहा हूं। अब कोर्ट में पिटीशन डालनी शुरू की हैं।' 'नेता मंचों से बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। जनता को गुमराह कर रहे हैं कि कराची तक हमारे झंडे होंगे। यहां देश में कई जगह कराची, रावलपिंडी और लाहौर बन गए हैं। एक दिन ऐसा आएगा कि हमें ही झोला उठाकर भागना पड़ेगा। इसलिए मैंने तय कर लिया कि मैं नेताओं के भरोसे नहीं रहूंगा।'

भारत को नहीं खरीदना पड़ेगा रूसी तेल

अमेरिका ने दे दिया बड़ा ऑफर, हट जाएगा टैरिफ!

अमेरिका ने भारतीय सामान पर 50% टैरिफ लगाया है और अब इसे 500% तक बढ़ाने की धमकी दी है। इसकी वजह है रूस से तेल की खरीदारी। भारत अभी सबसे ज्यादा तेल रूस से खरीद रहा है। हालांकि पिछले छह महीने में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी कम की है। जनवरी में तो इसके चार साल के न्यूनतम स्तर पर आने का अनुमान है. लेकिन अमेरिका इससे खुश नहीं है। हाल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बिल को हरी झडी दी है जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है।

लेकिन दोनों देशों के बीच अब बात बनती दिख रही है। अमेरिका ने भारत को वेनेजुएला का तेल देने की पेशकश की है।

वॉइट हाउस के एक सीनियर अधिकारी का कहना है कि अमेरिका एक नए कंट्रोल्ड फ्रेमवर्क के तहत भारत और चीन को वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए तैयार है। हालांकि यह फ्रेमवर्क अमेरिका के नियंत्रण में होगा। अमेरिका वेनेजुएला में स्टोरेज में रखे 30 मिलियन से 50 मिलियन बैरल तेल को बेचने की योजना बना रहा है। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है और भारत की रिफाइनरीज इस तेल को प्रोसेस करने में सक्षम हैं। अगर भारत वेनेजुएला से तेल खरीदता है और रूस से तेल खरीदना बंद करता है तो अमेरिका टैरिफ को घटाकर 25% कर सकता है।

भारतीय कंपनियां तैयार

रिलायंस इंडस्ट्रीज का कहना है कि वह वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने के लिए तैयार है। लेकिन यह तभी होगा जब अमेरिका के बाहर की कंपनियों को यह तेल खरीदने की इजाजत मिल जाए। रिलायंस जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स चलाती है। कंपनी का कहना है कि वह इस बारे में कोई भी फैसला लेने से पहले नियमों की स्पष्टता का इंतजार कर रही है। कंपनी इसके लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। कंपनी के सूत्रों ने यह भी बताया कि भारत की सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्प और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प भी वेनेजुएला का तेल खरीदने के लिए तैयार हैं। रिलायंस ने पिछले साल मार्च में वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदना बंद किया था। रिलायंस को वेनेजुएला से तेल का आखिरी शिपमेंट पिछले साल मई में मिला था। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तार के बाद दोनों देशों के बीच एक समझौता हुआ है। इसके तहत वेनेजुएला 2 अरब डॉलर तक के कच्चे तेल का निर्यात कर सकता है। यह तेल लगभग 3 से 5 करोड़ बैरल तक हो सकता है और इसे अमेरिका को भेजा जाना था।

गुजरात में रिलायंस की रिफाइनिंग यूनिट्स की रोजाना क्षमता लगभग 14 लाख बैरल है। यह रिफाइनरी सभी तरह के क्रूड को प्रोसेस कर सकती है। जानकारों का कहना है कि अगर वेनेजुएला का कच्चा तेल वैश्विक बाजारों में वापस आता है, तो यह संभवतः छूट पर मिलेगा। इससे उन रिफाइनरियों के लिए कच्चे माल के विकल्प और आर्थिक फायदे बढ़ेंगे जो इसे प्रोसेस कर सकती हैं। एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी, नायरा एनर्जी, इंडियन ऑयल कॉर्प और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स भी वेनेजुएला से तेल खरीद चुकी हैं।

अमेरिका और पश्चिमी देश का दबाव बढ़ रहा है कि वह रूस से तेल की खरीद कम करे। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस के यूक्रेन युद्ध की फंडिंग हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत रूस से 144 अरब यूरो का तेल खरीदा है। पहले भारतीय आयात में रूस की हिस्सेदारी बहुत कम थी। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद रूस ने भारत और चीन जैसे देशों को डिस्काउंट पर तेल देना शुरू किया।

पिछले साल के मध्य में भारत रूस से रोजाना 20 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रहा था लेकिन दिसंबर में यह 12 लाख बैरल रह गया। माना जा रहा है कि जनवरी में यह 10 लाख बैरल रह सकता है। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल कच्चे तेल का ज्ञात भंडार है जो कुल ग्लोबल रिजर्व का करीब 20 फीसदी है। लेकिन ग्लोबल प्रोडक्शन में इसकी हिस्सेदारी बहुत कम है। ट्रंप चाहते हैं कि बड़ी तेल कंपनियां वेनेजुएला में निवेश करें।

इस एकादशी को क्यों कहा जाता है षटतिला एकादशी ?

माघ कृष्ण पक्ष में षटतिला एकादशी इस बार 14 जनवरी को पड़ रही है। भगवान विष्णु के इस व्रत को करने से धन-धान्य की कमी नहीं रहती है। सबसे खास बात यह है कि इसमें तिल के छह प्रकार से प्रयोग का विधान है, स्नान, उबटन, तर्पण, हवन, दान व सेवन शामिल है।

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत को भगवान विष्णु की आराधना और आत्मशुद्धि का सर्वोत्तम साधन माना गया है। माघ मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी को विशेष रूप से षटतिला एकादशी कहा जाता है, जो वर्ष 2026 में 14 जनवरी को श्रद्धा और नियमपूर्वक मनाई जाएगी। शास्त्रों में इस एकादशी का उल्लेख केवल उपवास के रूप में ही नहीं, बल्कि दान, संयम और पुण्य संचय के विशेष पर्व के रूप में मिलता है। माघ मास स्वयं तप, अनुशासन और सात्विक जीवन से जुड़ा माना गया है, ऐसे में इस मास की एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। षटतिला एकादशी व्यक्ति को भौतिक और आध्यात्मिक दोनों स्तरों पर संतुलन प्रदान करने वाली तिथि मानी जाती है।

शास्त्रों के अनुसार, इस एकादशी में तिल का छह प्रकार से प्रयोग करने का विधान बताया गया है। संस्कृत में षट का अर्थ छह और तिला का अर्थ तिल होता है। इन्हीं छह कर्मों के कारण इस एकादशी को षटतिला कहा गया है। इन कर्मों में तिल से स्नान, तिल का उबटन, तिल का तर्पण, तिल का हवन, तिल का दान और तिल का सेवन शामिल है।

पद्म पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख मिलता है कि माघ मास में तिल विशेष रूप से पुण्यदायी होता है। शीत ऋतु में तिल को अग्नि तत्व का प्रतीक माना गया है, जो शरीर को ऊर्जा और मन को स्थिरता प्रदान करता है। इसी शास्त्रीय आधार पर इस एकादशी का नाम और उसका महत्व स्थापित हुआ।

शास्त्रों में तिल का महत्व

धार्मिक ग्रंथों में तिल को अत्यंत पवित्र और पाप नाशक बताया गया है। मान्यता है कि तिल भगवान विष्णु के शरीर से उत्पन्न हुए हैं इसलिए उनका उपयोग विष्णु पूजा में विशेष फल प्रदान करता है। शास्त्रों के अनुसार, तिल से स्नान करने से शारीरिक शुद्धि के साथ मानसिक दोष भी दूर होते हैं। तिल से किया गया तर्पण पितरों को संतोष देता है और पितृ दोष से मुक्ति का माध्यम बनता है। वहीं, तिल का दान दरिद्रता, रोग और कष्टों से रक्षा करता है। यही कारण है कि षटतिला एकादशी पर तिल को केवल खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि त्याग, शुद्धता और सेवा भाव का प्रतीक माना गया है।

षटतिला एकादशी की पौराणिक कथा

षटतिला एकादशी से जुड़ी एक पौराणिक कथा शास्त्रों में वर्णित है। कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण स्त्री नियमित रूप से व्रत और तप करती थी, लेकिन उसने कभी अन्न या तिल का दान नहीं किया।

मृत्यु के बाद उसे स्वर्ग तो प्राप्त हुआ, पर वहां उसका निवास रिक्त और साधनहीन था। जब उसने इसका कारण पूछा, तो भगवान विष्णु ने बताया कि दान के अभाव में उसका पुण्य अधूरा रह गया। भगवान की आज्ञा से उसने पुनः षटतिला एकादशी का व्रत किया और तिल का दान किया, जिससे उसका स्वर्ग लोक वैभव और समृद्धि से भर गया। तभी से यह एकादशी दान, त्याग और पूर्ण पुण्य प्राप्ति का प्रतीक मानी जाती है।

भगवान श्रीकृष्ण को क्यों कहा जाता है रणछोर, कैसे पड़ा उनका ये नाम ?

जगत के पालनहार भगवान विष्णु ने द्वापर युग में धरती पर धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया। श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के आठवें अवतार थे। द्वापर युग में अपने मामा कंस समेत कई असुरों का भगवान श्रीकृष्ण ने अंत किया। गिरिधर, मुरलीधर, मधुसूदन, यशोदा या देवकी नंदन, गोपाल, चक्रधारी और श्याम जैसे श्रीकृष्ण को अनेकों नामों से पुकारा जाता है। इन्हीं नामों में शामिल हैं रणछोड़। भगवान श्रीकृष्ण को रणछोड़ के नाम से भी पुकारा जाता है। श्रीकृष्ण किसी का भी अंत कर सकते थे, लेकिन एक ऐसा मौका भी आया था, जब श्रीकृष्ण को रणभूमि छोड़कर भागना पड़ा था। यही कारण है कि उनका नाम रणछोड़ पड़ा। वो भगवान थे फिर उन्हें रण छोड़ने की जरुरत क्यों पड़ी? ये सवाल भी लोगों के मन में आता है। दरअसल, इसके पीछे एक रहस्यमयी कहानी कहानी है। आइए विस्तार से जानते हैं।

जरासंध ने श्रीकृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा

मगधराज जरासंध भगवान श्रीकृष्ण के मामा कंस के ससुर थे। भगवान ने कंस का वध करके मथुरा समेत पूरे ब्रज क्षेत्र को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। जरासंध भगवान श्रीकृष्ण से कंस की मौत का प्रतिशोध लेना चाहता था, इसीलिए एक बार जरासंध ने भगवान श्रीकृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा था। वह अकेला नहीं था। उसने श्रीकृष्ण से युद्ध के लिए यवन देश के राजा कालयवन को भी अपने साथ मिला लिया था।

कालयवन को भगवान से महादेव से वरदान प्राप्त था। इसलिए तो कोई चंद्रवंशी और न ही कोई सूर्यवंशी उसको युद्ध में हरा सकता था। उसे न तो कोई हथियार मार सकता था और न ही कोई अपने बल से हरा सकता था। इस वरादन के कारण कालयवन खुद को अमर और अजेय समझने लगा था। जरासंध के कहने पर उसने अपनी सेना के साथ मथुरा पर चढ़ाई कर दी।

इसलिए रणभूमि छोड़कर भागे भगवान

चूंकि श्रीकृष्ण को पता था कि बल से कालयवन का वध संभव नहीं है। न ही उनका सुदर्शन चक्र उसे मार सकता है। इसलिए उन्होंने तय किया वो रणभूमि छोड़कर भाग जाएंगे। इसके बाद वो रणभूमि छोड़ भागकर एक अंधेरी गुफा में पंहुच गए। श्रीकृष्ण जिस गुफा में छिपे थे, वहां दक्षिण कोसल के राजा मुचकुंद गहरी नींद में सोए हुए थे। उनको इंद्र से वरदान प्राप्त था कि जो भी उन्हें नींद से जगाएगा, वो भस्म हो जाएगा। श्रीकृष्ण को ये बात पता थी। वो कालयवन को अपने पीछे-पीछे उस गुफा तक ले आए।

इसके बाद कालयवन को भ्रमित करने के लिए अपना पीतांबर राजा मुचकुंद के ऊपर डाल दिया। जब राजा मुचकुंद को कालयवन को देखा तो उसे लगा कि वो श्रीकृष्ण ही हैं। इसलिए उसने श्रीकृष्ण समझ कर राजा मुचकुंद को ही नींद से जगा दिया। राजा मुचकुंद जैसे ही नींद से उठे, कालयवन वहीं जलकर भस्म हो गया। असल में श्रीकृष्ण ने कालयवन के अंत के लिए ये पूरी लीला रची थी।

अगर घर में दिखें ये संकेत तो समझ लें कि है वास्तु दोष

वास्तु शास्त्र में कुछ संकेतों के बारे में बताया गया है, जिनसे पता लगाया जा सकता है कि कहीं घर में वास्तु दोष तो नहीं. अगर आपको भी घर में संकेत नजर आएं तो बिल्कुल इन संकेतों को बिल्कुल अनदेखा न करें और घर में वास्तु दोष का उपाय करें

वास्तु शास्त्र का प्राचीन विज्ञान है। ये इंसान के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें जीवन को खुशहाल बनाने के लिए कई सारे नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र में घर से संबंधित नियम भी बताए गए हैं, जिनका पालन अवश्य करना चाहिए, लेकिन कई बार व्यक्ति वास्तु शास्त्र में बताए गए नियमों को अनदेखा कर छोटी-छोटी गलतियां कर बैठता है, जो घर में वास्तु दोष का कारण बन सकती हैं।

वास्तु शास्त्र में कुछ संकेतों के बारे में बताया गया है, जिनसे पता लगाया जा सकता है कि कहीं घर में वास्तु दोष तो नहीं। अगर आपको भी घर में ये संकेत नजर आएं तो बिल्कुल इन संकेतों को बिल्कुल अनदेखा न करें और घर में वास्तु दोष का उपाय करें।

घर में वास्तु दोष के संकेत

घर में बिना वजह क्लेश की स्थिति बनी रहती है, तो ये वास्तु दोष का संकेत होता है। कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता न मिलना भी वास्तु दोष का संकेत माना जाता है। घर में स्वास्थ्य और धन संबंधी परेशानियों का बना रहना भी वास्तु दोष का संकेत होता है। टपकता हुआ नल आर्थिक नुकसान और वास्तु दोष की ओर इशारा करता है। घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में टॉयलेट होने पर भी वास्तु दोष लग सकता है। घर के जिन कोनों में प्राकृतिक रोशनी नहीं पहुंच पाती है, वहां नकारात्मक उर्जा अपना बसेरा बना लेती है, जोकि वास्तु दोष का कारण बनता है। इसके साथ ही घर और मुख्य द्वार पर गंदगी वास्तु दोष की वजह बन जाती है।

वास्तु दोष को दूर करने के उपाय

वास्तु दोष से मुक्ति पाने के लिए घर में वास्तु शांति का पाठ करवाना चाहिए।

शाम के समय घर में कपूर जलाकर घुमाना चाहिए।

शाम के समय घर के मुख्य द्वार व तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। घर को साफ-सुथरा और हवादार रखना चाहिए।

माना जाता है कि इन सभी उपायों को करने से घर में लगा वास्तु दोष दूर सकता है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास वापस लौट सकता है।

वास्तु ये एक बदलाव बना सकता है आपको करोड़पति

अगर आप करोड़पति बनने का सपना देखते हैं, तो अपने घर की उत्तर दिशा में नीले रंग के पानी का फव्वारा या बहते हुए पानी की तस्वीर लगाएं। यह एक छोटा सा बदलाव धन की ऊर्जा को चुंबक की तरह खींचता है।

मुख्य द्वार- घर का मुख्य द्वार वह स्थान है जहां से लक्ष्मी का आगमन होता है। मुख्य द्वार हमेशा साफ-सुथरा और चमकदार होना चाहिए। द्वार पर चांदी का स्वास्तिक लगाएं या दहलीज पर तांबे के सिक्के दबाएं। इससे नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती।

तिजोरी की सही दिशा

आप अपना पैसा और गहने जहां रखते हैं, वह स्थान आपकी आर्थिक स्थिति तय करता है। अपनी तिजोरी या अलमारी को हमेशा घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में रखें लेकिन इसका मुंह उत्तर की ओर खुलना चाहिए। उत्तर की ओर खुलती हुई तिजोरी कुबेर के खजाने का स्वागत करती है।

रसोई घर और अग्नि का संतुलन

रसोई घर में अग्नि का वास होता है, जो समृद्धि का प्रतीक है। यदि आपकी रसोई दक्षिण-पूर्व में नहीं है, तो वहां एक लाल रंग का बल्ब जलाएं। कभी भी रसोई में जूठे बर्तन रात भर न छोड़ें क्योंकि यह लक्ष्मी को रुष्ट करता है।

कबाड़ और मकड़ी के जाले

वास्तु में राहु का वास गंदगी और कबाड़ में माना गया है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा, जिसे ईशान कोण कहते हैं, उसे हमेशा खाली और साफ रखें। यहाँ भारी सामान या कूड़ा रखने से बुद्धि भ्रष्ट होती है और धन का नुकसान होता है।

मनी प्लांट और धातु का कछुआ

इसे हमेशा घर के अंदर दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाएं। ध्यान रहे कि इसकी बेलें जमीन को न छुएं, उन्हें ऊपर की ओर सहारा दें।

जीवन में न करें ये बुरे कर्म, वरना अगले जन्म में बनना होगा गिद्ध!

गरुड़ पुराण हिंदू धर्म के 18 महापुराणों में शामिल है। इस ग्रंथ में मृत्यु के बाद के हालात और आत्मा की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया है। साथ ही जीवन को सही ढंग से जीने की नीतियां भी गरुड़ पुराण में बताई गई हैं। गरुड़ पुराण में मनुष्य के कर्मों के आधार पर ये साफ तौर पर बताया गया है कि वो अगले जन्म में क्या बनेगा?

गरुड़ पुराण के अनुसार, पुण्य कर्म करने वाले जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। वहीं बुरे काम में लिप्त लोग मरने के बाद नरक जाते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि कौन से काम मुनष्य को अगला जीवन गिद्ध के रूप देते हैं?

गरुड़ पुराण के अनुसार...

गरुड़ पुराण के अनुसार, मनुष्य का वर्तमान जीवन उसके पिछले कर्मों के आधार पर मिलता है। इसी तरह मनुष्य के वर्तमान के कर्म उसका अगला जीवन निर्धारित करते हैं। भगवान विष्णु ने इसमें पक्षी राज गरुड़ को साफ तौर पर बताया कि जो लोग अर्धम करते हैं उनको मृत्यु के बाद न सिर्फ यातनाएं झेलनी पड़ती हैं, बल्कि उनका अगला जन्म भी बहुत कष्टकारी होता है।

ऐसे लोग अगले जन्म में बनते हैं गिद्ध

सनातन धर्म में दोस्ती का संबंध बड़ा ही पवित्र माना गया है, लेकिन गरुड़ पुराण के अनुसार, ऐसे लोग जो स्वार्थ में मित्रता करते हैं या दोस्ती का नाटक करते हैं और अपने मित्र को धोखा देते हैं, उनका भविष्य अंधकारमय होता है।

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति अपने मित्र से ठगी करता है, उसे आर्थिक नुकसान पहुंचाता है उसका यकीन तोड़ता है, वो अगले जन्म में गिद्ध के रूप में जन्म लेता है।

इसके बाद गिद्ध बनकर व्यक्ति अपना पेट भरने के लिए सिर्फ मृतक जानवरों के सड़े-गले मांस खाकर जीवित रहता है। ये सजा इस बात का प्रतीक है कि, जिस तरह व्यक्ति ने इस जन्म में गंदा काम किया, उसी तरह उसे अगले जन्म में गंदगी खाकर जीना होगा।

हिंदू त्योहारों में काला पहनना होता है अशुभ

लेकिन मकर संक्रांति पर क्यों हैं शुभ?

आमतैर पर किसी भी तीज-त्योहार या पूजा-पाठ के मौके पर काले कपड़े पहनने से मना किया जाता है, लेकिन मकर संक्रांति एक ऐसा त्योहार है जब काले कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं कि इसके पीछे का कारण क्या है?

सनातन धर्म में मकर संक्रांति का पर्व बहुत विशेष माना जाता है। ये पर्व सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है। इस दिन सूर्य देव की विशेष पूजा की जाती है। गंगा और अन्य पवित्र नदियों में स्नान किया जाता है। इस दिन दान का विशेष महत्व होता है। इस साल 14 जनवरी को सूर्य मकर राशि में प्रवेश कर रहे हैं, इसलिए इसी दिन मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा।

पूरे देश में मकर संक्रांति का पर्व अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। इसे खिचड़ी भी कहते हैं। इस दिन आसमान पंतगों से भर जाता है। आमतैर पर किसी भी तीज-त्योहार या पूजा-पाठ के मौके पर काले कपड़े पहनने से मना किया जाता है, लेकिन मकर संक्रांति एक ऐसा त्योहार है जब काले कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं कि इसके पीछे का कारण क्या है?

मकर संक्रांति पर काला रंग पहनना क्यों है शुभ?

मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि देव की राशि मकर में प्रवेश करते हैं। हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में काले रंग का संबंध शनि देव से बताया गया है, इसलिए मकर संक्रांति के दिन काले कपड़े पहनें जाते हैं। मकर संक्रांति के दिन काला रंग पहनने से शनि देव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। महाराष्ट्र समेत दक्षिण भारत में मकर संक्रांति के दिन विशेषकर काले रंग के वस्त्र पहनें जाते हैं।

इसलिए भी पहनें जाते हैं काले रंग के कपड़े

इसके अलावा मकर संक्रांति का पर्व ऋतु परिवर्तन का भी त्योहार माना जाता है। कहते हैं कि सूर्य देव के उत्तरायण होने पर सर्दी का मौसम खत्म होने लगता है। इसके साथ ही पतझड़ की शुरुआत हो जाती है। हालांकि, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन बहुत ठंड होती है। ऐसे में काले रंग के कपड़े पहनने से शरीर को गर्मी मिलती है। इसलिए भी मकर संक्रांति पर काले रंग के कपड़े पहनने की परंपरा चली आ रही है।

83 साल के अमिताभ बच्चन ने

कुछ इस तरह से की राम चरण से मुलाकात

बॉलीवुड इंडस्ट्री के महानायक अमिताभ बच्चन 83 साल के हो गए हैं लेकिन अपनी अदाकारी से लोगों को लगातार एंटरटेन कर रहे हैं। वह ना सिर्फ फिल्मों के लिए काम करते हैं बल्कि छोटे पर्दे यानी टीवी पर भी एक्टिव हैं। अमिताभ बच्चन इस उम्र में एक्टिंग के साथ ही अपनी फिटनेस पर भी काफी ध्यान देते हैं। उनकी जबरदस्त फिटनेस देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। अब अमिताभ बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह साउथ एक्टर राम चरण से मुलाकात नजर आ रहे हैं। दोनों स्टार्स का वीडियो फैंस को खूब पसंद आ रहा है और लोग बिग बी की जबरदस्त फिटनेस को देखकर उनकी तारीफ कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन और राम चरण का वीडियो हुआ वायरल

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर मानव मंगलानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक इवेंट में पहुंचे अमिताभ बच्चन और राम चरण मुलाकात होती है। दोनों सितारे एक-दूसरे से गर्मजोशी के साथ मिलते हैं। अमिताभ बच्चन और राम चरण ने एक-दूसरे को गले से लगाया और कुछ देर बात की। इस वीडियो में इंडियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी नजर आ रहे हैं। अमिताभ बच्चन और राम चरण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया। अधिकतर यूजर्स ने बिग बी की फिटनेस को लेकर रिएक्शन दिया है। एक यूजर ने लिखा है, 'अमित जी बहुत ज्यादा फिट दिख रहे हैं।' एक यूजर ने लिखा है, 'क्या एनर्जी है बच्चन साहब।' बताते चलें कि अमिताभ बच्चन अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए काफी मेहनत करते हैं।

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग में पहुंचे कई सेलिब्रिटीज

गौरतलब है कि गुजरात के सूरत में होने वाली इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में अमिताभ बच्चन और राम चरण पहुंचे थे। इन दोनों स्टार्स के अलावा सचिन तेंदुलकर, अक्षय कुमार, अर्पिता खान समेत तमाम सेलिब्रटीज पहुंचे हैं। आईएसपीएल से इन स्टार्स के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अमिताभ बच्चन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे। अब वह साल 2026 में आने वाली फिल्म 'रामायण पार्ट 1' में काम करते दिखाई देंगे। वहीं, राम चरण पिछली बार साल 2025 में आई फिल्म 'गेम चेंजर' में दिखाई दिए थे। अब वह साल 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म 'पेड्डी' में नजर आएंगे। ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए।

'तान्हाजी' का सेकेंड पार्ट बनाएंगे अजय देवगन? फिल्म के छह साल पूरे होने पर दी हिंट; इस वजह से उठा सवाल

अजय देवगन की साल 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' को रिलीज हुए आज छह साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने एक पोस्ट साझा की है। अब अजय की इस पोस्ट ने लोगों में ये उत्सुकता जगा दी है कि क्या 'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट भी आ रहा है? क्या अजय देवगन एक बार फिर किसी मराठा योद्धा की कहानी को लेकर आने वाले हैं? अजय देवगन ने 'तान्हाजी' के छह साल पूरे होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अजय ने फिल्म के अलग-अलग सीन के ऑयल पेंटिंग वाले पोस्टर साझा किए हैं। इनमें अजय के साथ काजोल, सैफ अली खान और शरद केलकर के भी पोस्टर नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही अजय देवगन के कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा है। अजय ने मराठी में कैप्शन लिखा, जिसका अर्थ है 'किला तो आ गया लेकिन शेर चला गया।' इसके साथ ही अजय ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन कहानी अभी पूरी नहीं हुई।' अजय के इस कैप्शन के बाद ही फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कयास लगने लगे हैं।

36 साल की ये सिंगर फिर बनीं नंबर 1

सॉन्ग ऑफ द ईयर वर्ष के लिए हुईं नॉमिनेट, गाने को मिले 212 मिलियन व्यूज, 3 महीने से कर रहा ट्रेंड!

हार्ट रेडियो म्यूजिक अवाड्र्स 2026 के नॉमिनेशन की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है और पॉप सिंगिंग इंडस्ट्री के कुछ सबसे बड़े नाम इस रेस में सबसे आगे हैं। ग्लोबल स्टार टेलर स्विफ्ट, बैड बनी और सबरीना कारपेंटर 13वें स्थान के लिए टॉप कंटेस्टेंट हैं, जो 26 मार्च को लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में होस्ट किया जाएगा। सिंगर टेलर स्विफ्ट 9 नॉमिनेशन के साथ लिस्ट में टॉप वन की पोजीशन पर हैं जिससे पॉप और रेडियो चार्ट पर उनका दबदबा फिर से कायम हो गया है। उन्हें 'द फेट ऑफ ओफेलिया' के लिए सॉन्ग ऑफ द ईयर के साथ-साथ आर्टिस्ट ऑफ द ईयर और पॉप आर्टिस्ट ऑफ द ईयर जैसे नॉमिनेशन की लिस्ट में टॉप 1 में रखा गया है। इस रेस में सिंगर बैड बनी, सबरीना कारपेंटर और एलेक्स वॉरेन भी शामिल हैं, सभी को 8 नॉमिनेशन मिले हैं। इस नॉमिनेशन की लिस्ट में केंड्रिक लैमर, बेन्सन बून, डोची, मॉर्गन वॉलन, लियोन थॉमस ओर कई और भी सिंगर शामिल हैं, जो हार्ट रेडियो लिस्नर्स की प्लेलिस्ट का हिस्सा हैं। वहीं इस बीच, सबरीना कारपेंटर अपने निशान छोड़ते हुए इस साल पॉप इंडस्ट्री की लगातार हिट देने वाली सिंगर में से एक के रूप में बनकर उभरी हैं।

तीसरी बार मां बनने के 4 महीने बाद रिहाना का स्टनिंग कमबैक

पॉप आइकन रिहाना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मां बनने के बाद भी उनका ग्लैमर और स्टाइल बरकरार है। तीसरे बच्चे के जन्म के महज चार महीने बाद, रिहाना ने अपना पोस्टपार्टम फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सबका ध्यान खींचती नजर आईं। 37 साल की रिहाना को हाल ही में अपने परिवार के साथ कैरिबियन धूप का आनंद लेते हुए नजर आईं, जहां उनका लुक चर्चा का विषय बन गया। हाल ही में रिहाना को बारबाडोस के ब्रिजटाउन में एक लग्जरी कैटामरैन क्रूज़ पर देखा गया। यह पल उनके लिए फैमिली के साथ सुकून भरे समय बिताने का था। जैसे ही वह समुद्र में घूमने निकलीं, सुपरस्टार पर हर किसी की नजर टिक गई।

लुक की बात करें तो इस दौरान रिहाना एक स्पोर्टी एबिसे वेटसूट पहने नजर आईं, जिसने उनकी फिट और टोन्ड बॉडी को खूबसूरती से उभाका। अपने लुक को खास बनाने के लिए रिहाना ने टिफ़नी एंड कंपनी का एल्सा पेरेटी लार्ज बोन कफ पहना। स्टेटमेंट ज्वेलरी ने उनके सिंपल लुक में भी लग्जरी का तड़का लगा दिया। इसके साथ ही उन्होंने जेरेमी स्कॉट और लॉन्गशॉम्प के लिमिटेड-एडिशन मॉन्स्टर बैग को कैरी किया, जिसने पूरे आउटफिट को स्पोर्टी और लग्जरी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन बना दिया। रिहाना का यह अंदाज एक बार फिर उनके फैशन सेंस और ट्रेंडसेटर इमेज को दर्शाता है।

एक्ट्रेस शहनाज गिल ने गाया पाकिस्तानी सीरियल का सॉन्ग

लिखा- मुझ पर इसका जुनून सवार

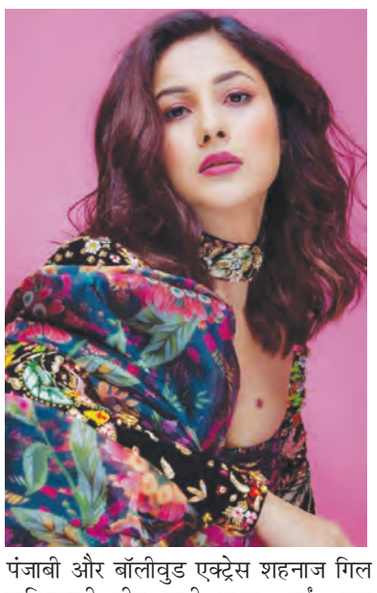

पंजाबी और बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल पाकिस्तानी गीत गाती नजर आईं। एक स्टूडियो में 'मेरी जिंदगी है तू' गीत गाते हुए शहनाज ने अपना वीडियो इंस्टा पर अपलोड किया है। इसमें शहनाज गिल ने लिखा- ओवसेसड विद दिस सॉन्ग।।। यानी मुझ पर इस गीत का जुनून सवार है। बता दें कि आपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय एक्टर्स के साथ पाकिस्तानी कलाकारों का लंबा विवाद चला। पहलगाम हमले के बाद तो पंजाबी कलाकारों और पाकिस्तानी कलाकारों में खूब बहस भी हुई थी।

पाकिस्तान के इफ्तिखार चौधरी को पंजाबी कॉमेडियन बीनू ढिल्लों सहित कई कलाकार करारा जवाब दे चुके हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ सरदार जी -3 में काम को लेकर पहले ही दिलजीत दोसांझ विरोध झेल रहे हैं। अब शहनाज ने पाकिस्तानी गीत गाकर चौंकाया है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौट भी पाकिस्तानी सॉन्ग 'दम नाल दम भरांगी रांझेया वे, जीवें कवेंगा करांगी रांझेया वे' लगाने पर ट्रोल हो चुकी है।

कंगना ने राजस्थान के जयपुर में मोर के साथ नाचते हुए इंस्टाग्राम पर 35 सेकेंड की रील डाली थी, जिसके बैकग्राउंड में उन्होंने पाकिस्तानी गाना लगा दिया था।

20 साल बड़े हीरो संग लड़ाया इश्क

अब बैकलेस ड्रेस में बोल्ड हुई सारा अर्जुन

सारा अर्जुन साल 2025 की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने और अपनी धाक जमाने के बाद तेजी से लाइमलाइट में आ गई हैं। महज 20 साल की उम्र में सारा इन दिनों अपनी एक्टिंग स्किल्स और अपने स्टाइल दोनों के लिए खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच उनकी लेटेस्ट तस्वीरों ने फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है।

हाल ही में सारा ने अपने फोटोशूट की शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें लाल रंग की बैकलेस बोल्ड ड्रेस पहनकर उन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फोटोशूट में सारा अर्जुन की ड्रेस का डीप नेकलाइन और उस पर बना अनोखा फ्लोरल डिजाइन सबका ध्यान खींच रहा है। उनके बिखरे हुए बाल लुक को और भी खास बना रहे हैं। सारा अर्जुन ने कैमरे के सामने अपना बेबाक अंदाज दिखाया है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सारा अर्जुन अलग-अलग पोज में नजर आ रही हैं। उनकी फोटोज ने इंटरनेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है। फैंस कमेंट सेक्शन में सारा की लेटेस्ट तस्वीरों की तारीफ करते हुए थक नहीं रहे हैं। किसी ने उन्हें स्टनिंग कहा है, तो किसी ने स्वर्ग की अप्सरा बता दिया है।

इसके अलावा फैंस ने हार्ट और फायर इमोजी के लिए सारा अर्जुन की तारीफ की है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो गई हैं। सारा अर्जुन ने फोटोशूट में अपने छरहरे बदन को बखूबी फ्लॉन्ट किया है। 'धुरंधर' में एक्ट्रेस ने 20 साल बड़े रणवीर सिंह के साथ रोमांस किया है, जिसकी खूब चर्चा हुई। अब सारा फिल्म 'यूफोरिया' के साथ तेलुगु डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन मशहूर डायरेक्टर गुणाशेखर कर रहे हैं।

'धुरंधर'-'टॉक्सिक' की वजह से पोस्टपोन हुई 'आवारापन 2'?

मुकेश भट्ट ने कहा कि 'मुझे बिल्कुल डर नहीं लगता'

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इमरान हाशमी की इस फिल्म से जुड़े एक के बाद एक अपडेट सामने आ रहे हैं, जो फैंस को इस मूवी के लिए बेताब कर रहे हैं। अभी हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया था। फिल्म जो पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली थी अब अब मई या जून में रिलीज होगी। इस खबर के सामने आने के बाद माना गया कि फिल्म की रिलीज को धुरंधर 2 और टॉक्सिक से बचने के लिए आगे बढ़ाया गया है।

मुकेश भट्ट ने क्लैश पर कही ये बात

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। इसकी वजह कुछ और नहीं बल्कि प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट का एक इंटरव्यू है, जिसमें वो धुरंधर 2 और टॉक्सिक संग क्लैश पर चुप्पी तोड़ी है। पीटीआई को दिए इंटरव्यू में भट्ट ने साफ किया कि 'अवारापन 2' की रिलीज डेट सिर्फ इसलिए बदल गई है क्योंकि इमरान हाशमी को शूटिंग के दौरान एक्सीडेंट हो गया था। उन्होंने बताया, 'फिल्म की रिलीज अब मई या जून में होगी। शूटिंग के दौरान इमरान को एक्सीडेंट हुआ और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। डॉक्टरों ने उन्हें 45 दिन तक एक्शन सीन करने से मना किया है। इसलिए सारे एक्शन सीन बाद में शूट किए जाएंगे।' भट्ट ने आगे कहा, 'मुझे 'धुरंधर 2' या 'टॉक्सिक' से बिल्कुल डर नहीं लगता।'

वामशी पैडिपल्ली की नेक्स्ट मूवी से धमाका करेंगे सलमान खान डायरेक्टर का होगा हिंदी डेब्यू

सलमान खान बॉलीवुड इंडस्ट्री उन अभिनेताओं में से एक हैं, जिनके साथ हर डायरेक्टर लाइफ में एक बार काम करना चाहता है। साउथ से लेकर नार्थ में भी सलमान खान की फुल डिमांड है। बीते कई दिनों से सलमान खान वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग को करने में व्यस्त हैं। इस मूवी की शूटिंग को मेकर्स ने काफी हद तक पूरा कर लिया है। 'बैटल ऑफ गलवान' के बाद अब जो बड़ी जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक सलमान खान के हाथ साउथ के फेमस निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की मूवी लगी है। लोकप्रिय तेलुगु निर्देशक वामशी पेडिपल्ली अब हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। वामशी ने अपनी नेक्स्ट मूवी के लिए सलमान खान को कास्ट करने का मन बनाया है। बॉलीवुड हंगामा को सूत्र ने बताया है कि सलमान खान ने भी वामशी के साथ उनकी अगली फिल्म करने के लिए हामी भर दी है। यह मूवी एक्शन और ड्रामा का मिश्रण बताई जा रही है। 'बैटल ऑफ गलवान' के रिलीज होने के बाद सलमान खान और वामशी अपनी फिल्म की शूटिंग को शुरू कर देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म दिल राजू द्वारा प्रोड्यूस की जाएगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो 'बैटल ऑफ गलवान' का निर्देशन अपूर्वा लाखिया द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ अंकुर भाटिया, चित्रांगदा सिंह, साकिब सलीम, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और जेन शॉ सहित कई कलाकार अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। सलमान खान की यह मूवी 17 अप्रैल के दिन रिलीज होगी।

ब्रेकअप के बाद

बदला लेने के लिए मधुबाला ने गुस्से में की सिंगर किशोर कुमार से शादी, अधूरी रह प्रेम कहानी

हिंदी सिनेमा की बेहद खूबसूरत और रहस्यमयी एक्ट्रेस मधुबाला सिल्वर स्क्रीन पर अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। स्क्रीन पर मुस्कुराती हुई एक्ट्रेस रियल लाइफ में उन्हें काफी दर्द सहना पड़ा था। उनके टूटे दिल और जिद की कहानी ने उनके भविष्य को ही बदल दिया। मधुबाला ने सम्मान और आत्मसम्मान की लड़ाई ने ऐसा फैसला लिया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। मधुबाला का असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। मधुबाला ने बहुत छोटी से उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा मुकाम हासिल किया है। उस समय बड़े-बड़े डायरेक्टर अपनी फिल्म में मधुबाला को कास्ट करना चाहते थे। उनकी लव लाइफ अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है। फिल्म 'तराना' के दौरान मधुबाला और दिलीप कुमार एक-दूसरे के करीब आए। फिल्म के सेट पर दोनों का रिश्ता प्यार में बदल गया।

दोनों के रिलेशन के बारे में परिवार को पता था, ऐसे में माना जा रहा था कि दोनों जल्द शादी करेंगे। लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। फिल्म मुगल-ए-आजम के सेट पर मुधबाला और दिलीप कुमार का प्यार अमर हो गया था। यह फिल्म उनके रिश्ते के लिए टर्निंग पॉइंट रही थी। काम का असर

उनकी लव लाइफ पर भी पड़ा। फिल्म नया दौर की शूटिंग को लेकर मधुबाला के पिता अताउल्लाह खान ने उन्हें बॉम्बे से बाहर शूटिंग करने के लिए मना कर दिया, जिसके बाद बी।आर चोपड़ा ने मधुबाला पर केस कर दिया। वहीं कोर्ट में दिलीप ने मुधाबाला और उनके पिता ने उनके खिलाफ गवाही दी। मधुबाला चाहती थीं दिलीप उनके पिता से माफी मांगकर चीजों को सुलझा लें, ताकि उनका रिश्ता बच सकें। लेकिन दिलीप कुमार ने माफी मांगने से मना कर दिया। मुधबाला नहीं चाहती थी कि वह प्यार के लिए परिवार को छोड़ दें।

यह पल था जब मुधबाला और दिलीप कुमार का रिश्ता टूट गया। साल 1960 में मधुबाला इलाज के लिए लंदन गई, तब किशोर कुमार उनकी लाइफ में आए। उसी दौरान किशोर कुमार ने शादी का प्रस्ताव रखा था। मधुबाला की बहन के अनुसार मधुबाला उस समय दिलीप कुमार से प्यार करती थी लेकिन गुस्से और जिद में आकर किशोर कुमार से शादी करने का फैसला किया। इंटरव्यू में मधुबाला की बहन ने बोला था- मधुबाला ने दिलीप साहब से नाराजगी और जिद से किशोर से शादी की थी। इस समय मधुबाला 27 साल की थी। किशोर कुमार से उनकी शादी ने हर किसी को हैरान कर दिया। शादी के कुछ समय बाद मधुबाला की सेहत खराब होने लगी। एक्ट्रेस को पता चला कि उनके दिल में छेद था। 9 साल बाद बहुत ही कम उम्र में मधुबाला का निधन हो गया।

हॉरर-कॉमेडी की दुनिया में एंट्री! हक के बाद यामी गौतम करेंगी नया धमाका

बॉलीवुड में यामी गौतम एक जाना माना चेहरा है। उनका मजाकिया अंदाज लोगों को काफी पसंद आता है। इतनी ही नहीं पिछले कुछ वर्षों से उनकी फिल्में भी अच्छी कमाई कर रही है, हर तरफ यामी की वाहवाही हो रही है। अपनी सफलता को देखते हुए यामी गौतम ने एक रिस्क लेने का फैसला किया है। यामी ने अब अपना रुख हॉरर-कॉमेडी फिल्म की ओर किया है। दरअसल 4 साल पहले वो सैफ अली खान और अर्जुन कपूर की फिल्म भूत पुलिस में नजर आई थी।

हालांकि अब यामी गौतम लीड रोल में नजर आने वाली है। उनकी अपकमिंग फिल्म का अपडेट भी आ गया है। दरअसल बॉलीवुड हो या फिर साउथ इंडस्ट्री हर जगह हॉरर-कॉमेडी का मानों ट्रेंड सा चल गया है। कुछ साल पहले श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी फिल्म ने कमाई के कई सारे रिकॉर्ड अपने नाम कर दिया था। अब लगता इसी का देखा देखी मेकर्स ज्यादातर हॉरर कॉमेडी फिल्म बना रहे है। इसी राह पर अब यामी गौतम ने भी अपना रुख अपनाया है। यामी की फिल्म 'नई नवेली' की शूटिंग जल्द शुरू होने जा रही है। यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी भारतीय माइथोलॉजी से कनेक्टेड है। इस फिल्म को दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है, तो वहीं इसे आनंद एल राय प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू कर दी जाएगी। आपको बता दें कि यामी ने इससे पहले कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन ओटीटी पर आई उनकी फिल्म 'अ थर्सडे' को लोगों ने काफी पसंद किया था। उन्होंने आर्टिकल 370, ओएमजी 2 जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म कब सिनेमाघरों में आएगी। फिलहाल तो इसकी शूटिंग भी शुरू नहीं हुई है।

क्या बजट में कर्ज पर लगाम लगाकर विकास को नई रफ्तार मिलेगी?

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट 2026 में सरकार का फोकस राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण और कर्ज की स्थिरता बनाए रखने पर रहने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष महेंद्र देव ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि बजट विकसित भारत रोडमैप के अनुरूप होगा और राजकोषीय घाटे व कर्ज-से-जीडीपी अनुपात जैसे प्रमुख संकेतकों पर सख्ती से टिके रहने का लक्ष्य रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि महामारी के बाद भारत ने राजकोषीय समेकन में लगातार प्रगति की है। कोविड काल में जहां राजकोषीय घाटा करीब 9% था, वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में यह घटकर लगभग 4.8% रह गया है। आगे सरकार का लक्ष्य इसे करीब 4.4% तक लाने का है। देव के अनुसार, केंद्र सरकार का कर्ज-जीडीपी अनुपात करीब 56.1% है, जबकि केंद्र और राज्यों का संयुक्त कर्ज लगभग 80% है, जो 2030 तक घटकर करीब 76% हो सकता है।

उच्च विकास के लिए निवेश और दक्षता जरूरी

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देव ने उच्च और टिकाऊ आर्थिक वृद्धि पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 7-8% की विकास दर बनाए रखने के लिए करीब 35% का निवेश अनुपात जरूरी है, जबकि फिलहाल यह करीब 30% है।

इसके साथ ही उन्होंने निवेश की दक्षता सुधारने की जरूरत बताई। उनके मुताबिक, पूंजी-उत्पादन अनुपात को मौजूदा 5 से घटाकर 3.5-4 के स्तर पर लाना होगा ताकि पूंजी का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कुल कारक उत्पादकता की भूमिका को भी अहम बताया, जिसमें तकनीक और दक्षता से मिलने वाले लाभ शामिल हैं। इससे समग्र आर्थिक दक्षता में सुधार होगा।

वैश्विक चुनौतियां और आत्मनिर्भरता

वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव और टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं का जिक्र करते हुए देव ने कहा कि भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी और गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण को बढ़ावा देकर भारत निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बन सकता है। देव ने बीते एक दशक में हुए सुधारों जैसे जीएसटी, आयकर सुधार, श्रम संहिताएं, बीमा क्षेत्र में एफडीआई का उदारीकरण और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने को निजी निवेश और दक्षता बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित देश बनने की दिशा में राज्यों की भूमिका बेहद अहम है और प्रत्येक राज्य को अपने लक्ष्य और कार्यान्वयन तंत्र तय करने होंगे। विकास के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक प्रतिकूलताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। चालू वर्ष के लिए विकास दर का अनुमान 7.4% है, जबकि अगले वर्ष यह 6.5% से 7% के बीच रह सकती है। उन्होंने बताया कि पोस्ट-कोविड वर्षों में भारत की औसत विकास दर करीब 7.7% रही है, जो घरेलू आर्थिक मजबूती को दर्शाती है।

टैरिफ के खतरों के बीच शक्तिकांत दास ने आत्मनिर्भरता को बताया आर्थिक कवच

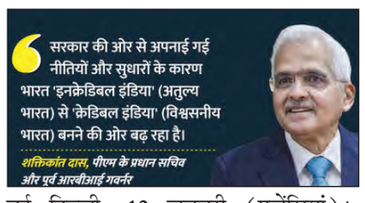

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक व्यापार में बढ़ते संरक्षणवाद और टैरिफ के मंडराते खतरों के बीच, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत अब एक ऐतिहासिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। पहले बिबेक देबरॉय मेमोरियल लेक्चर को संबोधित करते हुए, दास ने जोर देकर कहा कि सरकार की ओर से अपनाई गई नीतियों और सुधारों के कारण भारत 'इनक्रेडिबल इंडिया' (अतुल्य भारत) से 'क्रेडिबल इंडिया' (विश्वसनीय भारत) बनने की यात्रा पर अग्रसर है।

शक्तिकांत दास ने स्पष्ट किया कि पिछले दशकों में वैश्वीकरण को चलाने वाली आम सहमति अब कमजोर पड़ चुकी है और बहुपक्षीय सहयोग कठिन हो गया है। ऐसे परिदृश्य में, भारत ने 'आत्मनिर्भरता' को अपनी नीतियों के मूल सिद्धांत के रूप में अपनाया है। उन्होंने 'आत्मनिर्भरता' की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए दो बातों पर जोर दिया। रणनीतिक लचीलापनः यह दुनिया से कटने की नीति नहीं है, बल्कि मुख्य क्षमता और लचीलेपन को बनाने की रणनीति है। घरेलू क्षमताः आर्थिक आत्मनिर्भरता का अर्थ है देश के भीतर महत्वपूर्ण वस्तुओं और तकनीकों के उत्पादन की क्षमता विकसित करना और विदेशी स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मजबूत घरेलू क्षमताओं वाली आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था विकास को बनाए रखने की शक्ति देती है, जबकि एक स्वायत्त विदेश नीति बाहरी चुनौतियों से निपटने में राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करती है। दास का यह बयान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक हवाएं बदल रही हैं। विशेष रूप से, अमेरिका 'रूसी तेल पर प्रतिबंध विधेयक' पर विचार कर रहा है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों- जिनमें भारत और चीन शामिल हैं- पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान हो सकता है। दास ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पर चिंता जताते हुए ये बातें कही-बहुपक्षवाद पर दबावः पारंपरिक बहुपक्षवाद, जो कभी वैश्विक शासन का आधार था, अब भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और संरक्षणवाद के कारण हाशिए पर है।

टिम कुक के बाद कौन संभालेगा एपल की कमान?

रेस में सबसे आगे जॉन टर्नस ने 2001 में एपल ज्वाइन किया था

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे मूल्यवान टेक कंपनी एपल में भविष्य के नेतृत्व को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा सीईओ टिम कुक (65) के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में कंपनी के भीतर एक नाम सबसे मजबूती से उभरा है- जॉन टर्नस। एपल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग के हेड, टर्नस को टिम कुक की जगह लेने के लिए 'फ्रंट-रनर' (सबसे आगे) माना जा रहा है। 50 वर्षीय जॉन टर्नस ने 2001 में एप्पल जॉइन किया था और वे पिछले तीन दशकों में हार्डवेयर पर काम करने वाले पहले ऐसे सीईओ हो सकते हैं। शिक्षा और शुरुआतः पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट टर्नस ने अपने करियर की शुरुआत वर्चुअल रियलिटी स्टार्टअप से की थी। एप्पल में उन्होंने मैक की स्क्रीन पर काम करने से शुरुआत की और धीरे-धीरे पूरे हार्डवेयर विभाग के प्रमुख बन गए,। बड़ी उपलब्धियांः हाल के वर्षों में, टर्नस ने एप्पल के कई बड़े बदलावों का नेतृत्व किया है, जिसमें 2020 में इंटेल चिप्स को हटाकर एप्पल की अपनी चिप्स का उपयोग करना और 'आईफोन एयर' का विकास शामिल है। एप्पल के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, टर्नस की कार्यशैली स्टीव जॉब्स के जोखिम भरे 'विजनरी' अंदाज़ के बजाय टिम कुक के

'स्थिर और प्रबंधकीय' दृष्टिकोण से मिलती है। मुनाफे पर फोकसः टर्नस को कंपनी की बॉटम लाइन (मुनाफे) का ध्यान रखने के लिए जाना जाता है। उदाहरण के लिए, जब आईफोन में एक महंगा लेजर कैमरा कंपोनेंट जोड़ने की बात आई, तो टर्नस ने इसे केवल महंगे 'प्रो' मॉडल्स तक सीमित रखने का सुझाव दिया। उनका तर्क था कि केवल वफादार ग्राहक ही इसके लिए अधिक भुगतान करेंगे, जिससे कंपनी का मुनाफा सुरक्षित रहा। जमीन से जुड़े नेताः टर्नस को 'मैन ऑफ द पीपल' कहा जाता है। प्रमोशन मिलने के बाद भी उन्होंने अलग केबिन लेने से इनकार कर दिया और अपनी टीम के साथ ओपन ऑफिस में बैठना पसंद किया, जिससे कर्मचारियों के बीच उनकी छवि एक सहयोगी नेता की बनी। हालांकि टर्नस सबसे प्रबल दावेदार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। आलोचकों और पूर्व कर्मचारियों का कहना है कि टर्नस ने अभी तक कोई कठिन निर्णय नहीं लिया है और वे उत्पादों को नया बनाने के बजाय उन्हें बनाए रखने के लिए अधिक जाने जाते हैं,।

इस हफ्ते सोने-चांदी में बढ़त रही

सोना 2,340 बढ़कर 1.37 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 8,258 महंगी हुई

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही। सोना 2,340 रुपए बढ़कर 1,37,122 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 2 जनवरी, शुक्रवार को 1,34,782 रुपए पर था। वहीं चांदी 2,34,550 किलो से बढ़कर 2,42,808 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 8,258 रुपए बढ़ी है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना

76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

10,000 साल बाद ग्रोथ की नई कहानी लिख रहा तांबा, क्यों आ रही तेजी, कहां तक पहुंचेगा रेट?

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में पिछले साल काफी तेजी आई। लेकिन तांबे ने भी निवेशकों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया।एमसीएक्स पर 29 दिसंबर को इसकी कीमत करीब 1,400 रुपये प्रति किलो के करीब पहुंची थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी कीमत 6 जनवरी को 6.069 डॉलर प्रति पौंड पहुंची जो एक साल पहले 3.802 डॉलर थी। इस तरह एक साल में इसकी कीमत में करीब 60% तेजी आई है।

वायरिंग और केबल में इसका व्यापक यूज होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इसकी सप्लाई टाइट बनी हुई है। यह वजह है कि इसकी कीमत में तेजी आई है और इसे नया चांदी कहा जा रहा है। चांदी ने पिछले साल सोने से करीब दोगुना रिटर्न दिया। माना जा रहा है कि इस साल कॉपर यह कमाल कर सकता है। तांबे को चमत्कारी धातु कहा जाता है। माना जाता है कि लगभग दस हजार साल पहले जब इंसान ने पहली बार तांबे से औजार बनाना सीखा था तो वह इसे एक चमत्कारी धातु मानता था। इसकी खासियतों की वजह से इसे देवताओं का वरदान समझा जाता था। हजारों साल बाद यह लाल धातु एक बार फिर दुनिया की इकॉनमी के केंद्र में आ गई है। निवेशक और बड़े-बड़े उद्योग सभी इस सच्चाई को समझ रहे हैं कि दुनिया में विकास का अगला दौर एक बार फिर तांबे पर ही टिका है। यही वजह है कि तांबे की कीमत में आगे तेजी बनी रहने की उम्मीद है।

पिछले साल एमसीएक्स पर तांबे की कीमतों में 61% का उछाल आई। तांबे की कीमतों में यह जबरदस्त उछाल कुछ खास कारणों से आया है। एआई डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट और बिजली ग्रिड के विस्तार जैसी नई चीजें तांबे की मांग को बढ़ा रही हैं। इनमें तांबे का जमकर यूज होता है। चीन का प्रॉपर्टी सेक्टर भले ही कई साल से मुश्किलों में है लेकिन बिजली और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी तांबे की मांग मजबूत बनी हुई है। भारत में भी मकानों की मांग लगातार बनी हुई है। इसने तांबे की मांग के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। एक तरफ जहां तांबे का मांग बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया भर में इसकी सप्लाई पर भारी दबाव दिख रहा है। कई बड़ी खदानों में दिक्कतें आ रही हैं। दुनिया में तांबे के सबसे बड़े उत्पादक देश चिली में हड़तालें चल रही हैं। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में भी उत्पादन में रुकावटें आ रही हैं। इंडोनेशिया की ग्रासबर्ग खदान ने 'फोर्स मेज्योर' घोषित कर दिया गया है। दुनिया का करीब 3% तांबा इसी खदान से आता है। इन कारणों से तांबे की सप्लाई टाइट हो गई है। हाल में यह संकट और गहरा गया है। चिली के उत्तरी हिस्से में कैप्स्टोन कॉपर की मंटोवर्दे तांबा खदान में हड़ताल शुरू हो गई है। इससे सप्लाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। वहीं, चीन की तांबा उत्पादक कंपनी टोंगलिंग नॉनफेरस ने इक्वाडोर में अपनी खदान के दूसरे चरण के लॉन्च में देरी की सूचना दी है। इस बीच लंदन मेटल एक्सचेंज में तांबे का स्टॉक घटकर 142,550 टन रह गया है, जो 17 नवंबर के बाद सबसे कम है। एक अनुमान के मुताबिक 2026 में रिफाइंड तांबे के बाजार में 150,000 टन की कमी रहेगी। इसकी वजह यह है कि खदानों में उत्पादन में लगातार रुकावटें आ रही हैं।

बिल गेट्स ने तलाकशुदा पत्नी की चैरिटी संस्था को दान कर दिए आठ अरब डालर

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की बड़ी कंपनियों में शामिल माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने अपनी पूर्व पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स की एक चैरिटी संस्था को करीब 8 अरब डॉलर का दान दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह दान दोनों के तलाक के लगभग तीन साल बाद हुआ है। यह बड़ी रकम 2024 के अंत में पिवोटल फिलैंथ्रोपीज फाउंडेशन को दी गई जिसे मेलिंडा चलाती हैं। यह हाल के वर्षों में सबसे बड़े दान में से एक है। पिवोटल फिलैंथ्रोपीज फाउंडेशन की हालिया टैक्स फाइलिंग से इसका खुलासा हुआ है। फाउंडेशन के एक प्रवक्ता ने ब्लूमबर्ग को बताया कि यह दान बिल और मेलिंडा गेट्स के बीच 12.5 अरब डॉलर के वित्तीय समझौते का हिस्सा था, जो अब पूरी तरह से पूरा कर लिया गया है। साल 2024 में पिवोटल फिलैंथ्रोपीज ने विभिन्न परोपकारी कामों के लिए 875 मिलियन डॉलर बांटे थे। मेलिंडा ने मई 2024 में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से औपचारिक रूप से अलग होने का फैसला किया था। दोनों का तलाक 2021 में हुआ था। इसके एक साल बाद यानी 2022 के अंत में मेलिंडा ने पिवोटल फिलैंथ्रोपीज फाउंडेशन की शुरुआत की थी। गेट्स दंपति के अलगाव की वजह बिल गेट्स और माइक्रोसॉफ्ट की एक महिला कर्मचारी के साथ अफेयर का खुलासा था। साल 2019 में माइक्रोसॉफ्ट की एक महिला कर्मचारी ने गेट्स के साथ अपने रिश्ते का खुलासा किया था। उसने इस बारे में माइक्रोसॉफ्ट के बोर्ड को एक पत्र भेजा था। उसका कहना था कि गेट्स और उसका अफेयर साल 2000 में शुरू हुआ था।

घर खरीदारों के साथ ठगी, 19 साल में नहीं मिला फ्लैट

बुकिंग के तौर पर 4771 ग्राहकों से वसूले 1075 करोड़

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)। हजारों लोगों ने यह सोच कर हाउसिंग कंपनियों में निवेश कर दिया कि उन्हें समय पर घर/फ्लैट मिल जाएगा। कंपनियों ने अग्रिम बुकिंग के तौर पर 4771 ग्राहकों से 1075 करोड़ रुपये वसूल लिए। ग्राहकों से कहा गया कि उन्हें तय समय पर मकान मिल जाएगा। उन्हें मालूम नहीं था कि फ्लैट मिलने में इतनी देरी हो जाएगी। घर खरीदारों के साथ धोखा किया गया। कई ग्राहकों को 12 से 19 साल की देरी के बाद भी फ्लैट नहीं मिल सका। ईडी ने इस केस में कार्रवाई करते हुए लगभग 585.46 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। इन संपत्तियों में हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, बहादुरगढ़ तथा उत्तर प्रदेश के मेरठ और गाजियाबाद में स्थित लगभग 340 एकड़ के विभिन्न भूखंड और जमीन के बड़े टुकड़े शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने 9 जनवरी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत यह अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है। इसमें मेसर्स एडीईएल लैंडमार्क्स लिमिटेड (पूर्व में मेसर्स एरा लैंडमार्क्स लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) और इसके प्रमोटर हेम सिंह भराना और सुमित भराना से जुड़े धन शोधन मामले में लगभग 585.46 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के मुताबिक, फिलहाल ये संपत्तियां मेसर्स एडीईएल लैंडमार्क्स लिमिटेड और इसकी संबद्ध/सहायक कंपनियों के स्वामित्व में हैं। ईडी ने हरियाणा पुलिस, दिल्ली पुलिस और दिल्ली आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज की गई चौहत्तर (74) एफआईआर/आरोपपत्रों के आधार पर उक्त केस की जांच शुरू की है।

फर्जी जीएसटी नोटिस से सावधान सरकार ने बताया मैसेज मिलने पर क्या करें?

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में हर रोज सैकड़ों साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आते ही रहते हैं. इन धोखेबाजों के चक्कर में आकर लोग अपना पैसा और न जाने क्या-क्या कीमती चीजों को खो देते हैं. हालांकि इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाने के लिए सरकार और प्रशासन की तरफ से लगातार कई तरह के काम भी किए जा रहे हैं. इसी कड़ी में अब केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर-सीमा शुल्क बोर्ड ने लोगों को जीएसटी नोटिसों के खिलाफ अलर्ट जारी किया है. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने शुक्रवार को कंपनियों को भेजे जा रहे फर्जी जीएसटी नोटिसों के प्रति अलर्ट किया है. इसके साथ टैक्स भरने वालों से ऐसे धोखाधड़ी के मामलों के बारे में तुरंत सूचना देने को कहा है. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर-सीमा शुल्क बोर्ड-सीबीआइसी ने अलर्ट किया जारी है. निजी कंपनियों और व्यवसायों को भेजे जा रहे फर्जी जीएसटी नोटिसों के लिए आगाह किया है. जीएसटी करदाताओं से ऐसे धोखाधड़ी के मामलों के बारे में तत्काल सूचना देने को कहा है. फर्जी नोटिस ऑनलाइन या फिजिकल भेजे जा रहे हैं और नकली जीएसटी अधिकारी कॉल भी कर रहे हैं. सीबीआइसी ने कहा कि जालसाज आधिकारिक जीएसटी दस्तावेजों की नकल करते हुए फर्जी समन भेज रहे हैं. इन्हें असली दिखाने के लिए वे केंद्रीय जीएसटी के लोगों और फर्जी डीआइएन नंबरों का उपयोग कर रहे हैं. बोर्ड ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे विभाग की ओर से मिलने वाले हर संचार या पत्र में दर्ज 'दस्तावेज पहचान संख्या' यानी डीआईएन को सीबीएसई पोर्टल पर जाकर अवश्य सत्यापित करें. बोर्ड ने कहा कि अगर नोटिस असली होगा, तो इसकी पुष्टि हो जाएगी और यदि ऐसा नहीं होता है, तो इसकी तुरंत सूचना दें.

भारत ने भरी दुनिया के गरीब देशों की थाली

चावल निर्यात 19.4% बढ़कर रेकॉर्ड के करीब

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत से चावल के निर्यात में पिछले साल 19.4% बढ़ोतरी हुई और यह रेकॉर्ड करीब पहुंच गया। सरकार ने चावल के निर्यात पर लगी सारी पाबंदियां हटा दी थीं। इससे भारतीय चावल दूसरे देशों के लिए सस्ता और ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया। रॉयटर्स ने सरकारी और इंडस्ट्री के अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा राइस एक्सपोर्टर है। भारत से सप्लाई बढ़ने के कारण थाईलैंड और वियतनाम जैसे दूसरे देशों के निर्यात में कमी आई। भारतीय निर्यात के कारण एशिया में चावल की कीमतें लगभग दस साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गईं। इससे अफ्रीका और दूसरे गरीब देशों के उपभोक्ताओं को राहत मिली, क्योंकि उनके लिए चावल खरीदना सस्ता हो गया। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि सरकार ने मार्च में निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाईं थी जिसके बाद भारतीय चावल का निर्यात तेजी से बढ़ा। भारत में रेकॉर्ड उत्पादन होने से चावल की सप्लाई अच्छी हो गई थी। इसी वजह से भारत ने 2022 और 2023 में लगाई गई निर्यात पाबंदियों को पूरी तरह से हटा दिया। अधिकारी ने बताया कि 2024 में चावल का निर्यात बढ़कर 21.55 मिलियन मीट्रिक टन हो गया जबकि 2023 में यह 18.05 मिलियन मीट्रिक टन था। साल 2022 में भारत ने रेकॉर्ड 22.3 मिलियन टन चावल निर्यात किया था। 2025 में गैर-बासमती चावल का निर्यात 25% बढ़कर 15.15 मिलियन टन हो गया। वहीं, बासमती चावल का निर्यात 8% बढ़कर रेकॉर्ड 6.4 मिलियन टन तक पहुंच गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु	मे	धनु.....	05-00 बजे
चंद्र	तुला	मे	मकर.....	07-06 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ.....	08-56 बजे
बुध	धनु	मे	मीन.....	10-35 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष.....	12-11 बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष.....	13-55 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन..	15-57 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क...	18-08 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह....	20-21 बजे
			कन्या...	22-27 बजे
			तुला....	00-32 बजे
			वृश्चिक..	02-42 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
सूर्योदय 06-52
सूर्यास्त. 17-55
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष रविवार 11 January 2026
तिथि - अष्टमी 10-20 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - चित्रा 18-12 तक उप स्वाति
योग - सुकर्मा 17-26 तक उप. धृति
करण - कौलव . 10-20 तक उप. तैतिल

पद्म योग

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 16-35 17-58

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
उत्पात	06-52 - 08-14 अशुभ	शुभ।	17-55 - 19-35 शुभ
चंचल	08-14 - 09-37 शुभ	अमृत	19-35 - 21-11 शुभ
लाभ	09-37 - 11-01 शुभ	चंचल	21-11 - 22-48 शुभ
अमृत	11-01 - 12-24 शुभ	रोग	22-48 - 00-24 अशुभ
काल	12-24 - 13-48 अशुभ	काल	00-24 - 02-01 अशुभ
शुभ	13-48 - 15-11 शुभ	लाभ	02-01 - 03-37 शुभ
रोग	15-11 - 16-35 अशुभ	उत्पात	03-37 - 05-14 अशुभ
उत्पात	16-35 - 17-55 अशुभ	शुभ	05-14 - 06-52- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप खुद को स्वाभाविक रूप से सुर्खियों की ओर आकर्षित पाएंगे। काम पर अलग-अलग परिस्थितियों को अपनाएं क्योंकि इससे आपको अनोखे अवसर मिलेंगे। आपको सफलता और पहचान मिलना तय है। हालाँकि, अपने कामों में फिजूलखर्ची से बचें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आत्मविश्वास आपकी उत्पादकता को बढ़ाता है, और नवीन सोच नए विचारों को जन्म देती है। आज का दिन विचार-मंथन और सहयोग के लिए आदर्श है। दूसरों के साथ बातचीत आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती है, लेकिन इससे आपको मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी मिलती है। शांत रहें, प्रतिक्रिया को स्वीकार करें, और हर बातचीत को व्यक्तिगत नकरे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे आपको अपने करियर में साहसिक कदम उठाने में मदद मिलती है। जिज्ञासा और महत्वाकांक्षा आपको नए विचारों की खोज करने के लिए प्रेरित करती है। स्पष्ट, तार्किक सोच आपके लक्ष्यों का समर्थन करती है, जबकि आपके मजबूत संचार कौशल आपको प्रभाव डालने में मदद करते हैं।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप पेशेवर और शैक्षणिक परिस्थितियों में आत्मविश्वास से भरपूर हैं। अब पहल करने और उदाहरण पेश करने का समय है। आपकी विस्तार-उन्मुख मानसिकता जटिल कार्यों को संभालना आसान बनाती है। यदि आप खुले दिमाग से काम करते हैं तो विकास के अवसर सामने आते हैं। उन्हें स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ अपनाएँ, क्योंकि सफलता आपकी पहुँच में है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपका करियर और पढ़ाई लगातार आगे बढ़ने के लिए तैयार है। आत्मविश्वास और उत्साह आपको प्रेरित रहने में मदद करते हैं, जबकि सामान्य ज्ञान आपको स्थिर रखता है। संतुलित रहने के लिए किसी भी नर्वस ऊर्जा को शारीरिक गतिविधि में लगाएं। मानसिक स्पष्टता बुद्धिमानी से निर्णय लेने में सहायता करती है, और आपका ध्यान गहरा होता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी रचनात्मकता और अंतर्ज्ञान मिलकर आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। तार्किक सोच आपके प्रयासों का समर्थन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति और अच्छी पहचान मिलती है। लचीलापन आपको अप्रत्याशित बदलावों को अवसरों में बदलते हुए, तेज़ी से समायोजित करने में मदद करता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपको अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, हालांकि भावनात्मक ट्रिगर निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। अधिक ध्यान और विस्तार पर ध्यान उत्पादकता का समर्थन करता है। नए अवसर उत्पन्न हो सकते हैं, जो विविध अनुभव प्रदान करते हैं। हालाँकि, लापरवाही और असहिष्णुता से बचें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप अपने काम या पढ़ाई में रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरपूर हैं। रिश्ते सामंजस्यपूर्ण हैं, हालांकि मजबूत भावनाएं बड़े बदलावों को प्रेरित कर सकती हैं। निपुण महिलाओं से मार्गदर्शन महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। विकास के अवसरों की खोज करते समय संतुलित रहें।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपका करिश्मा आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको पेशेवर रूप से अलग दिखने में मदद करता है। एक अनुशासित मानसिकता स्थिर प्रगति का समर्थन करती है, जबकि आशावाद की भावना विकास के द्वार खोलती है। रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है, इसलिए स्पष्ट और दिल से संवाद करना महत्वपूर्ण है। सामंजस्य बनाए रखने और काम और पढ़ाई दोनों में सफलता प्राप्त करने केलिए संतुलित रहने पर ध्यान दें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप अपनी पढ़ाई और नई परियोजनाओं के बारे में उत्साहित महसूस करते हैं। स्पष्ट और दयालु संचार आपको अपने विचारों और भावनाओं को आसानी से साझा करने में मदद करता है। सहायक कनेक्शन टीमवर्क को अधिक आनंददायक और उत्पादक बनाते हैं। खुले और ईमानदार रहें, और आप अपने लक्ष्यों में लगातार प्रगति करते हुए मजबूत, स्थायी संबंध बनाएंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या तेजस्वी की पत्नी राजश्री बनेंगी आरजेडी की दूसरी 'राबड़ी'

लैंड फॉर जॉब केस में जेल जा सकता है परिवार 'भाभी जी' संभालेंगी पार्टी की कमान !

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब मामले में राजद प्रमुख लालू यादव के परिवार की मुसीबत बढ़ गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को लालू, राबड़ी, तेजस्वी, मीसा भारती और हेमा यादव समेत 41 लोगों पर आरोप तय किए। इससे पूरे लालू परिवार पर जेल जाने का खतरा मंडराने लगा है।

सीबीआई की चार्जशीट के आधार पर लालू परिवार के साथ कुल 41 लोगों पर आरोप तय हुए हैं। इनपर अब मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने 52 लोगों को बरी किया है। इस मामले में अगर लालू परिवार को सजा होती है तो तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री आरजेडी की दूसरी 'राबड़ी' बन सकती हैं। मतलब पार्टी की कमान 'भाभी जी' के हाथों में होगी।

तेजस्वी यादव नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में आरोपी हैं। कोर्ट ने उनपर आरोप तय किया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जेल जाने की नौबत आने पर तेजस्वी यादव क्या करेंगे? तेजस्वी अभी राजद का नेतृत्व कर रहे हैं। इसके साथ ही बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं।

तेजस्वी यादव क्या फैसला ले सकते हैं? इसपर बात करने से पहले बीते वक्त में झांकना होगा। 30 जुलाई 1997 को लालू यादव चारा घोटाला में जेल गए थे। उस वक्त वह बिहार के मुख्यमंत्री थे। जेल जाने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी के किसी नेता को सीएम नहीं बनाया। उन्हें यह जोखिम भरा लगा। इससे पार्टी और सरकार में ताकत शिफ्ट होने का डर था। लालू ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया।

राजद का गठन 5 जुलाई 1997 को हुआ था। इसके बाद से इस पार्टी का नेतृत्व लालू यादव और इनके परिवार के लोगों ने किया है। तेजप्रताप यादव को पिछले साल पार्टी और परिवार से बाहर कर दिया गया।

अब तेजस्वी के सामने जेल जाने की नौबत आई तो जानकारों का मानना है कि वह पिता के नक्शे-कदम पर चल सकते हैं। अपनी पत्नी राजश्री को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। ऐसे में इस बात की चर्चा तेज है कि क्या तेजस्वी की पत्नी राजश्री आरजेडी की दूसरी 'राबड़ी' बनेंगी? 29 साल के राजद के इतिहास में पार्टी की कमान कभी लालू परिवार से बाहर नहीं गई।

राजश्री राजद नेता तेजस्वी यादव की पत्नी हैं। विवाह से पहले उनका नाम रचेल गोडिन्हो था। जन्म हरियाणा के रेवाड़ी के एक ईसाई परिवार में हुआ था। दिल्ली में पली-बढ़ी हैं। एयर होस्टेस की पढ़ाई की है। लालू परिवार में आने के बाद रचेल राजश्री बन गईं।

क्या है लैंड फॉर जॉब घोटाला?

लालू यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री थे। आरोप है कि इस दौरान रिश्वत में जमीन लेकर बहुत से लोगों को रेलवे की नौकरी दिलाई। सीबीआई के अनुसार लालू ने रेलवे के कई जोन में ग्रुप डी पदों पर 12 लोगों की भर्ती कराई। इसके बदले अपने परिवार वालों के नाम पर जमीन के 7 प्लॉट ट्रांसफर कराए।

लैंड फॉर जॉब स्कैम में सीबीआई की चार्जशीट में लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, मीसा भारती, हेमा यादव समेत कई लोगों के नाम हैं। आरोप है कि नौकरी के लिए कई लोगों ने लालू परिवार को बहुत ही कम कीमत पर जमीनें गिफ्ट डीड के माध्यम से दीं।

लालू परिवार पर क्या आरोप हैं?

राबड़ी देवी: 6 फरवरी 2008 को पटना के किशुन देव राय ने 3,375 वर्ग फीट जमीन 3.75 लाख रुपए में राबड़ी देवी को बेची।

2008 में ही किशुन के परिवार के 3 लोगों (राज कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार और अजय कुमार) को मध्य रेलवे मुंबई में ग्रुप डी के पद पर नौकरी मिली।

फरवरी 2008 में पटना के महुआबाग के संजय राय ने 3.75 लाख रुपए में 3,375 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी को बेची। संजय राय के अलावा उसके परिवार के 2 अन्य लोगों को रेलवे में नौकरी मिली।

फरवरी 2007 में पटना के हजारी राय ने 9,527 स्क्वायर फीट जमीन दिल्ली की कंपनी एके इंफोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड को 10.83 लाख रुपए में बेची। हजारी के 2 भतीजों (दिलचंद कुमार और प्रेम चंद कुमार) को वेस्ट-सेंट्रल रेलवे जबलपुर और साउथ-ईस्टर्न रेलवे कोलकाता में नौकरी मिली। 2014 में एके इंफोसिस्टम के ज्यादातर शेयर राबड़ी देवी ने खरीद लिए और कंपनी की डायरेक्टर बन गईं।

पटना के लाल बाबू राय ने मई 2015 में 13 लाख रुपए में 1,360 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी के नाम की। लाल बाबू राय के बेटे लाल चंद कुमार को 2006 में नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे जयपुर में नौकरी मिली।

मीसा भारती: पटना की किरण देवी ने नवंबर 2007 में 3.70 लाख रुपए में 80,905 वर्ग फीट जमीन लालू यादव की बेटी मीसा भारती को बेची। 2008 में सेंट्रल रेलवे मुंबई में किरण देवी के बेटे अभिषेक कुमार को नौकरी मिली।

झारखंड-ओडिशा सीमा पर हाथी का आतंक, 22 मौतें

चाईबासा की ओर लौटा खूनी हाथी, ट्रेंकुलाइज कर, पकड़ने की तैयारी

चाईबासा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड-ओडिशा सीमा पर स्थित बनीसागर क्षेत्र में एक जंगली हाथी का उपद्रव जारी है। शुक्रवार को हाथी ने तीन लोगों को कुचल दिया, जिसके बाद वह एक बार फिर झारखंड की सीमा में प्रवेश कर गया। वन विभाग की तमाम कोशिशों के बावजूद हाथी को अब तक नियंत्रित नहीं किया जा सका है।

चाईबासा वन विभाग ने गुरुवार देर शाम हाथी को ओडिशा के जंगलों की ओर खदेड़ा था। हालांकि, ओडिशा के वन कर्मियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हाथी को वापस झारखंड की सीमा में धकेल दिया।

देर रात हाथी ने पुनः चाईबासा सीमा में प्रवेश किया, जिसके बाद वन विभाग की टीमें उसकी तलाश में जुट गई हैं। हाथी को ट्रेंकुलाइज करने की तैयारी है।

मझगांव प्रखंड के बेनीसागर के जंगल में शुक्रवार को हाथी को देखने गए बोदरा (11 साल) और जेसीबी चालक प्रकाश कुमार पान को हाथी ने पटक-पटक कर मार डाला। हाथी दोनों लाशों को लेकर जंगल में 10 घंटे तक गोल-गोल घूमता रहा। हाथी ने प्रकाश का सिर धड़ से अलग कर दिया।

इस बीच दोपहर 1:30 बजे बंगाल के बांकुड़ा से पहुंची। हाथियों को भागने वाली टीम के एक सदस्य सुखराम बेसरा (57) को हाथी ने उठाकर फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल सुखराम की इलाज के दौरान ओडिशा के करंजी अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद बंगाल टीम ने हाथी भागने से इनकार कर दिया।

इसके साथ ही मृतकों की संख्या 22 हो गई है। वन विभाग को उम्मीद है कि हाथी को ट्रेंकुलाइज कर काबू में कर लिया जाएगा। वाइल्डलाइफ ओडिशा के ट्रेंकुलाइज स्पेशलिस्ट डॉ. बानराज ने कहा कि हाथी को टेंक्रुलाइज होने के बाद 20 से 25 मिनट तक बेहोश होने में लगता है। अगर ढंग से बेहोश नहीं किया जा सका तो भारी नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए सावधानी बरती जा रही है।

हाथी को नियंत्रित करने के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा और गुजरात से 'वनतारा रेस्क्यू टीम' को बुलाया गया है। टीम आधुनिक संसाधनों के साथ अभियान चला रही है। यह हाथी 1 जनवरी से अब तक कुल 22 लोगों की जान ले चुका है।

वन अधिकारियों के अनुसार, झुंड से बिछड़ने के कारण यह हाथी अत्यधिक हिंसक हो गया है। इसकी तेज गति भी एक बड़ी चुनौती है; यह प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तय कर रहा है, जिससे इसकी सटीक लोकेशन का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। चाईबासा के डीएफओ आदित्य नारायण ने बताया कि हाथी के दोबारा झारखंड में प्रवेश की पुष्टि हो गई है। उन्होंने कहा, हमारी टीम पूरी तरह अलर्ट पर है और उसे बेहोश करने का प्रयास फिर से शुरू किया जाएगा।

पुलिस को एंटी क्राइम चेकिंग में मिली बड़ी सफलता

चोरी की बाइक नंबर प्लेट बदलकर चला रहे थे, पांच गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

गिरिडीह, 10 जनवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह के नगर थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है। यह जानकारी डीएसपी नीरज कुमार सिंह ने दी।

डीएसपी नीरज सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान नेताजी चौक के पास सहायक अवर निरीक्षक प्रमोद प्रसाद ने काले रंग की ग्लैमर मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही दोनों युवक बाइक मोड़कर भागने लगे, लेकिन सशस्त्र बल की मदद से पीछा कर उन्हें पकड़ लिया गया।

पूछताछ में उनकी पहचान पचम्बा थाना क्षेत्र के सुगासार निवासी रविंद्र साव और विजय साव (दोनों पिता गंदौरी साव) के रूप में हुई। उनसे बाइक के कागजात मांगे गए, लेकिन वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

दोनों युवकों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह मोटरसाइकिल सत्यनारायण पांडेय और सुनील कुमार दास से 15 हजार रुपए में खरीदी थी। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अलकापुरी से सत्यनारायण पांडेय और सुनील कुमार दास को भी गिरफ्तार कर लिया।

दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यह चोरी की मोटरसाइकिल मो. ताज हसन और मो. सदाब उर्फ मिठू से खरीदी थी। इन दोनों ने ही उन्हें बाइक का नंबर बदलकर चलाने की सलाह दी थी। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 07/26, दिनांक 09.01.26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक उपेंद्र कुमार दास ने पांचवें अभियुक्त मो. ताज हसन को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, मो. सदाब उर्फ मिठू की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

खेसारी बोले, मैं कलाकार हूं, राजनीति मेरे लिए सही नहीं

चुनाव में हार पर कहा- बिहार की जनता को बदलाव नहीं चाहिए, जिम्मेदार नेता या राजद नहीं

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में हार पर भोजपुरी सिंगर खेसारी लाल यादव ने कहा कि मैं कलाकार हूं, राजनीति मेरे लिए सही नहीं है। सच बोलने वाले लोग राजनीति में कभी आगे नहीं बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार का कारण सभी को पता है।

यह सब चुनावी चीजें हैं। मुझे लगता है कि मैं एक कलाकार ही सही हूं। यहां जो सच बोलेगा वो कभी भी राजनीति में आगे नहीं जा पाएगा। अगर किसी को झूठे वादें करना आता है तो वो पॉलिटिक्स में आए। लोगों को बेवकूफ बनाना है तो राजनीति में आओ। मैं जिम्मेदार और ईमानदार था, इसलिए यहां तक पहुंचा।

खेसारी ने कहा कि बिहार चुनाव में हार का कारण है कि बिहार की जनता को कोई बेहतर बदलाव नहीं चाहिए। उसके लिए जिम्मेदार कोई नेता या राजद नहीं है, बल्कि बिहार की पब्लिक है। अगर बिहार की जनता को बेहतर बिहार दिख रहा है तो फिर ठीक है। अगर बिहार के लोगों को अपने बच्चों के लिए बेहतर विकल्प चाहिए तो उन्हें बेहतर चुनना होगा। अगर उनको मौजूदा सरकार ठीक लगता है तो फिर इसके लिए कोई दोषी नहीं है।

लालू यादव के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए

लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार को आरोपी बनाए जाने पर अभिनेता और राजद नेता खेसारी लाल यादव ने कहा, जिस उम्र से वे गुजर रहे हैं उनके साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। खेसारी ने कहा कि लालू यादव ने बिहार को क्या दिया है ये जाकर गांव में पूछिए। लालू यादव ने बिहार को दिया क्या है। हमें बोलने, खटिया पर बैठने, अपनी आवाज बुलंद करके बोलने की आवाज उन्होंने दी है। छोटे वर्गों के लोगों को उन्होंने आवाज दी है। वैसा नेता हमारे बीच नहीं होता तो हम आज भी किसी ना किसी दबाव में जी रहे होते। वहीं, नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने के केसी त्यागी की मांग का उन्होंने समर्थन किया। बोले- नीतीश कुमार हमारे गार्जियन हैं, उनका सम्मान होना चाहिए। अगर उनको भारत रत्न मिलता है तो यह हमारे लिए गर्व की बात होगी।

खेसारी ने कहा कि उन्हें बीजेपी से कई ऑफर आए हैं। पवन सिंह के जन्मदिन वाले वीडियो पर उन्होंने कहा कि ये उनकी निजी जिंदगी है। वह उनका जीने का तरीका है।

वहीं, नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने के केसी त्यागी की मांग का उन्होंने समर्थन किया। बोले- नीतीश कुमार हमारे गार्जियन हैं, उनका सम्मान होना चाहिए। अगर उनको भारत रत्न मिलता है तो यह हमारे लिए गर्व की बात होगी।

विवाहिता की मौत

सास-ननद समेत 4 गिरफ्तार पिता बोले- कैश-बाइक न मिलने पर ससुराल वालों ने की हत्या

रोहतास, 10 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतास जिले के करगहर थाना क्षेत्र के लडुई गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 35 वर्षीय पूजा कुमारी के रूप में हुई है, जो लडुई गांव निवासी छोटेलाल खरवार की पत्नी थीं। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पति समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

विवाहिता के पिता हिर्दया खरवार ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। कोचस थाना क्षेत्र के बलथरी गांव निवासी हिर्दया खरवार ने बताया कि उन्होंने लगभग दो वर्ष पूर्व अपनी बेटी पूजा कुमारी की शादी लडुई गांव निवासी बिगन खरवार के बेटे छोटेलाल खरवार से की थी। शादी के बाद से ही पूजा को मोटरसाइकिल और ढाई लाख रुपए के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। पिता का आरोप है कि शुक्रवार रात ससुराल वालों ने उनकी बेटी की हत्या कर दी।

बजट में जनता दे सकती है सुझाव

सिर्फ योजनाओं से नहीं, जन-भागीदारी से रखी जाती है मजबूत राज्य की नींव : हेमंत

रांची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर विशेषज्ञ और आम जनता के सुझाव प्राप्त करने के लिए अबुआ दिशोम बजट पोर्टल तथा मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मजबूत राज्य की नींव सिर्फ योजनाओं से नहीं, बल्कि जन-भागीदारी से रखी जाती है।

इसी विश्वास के साथ राज्य सरकार आम जनता की सहभागिता से राज्य में समावेशी बजट लागू करने की दिशा में प्रयास कर रही है। उक्त पोर्टल, ऐप के माध्यम से विशेष व आम जनता 17 जनवरी तक झारखंड राज्य के बजट के गठन को लेकर अपना सुझाव दे सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट के लिए पोर्टल के माध्यम से आम जनता से सुझाव प्राप्त करने की कार्रवाई 15 नवंबर 2026 से प्रारंभ की जाए, ताकि सु दूर क्षेत्रों से भी जन-भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

तीन सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वालों को किया जाएगा सम्मानित

इसमें तीन सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। आम जनता से प्राप्त विशेष कर राजस्व संवर्द्धन से संबंधित सुझाव राज्य को आर्थिक दृष्टि से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण होंगे। इस अवसर पर वित्त मंत्री, मुख्य सचिव, सचिव (व्यय), सचिव (संसाधन), विशेष सचिव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा की नई टीम में सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला

रांची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा की ओर से राज्य में संगठन पर्व का शुभारंभ हुआ था। प्राथमिक ,सक्रिय सदस्यता की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद मंडल और जिलों की निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हुई है। प्रदेश चुनाव अधिकारी सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने बताया कि आज इसी क्रम में पार्टी ने 23 सांगठनिक जिलों में जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की है।

डॉ प्रदीप वर्मा ने बताया कि दुमका में रूपेश मंडल, पाकुड़ में सरिता मुर्मू, जामताड़ा में सुमित शरण और देवघर में सचिन रवानी को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। गोड्डा में लक्ष्मी चक्रवर्ती, साहेबगंज मेंगौतम यादव, धनबाद (ग्रामीण) का मोहन कुंभकार औरधनबाद में श्रवण राय को जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गिरिडीह में रंजीत कुमार राय, गिरिडीह (ग्रामीण) में महेंद्र वर्मा, हजारीबाग में विवेकानंद सिंह और चतरा में रामदेव भोक्ता को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं रामगढ़ में संजीव कुमार, रांची (महानगर) में वरुण साहू, रांची (पूर्वी) में विनय महतो धीरज, रांची (पश्चिम) में नरेंद्र सिंह ओर गुमला में सागर उरांव को जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

7 करोड़ रुपये का धान खा गए चूहे और दीमक

कलेक्टर के एक्शन के बाद सामने आई सच्चाई, अधिकारी पर एक्शन

कवर्धा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में 7 करोड़ के धान खराब होने के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संग्रहण केंद्र प्रभारी को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही डीएमओ अभिषेक मिश्रा को गलत बयानबाजी के आरोप में नोटिस जारी किया है। धान खराब होने के मामले में अधिकारियों ने कहा था कि धान चूहे खा गए और दीमक चल गई।

करोड़ों के धान खराब होने का मामला 2024-25 का है। धान शॉर्टेज की समस्या सामने आने के बाद मामले की जांच शुरू की गई थी। जिसके बाद जिला प्रशासन ने धान संग्रहण केंद्र प्रभारी प्रीतेश पांडेय को हटा दिया था। अब प्रशासन ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। वहीं, इस पूरे मामले में जिला विपणन अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने अजीब बयान दिया था। धान शॉर्टज के मामले में उन्होंने कहा था कि धान खराब हुआ है वह चूहे, दीमक, कीड़े और मौसम की खराबी के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा था कि इसी कारण से धान की तौल में कमी आई थी। अब इस मामले में जिला प्रशासन ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है।

जिला प्रशासन ने इस पूरे मामले की जांच के लिए एक जांच समिति भी गठित की है। वहीं, कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि बाजार चारभाठा संग्रहण केंद्र में धान की कमी का मुख्य कारण सूखत है। चूहों कीड़ों द्वारा खाए जाने वाली बात नहीं है, यह सूखत के कारण है। सूखत के कारण धान की तौल मे कमी आई है।

दरअसल, कवर्धा जिले के बाजार चारभांठा और पंडरिया ब्लॉक के बघर्रा धान खरीदी केंद्र में गड़बड़ी सामने आई थी। दोनों केंद्रों से करीब 26 हजार क्विंटल धान की कमी पाई मली।

रांची के मैक्लुस्कीगंज का पारा -2सी

13 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट, 13 जनवरी से फिर बढ़ेगी ठंड

रांची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। रांची समेत पूरे झारखंड में कड़ाके की ठंड और शीतलहर ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। राजधानी रांची के मैक्लुस्कीगंज में सुबह न्यूनतम तापमान माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे यह इलाका राज्य का सबसे ठंडा स्थान बन गया।

वहीं, खूंटी जिले में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड के कारण सुबह और देर रात सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग अलाव और गर्म कपड़ों के सहारे ठंड से बचने की कोशिश करते नजर आए।

राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में अचानक तेज गिरावट दर्ज की गई है। बोकारो में सबसे ज्यादा 6.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रिकॉर्ड की गई, जबकि डालटनगंज में 5.6 डिग्री और चाईबासा में 5.5 डिग्री की गिरावट रही। शनिवार को देवघर में विजिबिलिटी काफी कम रही। यही वजह है कि सुबह के समय वाहनों की रफ्तार धीमी रही। फिलहाल राज्य के चार जिलों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में जारी बर्फबारी का असर झारखंड तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन 13 जनवरी से एक बार फिर पारा गिरने की संभावना है।

शीतलहर को देखते हुए गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा और गुमला में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं रांची, रामगढ़, बोकारो, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम में यलो अलर्ट घोषित किया गया है। लोगों को सतर्क रहने और ठंड से बचाव की सलाह दी गई है। अगले तीन दिनों के तापमान पूर्वानुमान से साफ है कि झारखंड के अधिकांश जिलों में ठंड का असर बना रहेगा।

नाइजर में अगवा झारखंड के पांच मजदूर भारत लौटे

आठ महीने से कैद में थे

रांची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के नाइजर से झारखंड के अपहृत पांच श्रमिकों की सुरक्षित रिहाई हो गई है। वो पिछले आठ महीने से कैद थे। सभी अपहृत पांच श्रमिक कल्पतरु ट्रांसमिशन लाइन कंपनी में कार्यरत थे। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष सभी श्रमिकों से दूरभाष पर बातचीत कर उनकी वर्तमान स्थिति से अवगत हुआ है। मेडिकल जांच और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत हवाई मार्ग से श्रमिकों को झारखंड भेजे जाने की प्रक्रिया की जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सूचना मिली थी कि नाइजर में कार्यरत श्रमिकों का अपहरण कर लिया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को वस्तुस्थिति का पता कर श्रमिकों के सुरक्षित झारखण्ड वापसी कराने का निर्देश दिया। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं कंट्री हेड, कल्पतरु ट्रांसमिशन लाइन कंपनी से संपर्क कर अद्यतन जानकारी प्राप्त की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी श्रमिक कंपनी साइट से लगभग 25-30 किलोमीटर दूर तेलाबारी क्षेत्र में कार्यरत थे।

यह घटना पूर्णतः एक मिलिट्री ऑपरेशन से संबंधित था, जिसमें कुल 26 स्थानीय नागरिकों और 12 अन्य देशों के श्रमिकों को बंधक बनाया गया था। इस प्रकरण में कंपनी प्रबंधन, स्थानीय कार्यालय, भारतीय राजदूत एवं भारतीय दूतावास सक्रिय रूप से समन्वय कर रहे थे। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा मामले का सत्यापन करते हुए प्रोटेक्ट ऑफ एमिग्रेंट्स, रांची, भारतीय दूतावास (नियामी, नाइजर) तथा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार से तत्काल आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया। सभी श्रमिकों के सुरक्षित रिहाई और स्वदेश वापसी के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई का अनुरोध किया गया था। सभी श्रमिक कल्पतरु ट्रांसमिशन लाइन कंपनी के अंतर्गत केपीटीसी प्रोजेक्ट, नाइजर, दक्षिण अफ्रीकी में कार्यरत थे।

सांसद चंद्रशेखर को पुलिस ने रोका तो धक्का-मुक्की

मेरठ जाने के लिए फोर्स को ढकेलते हुए डिवाइडर कूदे, कार छोड़कर बाइक पर बैठे

मेरठ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में दलित महिला की हत्या कर उसकी बेटी को अगवा करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। परिवार से मिलने जा रहे भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद को पुलिस ने गाजियाबाद के डासना बॉर्डर पर रोक लिया। डिवाइडर फांदकर हाईवे की ओर बढ़े तो भारी संख्या में पुलिस फोर्स ने उन्हें रोका।

इस दौरान चंद्रशेखर की पुलिस से बहस हुई। उनके बीच कई मिनट तक धक्का-मुक्की होती रही। गुस्सा में चंद्रशेखर ने कहा- हाथ मत लगाना, हाथ हटाइए। इसके बाद नगीना सांसद पुलिस फोर्स को ढकेलते हुए निकले और हाईवे पर दौड़े लगे। फिर हाईवे पर दूसरे साइड जाकर बाइक पर ट्रिपलिंग की और 25 किलोमीटर दूर भोजपुर पहुंचे। यहां भी पुलिस ने रोका।

इससे पहले परिवार से मिलने जा रहे सांसद रामजीलाल सुमन और सपा विधायक अतुल प्रधान को पुलिस ने प्रतापपुर टोल पर रोक दिया। इसके बाद सपा कार्यकर्ता भड़क गए। उनकी पुलिस से झड़प हो गई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

इसमें दिख रहा है कि एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र कुमार मिश्रा और परतापुर थाना प्रभारी अजय शुक्ला से अतुल प्रधान के बीच धक्का-मुक्की हो रही है। अतुल प्रधान अफसरों पर भड़कते नजर आ रहे हैं। अफसर उन्हें रोकने में लगे हैं। काफी देर तक हंगामा चला। इसके बाद सपाइयों को लौटना पड़ा। पुलिस ने मेरठ की सभी सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है। चेकिंग के बाद ही आगे जाने दे रही है। इसके चलते दौराला टोल प्लाजा पर 3 किमी लंबा जाम लग गया है।

इधर, भाजपा नेता संगीत सोम और हरेंद्र मलिक ने कपसाड़ गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की है। फिलहाल, आरोपी और लड़की का अब तक पता नहीं चल पाया है। गांव में हालात को देखते हुए 10 थानों की पुलिस के साथ आरएएफ और पीएसी भी तैनात हैं। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के लगातार समझाने के बाद परिजनों ने कल 30 घंटे बाद लड़की की मां का अंतिम संस्कार किया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार से फोन पर बात कर तीन लाख रुपए की मदद का ऐलान किया, जबकि अतुल प्रधान ने मौके पर दो लाख रुपए का चेक सौंपा। परिजन आरोपी कंपाउंडर की गिरफ्तारी और लड़की की सकुशल बरामदगी की मांग कर रहे हैं। लड़की के पिता ने कहा- बेटी की शादी तय हो चुकी थी। दरिंदों ने सब बर्बाद कर दिया। वहीं, भाई ने बहन की जान को खतरा बताया है।

विवेक रामास्वामी के परिवार का बॉडीगार्ड ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

वाशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी के परिवार का बॉडीगार्ड ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बेलेफॉन्टेन के 43 वर्षीय जस्टिन साल्सबरी और उनकी पत्नी रूथएन रैंकिन पर पिछले महीने के आखिर में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने और उन्हें रखने का आरोप लगाया गया था। रामास्वामी ओहायो राज्य के गवर्नर पद का चुनाव लड़ रहे हैं। रामास्वामी की प्रचार टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि साल्सबरी को रामास्वामी परिवार द्वारा सुरक्षा सेवाओं के लिए हायर की गई एक प्राइवेट सिक्योरिटी फर्म ने नौकरी पर रखा था।

फिलहाल मामले की जानकारी मिलते ही उसे परिवार की सुरक्षा टीम से तुरंत हटा दिया गया है।

भारत और चीन की नौसेनाएं आमने-सामने क्यों आईं

दक्षिण-पूर्व एशिया पर कब्जे की यह कैसी जंग?

बीजिंग, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और चीन में दक्षिण पूर्व एशिया पर कब्जे की नई जंग शुरू हो गई है। इसके तहत दोनों ही देश अपनी-अपनी नौसेनाओं को इस इलाके में तैनात कर रहे हैं। चीन और भारत का यह शक्ति प्रदर्शन क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने की कवायद का हिस्सा है। इस बीच भारतीय रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि फर्स्ट ट्रेनिंग स्क्वाड्रन के चार जहाजों को अधिकारियों के ट्रेनिंग कोर्स के हिस्से के रूप में एक लंबे मिशन पर भेजा जाएगा, जिसके दौरान वे सिंगापुर, इंडोनेशिया और थाईलैंड का दौरा करेंगे।

दक्षिण पूर्व एशिया में चीनी युद्धपोत भी तैनात

चीन ने भी विदेशों में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने के प्रयासों के तहत 15 नवंबर से 22 दिसंबर तक गहरे समुद्र में व्यापक ट्रेनिंग के लिए अपने तीन युद्धपोतों को तैनात किया था। इस दौरान चीनी युद्धपोतों ने वियतनाम, मलेशिया और इंडोनेशिया का दौरा किया था। चीनी युद्धपोतों ने इन देशों की नौसेनाओं के साथ एक्सपीरियंस भी शेयर किया था और जमीन पर ट्रेनिंग भी की थी। हालांकि, यह युद्धाभ्यास नहीं था।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया रणनीतिक रूप से पूर्व में चीन और पश्चिम में भारत के बीच स्थित है। इस क्षेत्र में चीन और भारत सैन्य तैनाती, हथियारों की बिक्री और नौसेना की उपस्थिति के जरिए क्षेत्रीय देशों के साथ रक्षा संबंधों को गहरा कर अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। पेंटागन की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन फर्स्ट आइलैंड चेन जो चीन और अधिकांश दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की सीमा से लगता है - को अपना रणनीतिक केंद्र मानता है।

हिंद महासागर में चीन की बढ़ती पहुंच का मुकाबला करने के लिए भारत भी एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप दक्षिण पूर्व एशिया में अपना भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ा रहा है। यह क्षेत्र पारंपरिक रूप से भारत के प्रभाव वाला माना जाता रहा है, लेकिन पिछले एक दशक में कई देशों ने चीन के साथ संबंधों को मजबूत किया है। ऐसे में भारत दोबारा अपनी खोई हुई जमीन को पाने और शक्ति को संतुलित करने के लिए इस क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है।

भारतीय नौसेना का फर्स्ट ट्रेनिंग स्क्वाड्रन में आईएनएस तीर, शार्दुल, सुजाता और आईसीजीएस सारथी जहाज शामिल हैं। इस स्क्वाड्रन को अधिकारी प्रशिक्षुओं को व्यापक परिचालन और क्रॉस-कल्चरल अनुभव प्रदान करने के लिए तैनात किया जाएगा, जिसमें छह मित्र विदेशी देशों के प्रशिक्षु भी शामिल हैं।

ईरान में महिलाओं के विरोध का नया तरीका

खामेनेई की जलती तस्वीर से सुलगा रहीं सिगरेट, वीडियो

तेहरान, 10 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान हाल के वर्षों में सबसे भीषण विरोध प्रदर्शनों का सामना कर रहा है। दिसम्बर के आखिर में शुरू हुए प्रदर्शन ईरान के इस्लामिक नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गए हैं। देश भर में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कब्जा जमा रखा है और खामेनेई मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। इस जन विद्रोह के बीच एक नया ट्रेंड उभरकर सामने आया है। ईरानी महिलाओं के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरों से सिगरेट जलाने वाले विजुअल लगातार सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। यह ट्रेंड इस्लामिक देश में विरोध का प्रतीक बन गया है, जो महिलाओं पर सख्त पाबंदी के लिए जाना जाता है।

खामेनेई की तस्वीर से सुलगा रहीं सिगरेट

ईरानी महिलाएं अंजाम की परवाह किए बिना अली खामेनेई की तस्वीर जला रही हैं और फिर उससे सिगरेट सुलगाते हुए वीडियो बना रही हैं। यह डेवलपमेंट ऐसे समय में हुआ है, जब 86 साल के खामेनेई के खिलाफ लोग बिना अंजाम की परवाह किए सड़कों पर उतर रहे हैं। ये प्रदर्शन मंहगाई और अर्थव्यवस्था की बिगड़ती हालत को लेकर शुरू हुए थे। जल्द ही ये खामनेई शासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़े आंदोलन में बदल गए।

सड़कों पर खामेनेई मुर्दाबाद के नारों के बीच सुप्रीम लीडर की जलती हुई तस्वीर से सिगरेट जलाती महिलाएं विरोध का नया प्रतीक बन गई हैं। इन महिलाओं की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है। ईरानी कानून के अनुसार, सुप्रीम लीडर की तस्वीरों को जलाना या खराब करना एक गंभीर अपराध है। इसके साथ ही ईरान के सामाजिक और धार्मिक नियमों के तहत सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के धूम्रपान करने को लंबे समय से प्रतिबंधित किया गया है।

अनियंत्रित चेचिस ने बाइक सवार दंपती को कुचला

जमशेदपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के मानगो गोलचक्कर के पास शनिवार को एक सड़क हादसा हुआ। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में एक अनियंत्रित चेचिस वाहन ने बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। इस दुर्घटना में बाइक चला रहे पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार चेचिस वाहन ने दंपती को टक्कर मारने के बाद करीब 100 मीटर तक घसीटा। चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि घटना के समय पुलिस मौके पर मौजूद थी, फिर भी यह दुर्घटना हुई, जो पुलिस प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश देखा गया और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए गए।

ग्रीनलैंड पर सैन्य हमला करेगा अमेरिका?

इटली पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कर दिया बड़ा दावा

रोम, 10 जनवरी (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड पर सैन्य हमला नहीं किया जएगा। मेलोनी ने कहा कि सैन्य कार्रवाई किसी के लिए भी अच्छे नतीजे लाने वाली नहीं होगी। ऐसे में मुझे लगता है कि इस मुद्दे का कोई ना कोई हल निकलेगा।

मेलोनी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ओर से ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कही जा रही है। ट्रंप प्रशासन ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल के लिए सैन्य हमले से भी इनकार नहीं किया है। इससे ग्रीनलैंड ही नहीं पूरे यूरोप में चिंता है।

इटली पीएम मेलोनी ने शुक्रवार को नए साल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अमेरिका और ग्रीनलैंड के मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे यह विश्वास नहीं होता है कि अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए मिलिट्री का इस्तेमाल किया जाएगा। ग्रीनलैंड में मिलिट्री कार्रवाई किसी के फायदे में नहीं होगी और इसका नाटो पर भी बुरा असर होगा।'

इटली सैन्य कार्रवाई के पक्ष में नहीं: मेलोनी

मेलोनी ने कहा कि अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए आर्कटिक क्षेत्र में नाटो की भूमिका मजबूत की जानी चाहिए। मेलोनी ने यह भी साफ किया कि इटली सैन्य कार्रवाई किसी भी कदम का समर्थन नहीं करेगा। उन्होंने इस पूरे मामले का बिना किसी सैन्य टकराव के हल निकालने पर जोर दिया।

वाइट हाउस की ओर से इस मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी प्रशासन कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। इन विकल्पों में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और खनिज समृद्ध द्वीप ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने के लिए सैन्य कार्रवाई भी शामिल है। इसने डेनमार्क के अर्ध स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड में हलचल मचा दी है।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की नजर

ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक और आर्कटिक सागर के बीच स्थित दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। यह भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका का हिस्सा है लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से डेनमार्क का हिस्सा है। द्वीप की सुरक्षा और विदेश नीति डेनमार्क के पास है। ग्रीनलैंड की आबादी करीब 57,000 की है।

अमेरिका वर्षों से ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की इच्छा जताता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस पर बेहद आक्रामक रुख दिखाया है। ट्रंप का कहना है कि वह ग्रीनलैंड पर कब्जा चाहता है, भले इसके लिए कोई तरीका अपनाना पड़े। ट्रंप चीन और रूस से खतरा बताते हुए अमेरिकी सुरक्षा के लिए इस द्वीप पर नियंत्रण जरूरी बताते हैं।

पाकिस्तान पहुंची बांग्लादेश की आग?

सिंध में हिंदू किसान की गोली मारकर हत्या, लोगों का फूटा गुस्सा

इस्लामाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान से एक दफा फिर से अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मामला सामने आया है। सिंध प्रांत में 25 वर्षीय हिंदू किसान कैलाश कोल्ही की गोली मारकर हत्या की गई है। स्थानीय जमींदार सरफराज निजामी पर कैलाश की हत्या का आरोप है। घटना के बाद बदीन जिले में हजारों की संख्या में हिंदू और स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और अहम रास्तों को जाम कर दिया। शुक्रवार को पुलिस अफसरों के साथ कई राउंड की वार्ता के बाद धरना खत्म किया गया है। हालांकि हिंदुओं में गुस्सा और रोष बरकरार है। सिंध प्रांत में पाकिस्तानी हिंदुओं की सबसे बड़ी आबादी रहती है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, कोहली की हत्या के बाद बदीन जिले में थार कोयला सड़क को जाम करके दो दिन से चल रहा धरना शुक्रवार को खत्म हुआ है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि वे उस प्रभावशाली जमींदार को गिरफ्तार करेंगे, जिस पर किसान कैलाश कोल्ही की हत्या का आरोप है। एक हफ्ते में गिरफ्तारी के भरोसे पर धरना खत्म कर दिया गया। पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश में हालिया दिनों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मामले सामने आए हैं। हिंदू समुदाय के हजारों लोग, एक दर्जन से ज्यादा राजनीतिक पार्टी और धार्मिक संगठन सरफराज निजामी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर थे। निजामी पर आरोप है कि उसने 4 जनवरी को बदीन के तलहार गांव में कोल्ही की गोली मारकर हत्या कर दी। बदीन के डिप्टी कमिश्नर यासिर भट्टी और एसएसपी कमर रजा जिकानी ने मृतक के पिता चेतन कोल्ही के साथ तीन दौर की बातचीत के बाद धरना खत्म कराया। प्रदर्शनकारियों ने निजामी को पकड़ने के लिए पुलिस को एक हफ्ते की समय सीमा देने के बाद धरना खत्म कर दिया। चेतन ने कहा, 'निजामी ने नशे में उसके बेटे को मारा है। गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो हमने अपने बेटे गोली लगने के घावों के साथ जमीन पर गिरा पाया। निजामी और उसके आदमी फायरिंग करते हुए फरार हो गए। बदीन डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को कोल्ही की हत्या के विरोध और आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस की नाकामी की निंदा करते हुए अदालतों का बहिष्कार किया।

कर्ज से तंग व्यक्ति ने की आत्महत्या

कोडरमा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद स्थित तुरिया मोहल्ले में कर्ज से परेशान एक व्यक्ति ने जहर खा कर आत्महत्या कर ली। मृतक के बेटे के अनुसार, कर्ज देने वाला व्यक्ति लगातार रुपए लौटाने का दबाव बना रहा था। इसी दबाव और कर्ज से तंग आकर उन्होंने सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान 55 वर्षीय बजरंगी विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो बक्सा बनाने का काम करते थे। वहीं, आरोपी का कहना है कि बजरंगी से उनका किसी प्रकार का लेनदेन नहीं था। मृतक के पुत्र योगेश कुमार ने बताया कि उनके पिता शुक्रवार शाम दुकान से घर लौटे और परिवार के साथ खाना खाकर सो गए। योगेश के अनुसार, उनके पिता ने मां को डोमचांच थाना क्षेत्र के ढोढाकोला स्थित उनके मायके किसी काम से भेजा था।

हिंदू समाज वीरता से नहीं फूट से हारा है

मोहन भागवत बोले- हम हिंदूओं को एक होना होगा, जैसे-जैसे हम एक होंगे, उनके टुकड़े होंगे

मथुरा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। वृंदावन की सुदामा कुटी आश्रम के शनिवार को 100 साल पूरे हो गए हैं। इस उपलक्ष्य में शताब्दी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस शताब्दी महोत्सव में मोहन भागवत शामिल हुई।

उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने सुदामा दास जी महाराज के जीवन परिचय और नाभा पीठ का परिचय जानने के लिए प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया।

इसके बाद उन्होंने संबोधित करते हुए कहा- वह हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। लेकिन जैसे हमें तैयार होना है, वैसे हम तैयार नहीं हुए हैं। इसलिए वह हमारे सामने नाच रहे हैं। अंदर से खोखले हो गए हैं, सारी दुनिया में हार रहे हैं। जैसे-जैसे सनातन धर्म के सब लोग एक होते जाएंगे। वैसे-वैसे यह टूटते जाएंगे।

आप देख लीजिए पिछले 50 सालों में जैसे-जैसे हिंदू एक होता गया। वैसे-वैसे इनके टुकड़े होते चले गए।

मंच पर पीपा पीठाधीश्वर बलराम दास, कमल नयन दास महाराज,साध्वी ऋतम भरा, ज्ञानानंद महाराज,गौरी शंकर दास महाराज,कुमार स्वामी,राजेंद्र दास महाराज, भूरी वाले बाबा, सुदर्शन दास महाराज, मनोज मोहन शास्त्री, विहिप के बड़े दिनेश जी भी मौजूद हैं।

सुबह में आश्रम से शोभयात्रा निकाली गई।

महंत सुतीक्ष्ण दास महाराज रथ पर सवार होकर भ्रमण करने निकले। शोभायात्रा अलग-अलग चौराहों से होते हुए दोपहर 3 बजे वापस सुदामा कुटी आश्रम पहुंची थी।

मोदी से तकरार और मुनीर से प्यार

पेशावर में युद्धाभ्यास कर रहे अमेरिका और पाकिस्तान, भारत की बढ़ेगी टेंशन

इस्लामाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के साथ टैरिफ को लेकर जारी तनाव के बीच अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी पाकिस्तान पहुची है। इस टुकड़ी में शामिल अमेरिकी सैनिकों को पेशावर के पास पब्बी लेकर जाया गया है। पब्बी खैबर पख्तूनख्वा सूबे की एक तहसील है, जो पेशावर के नजदीक है। यह जगह अफगानिस्तान की सीमा से भी नजदीक है। अफगान तालिबान भी लगातार सवाल उठा रहा है कि पाकिस्तान ने अमेरिका को अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की इजाजत दी है, ताकि वह अफगानिस्तान पर नजर रख सके। पाकिस्तानी सेना के प्रॉपगैंडा विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन ने बताया है कि

अमेरिकी सैनिक युद्धाभ्यास के लिए पाकिस्तान पहुंचे हैं।

आईएसपीआर ने बताया है कि अमेरिकी सैनिक युद्धाभ्यास के लिए पाकिस्तान पहुंचे हैं। इस युद्धाभ्यास का नाम इंस्पायर्ड गैम्बिट 2026 है। इसका आयोजन पाकिस्तान और अमेरिका के बीच इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने और आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञता साझा करने के लिए किया गया है। पब्बी में आयोजित यह युद्धाभ्यास इंस्पायर्ड गैम्बिट 2026 का 13वां संस्करण है। आईएसपीआर के अनुसार, दो हफ्ते तक चलने वाले इस अभ्यास में पाकिस्तानी और अमेरिकी सेनाओं के दल शामिल हैं। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के पब्बी में नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर में उद्घाटन समारोह में भाग लिया। बयान में बताया गया है कि अमेरिका-पाकिस्तान युद्धाभ्यास का मकसद आतंकवाद विरोधी अनुभवों को साझा करके आपसी समझ और इंटरऑपरेबिलिटी को बढ़ाना है।

इसके साथ ही प्रभावी काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस के लिए जरूरी रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं को और बेहतर बनाना है।

कनाडा में रहने वालों के पैरेंट्स और ग्रैंड पैरेंट्स को इस साल भी मंजूरी नहीं

भारतीयों के पास अब केवल एक ही रास्ता

ओटावा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा में रहने वाले जो भारतीय अपने माता-पिता और दादा-दादी के लिए परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) की इच्छा रखने वालों के लिए बुरी खबर है। कनाडा सरकार 2026 में भी पैरेंट्स एंड ग्रैंडपैरेंट्स प्रोग्राम (पीजीपी) नहीं शुरू कर रही है। 2025 में इस पर रोक लगाई थी जिसे अभी भी जारी रखा गया है। कनाडा इमिग्रेशन विभाग 2025 से पहले मिले आवेदनों पर कार्रवाई करेगा। इसकी सीमा अधिकतम 10000 आवेदनों तक होगी। इस दौरान नए आवेदन नहीं स्वीकार किए जाएंगे। ऐसे में जो लोग अपने माता-पिता या दादा-दादी को लाना चाहते हैं, उनके लिए मुश्किल खड़ी हो गई है।

इमिग्रेशन एक्सपर्ट लोगों को सुपर वीजा लेने की सलाह दे रहे हैं। इससे माता-पिता या दादा-दादी को कनाडा में पांच साल तक रहने की अनुमति होगी और इसका नवीनीकरण किया जा सकता है। लेकिन इससे स्थायी निवास नहीं मिलेगा। कनाडा में बड़ी संख्या में पैरेंट्स और ग्रैंडपैरेंट्स के आवेदन लंबित हैं। साल 2023 के आंकड़ों के अनुसार, इस श्रेणी में लंबित आवेदनों की संख्या 40,000 से ज्यादा थी। पीजीपी श्रेणी में लंबित आवेदनों की संख्या देखते हुए कनाडा सरकार ने पहले बड़े बैकलॉग को साफ करने का फैसला किया। इसके लिए साल 2025 में आवेदनों की मंजूरी पर रोक लगा दी। अब 2026 में भी इसे जारी रखा जाएगा। 1 जनवरी 2025 को नए आवेदनों पर रोक लगा दी गई। इसके बाद कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजेनशिप (आईआरसीसी) विभाग ने संभावित स्पॉन्सर को आमंत्रण भेजा, जिन्होंने 2025 में स्पॉन्सर करने में रुचि दिखाई थी। यह प्रक्रिया 9 अक्टूबर 2025 को पूरी हुई। आईआरसीसी ने कहा कि उन्होंने दो सप्ताह में 17,860 आवेदन भेजे लेकिन वे 10,000 आवेदनों को पूरा करेंगे।

माहेश्वरी महाकुंभ का दूसरा दिन, अमित शाह बोले-

समाज ने सदैव दिया, राष्ट्र निर्माण में निभाई अहम भूमिका

जोधपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में मारवाड़ कन्वेंशन सेंटर के पास चल रहे 'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन' में शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिरकत की। कार्यक्रम में उनके साथ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित कई मंत्री मौजूद थे। यहां प्रधानमंत्री मोदी द्वारा माहेश्वरी समाज के नाम भेजी चिट्ठी का वाचन केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया।

अमित शाह ने कहा कि माहेश्वरी समाज देश के लिए सदैव योगदान देने वाला समाज रहा है। उन्होंने कहा कि समाज ने वर्षों से केवल देने का कार्य किया है और देश को जिस रूप में जरूरत पड़ी, उसी प्रकार से सामने आया है। शाह ने कहा कि यह समाज मूल से जुड़ा रहा है और आभूषण की तरह समाज एवं राष्ट्र को चमकाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि मुगलों के दौर में भी राजा-महाराज के खजाने भरने में समाज ने योगदान दिया, वहीं अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन का खर्च उठाने का भी काम किया, जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। आजादी के बाद उद्योग और विकास के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज ने बिना पीछे मुड़े आगे बढ़ते हुए देश को उत्पादन, ट्रेडिंग और तकनीक में प्रगतिशील मॉडल दिया।

शाह ने कहा कि गुजरात में प्रचलित कहावत 'जहां न पहुंचे रेलगाड़ी, वहां पहुंचे मारवाड़ी' इस समाज की कार्यशैली और क्षमताओं को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन भारत को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। अगर हर समाज गरीबों की चिंता स्वयं कर ले तो पूरा भारत आत्मनिर्भर हो सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो वस्तुएं देश में नहीं बन रहीं, उनका उत्पादन शुरू करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और स्वभाषा को बढ़ावा देने की अपील की।

अमित शाह ने कहा कि 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, दोगुना निर्यात, विश्व में सबसे अधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन, मोबाइल उत्पादन में दूसरा, स्टार्टअप व ऑटोमोबाइल सेक्टर में तीसरा स्थान, यह सब दिखाता है कि भारत विश्व से दो-दो हाथ करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने केवल देश ही नहीं बल्कि अन्य समाजों की भी चिंता की है। एकमात्र ऐसा समाज है जिसके हाथ में तलवार और तराजू दोनों ही शोभा देते हैं और स्वतंत्रता सेनानी एवं भामाशाह की सूची में इस समाज का योगदान बड़ा है। शाह ने राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि 550 साल बाद रामलला विराजमान हुए हैं। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में एक युवा ने उन्हें यह भी बताया कि बलिदान देने वाले दो भाई माहेश्वरी समाज से थे।

'अमित शाह, राजस्थान में आपका स्वागत है'

फिर अशोक गहलोत ने दागे दनादन सवाल

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज 10 जनवरी को राजस्थान पुलिस अकादमी में नव चयनित पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने अमित शाह का स्वागत करते हुए उदयपुर के दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड पर जवाब मांगा।

कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान पधार रहे हैं। आपका यहां स्वागत है। आपसे अपेक्षा है कि वे आज अपनी 'राजनीतिक चुप्पी' तोड़ेंगे और बताएंगे कि स्व. कन्हैयालाल के परिवार को न्याय कब मिलेगा?

परिवार अभी तक न्याय के लिए क्यों भटक रहा है?

अशोक गहलोत ने लिखा कि आपके गृह मंत्रालय के अधीन नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने घटना की रात ही यह केस

राजस्थान पुलिस से ले लिया था पर एनआईए के पास ये केस होने के बावजूद अभी तक न्याय क्यों नहीं मिला है? उनका परिवार अभी तक न्याय के लिए क्यों भटक रहा है।

क्या आप राजस्थान की जनता से असत्य बोलने के लिए माफी मांगेंगे?

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि आप तो चुनाव में 5 लाख बनाम 50 लाख का असत्य बोलकर भ्रम फैलाने के चैंपियन थे। स्व. कन्हैयालाल के परिवार ने आपके झूठ को एक्सपोज कर बता दिया है कि उनके परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा एवं दोनों पुत्रों को सरकारी नौकरी मिली थी। क्या आप राजस्थान की जनता से असत्य बोलने के लिए माफी मांगेंगे? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस मुद्दे पर आपने चुनाव लड़ा, उसे अब भुला दिया गया है।

राजस्थान में कानून का इकबाल खत्म

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि आज राजस्थान में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है। रंगदारी, दुष्कर्म और माफियाराज से जनता त्रस्त है। बजरी माफिया रोज हत्याएं कर रहा है।

हद तो तब हो गई जब दूसरे राज्यों की पुलिस यहां आकर एक्शन करती है और मुख्यमंत्री जी कहते हैं राजस्थान पुलिस को जानकारी ही नहीं है। गृह मंत्री जी, भाषणों से परे हटकर राजस्थान की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर जवाब दीजिए।

क्या है कन्हैया लाल हत्याकांड?

उदयपुर के दर्जी कन्हैया लाल की जून 2022 में कथिततौर पर इस्लाम विरोधी सोशल मीडिया पोस्ट का समर्थन करने के आरोप में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 9 आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए सहित कई आरोप तय किए गए हैं। आरोपी मोहम्मद रियाज और मोहम्मद गौसे ने इस घटना का वीडियो बनाकर ऑनलाइन पोस्ट किया था। उन पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोप तय किए गए हैं।

प्री-बजट बैठक : चिकित्सा विशेषज्ञों से सीएम भजनलाल को मिले कई सुझाव

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बजट घोषणाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने मेडिकल टूरिज्म बढ़ाने पर जोर दिया। इसके लिए प्रस्तावित हीलिंग पॉलिसी जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया गया। इस दौरान आरजीएचएस में हो रहे घोटालों की रोकथाम के उपायों पर भी चर्चा की गई।

सीएम भजनलाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट तैयार करना है, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें और राजस्थान इस क्षेत्र में सिरमौर बने। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य योजनाओं में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अन्य प्रमुख सुझाव

1- बोन बैंक और स्किन बैंक की स्थापना।

2- मेडिकल डिवाइस उद्योग को प्रदेश में प्रोत्साहन।

3- फार्मेसी काउंसिल का पुनर्गठन।

4- मां योजना के पैकेज में सुधार।

5- 10 हजार निःशुल्क प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने का प्रस्ताव।

6- बंद पड़ी सरकारी दवा कंपनी आरडीपीएल को शीघ्र शुरू करना।

7- नकली दवा और मिलावटखोरों को फांसी की सजा का प्रावधान किया जाए।

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे आरसीए से आउट

हाईकोर्ट ने जोधपुर जिला संघ की मान्यता की रद्द

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह को हाईकोर्ट से झटका लगा है। धनंजय सिंह जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष थे। हाईकोर्ट ने जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता रद्द कर दी। ऐसे में वे अब अध्यक्ष नहीं रहे। जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष नहीं रहने पर अब वे आरसीए एडहॉक कमेटी के सदस्य भी नहीं रहे। यानी मंत्री पुत्र धनंजय सिंह अब राजस्थान क्रिकेट संघ से बाहर हो चुके हैं। हालांकि धनंजय सिंह का कहना है कि हाईकोर्ट ने उन्हें डिस्क्वालिफाई नहीं किया है।

जब धनंजय सिंह आरसीए एडहॉक कमेटी के सदस्य थे। तब उनके साथ चार सदस्यों ने बैठक का आयोजन कर खिलाड़ियों का चयन करने वाली सिलेक्शन कमेटी बनाई थी। पुर्व में कमेटी बनी होने के बावजूद नई सिलेक्शन कमेटी बनाई थी। हाईकोर्ट ने जोधपुर जिला संघ की मान्यता रद्द करते हुए धनंजय सिंह और उनके सहयोगी सदस्यों द्वारा लिए गए फैसलों को भी रद्द कर दिया। ऐसे में नई सिलेक्शन कमेटी रद्द हो गई। नई सिलेक्शन कमेटी के रद्द होने से पुरानी सिलेक्शन कमेटी बहाल हो गई है। राजस्थान क्रिकेट एकेडमी की एडहॉक कमेटी में पिछले एक साल से आपसी जंग चल रही है। सरकार ने पहले जयदीप बिहानी को आरसीए एडहॉक कमेटी का संयोजक बनाया था। आपसी टकराव और लगातार विवाद होने पर बिहानी को हटाकर दीनदयाल कुमावत को संयोजक बनाया गया। कुमावत के आने के बाद भी विवादों का सिलसिला जारी रहा। एडहॉक कमेटी के सदस्यों के दो गुट बन गए। एक गुट कुमावत के साथ था तो दूसरा धनंजय सिंह के साथ। दोनों अलग अलग बैठकों का आयोजन करके फैसले लेते थे। दोनों गुट एक दूसरे के फैसलों को गैरकानूनी बताते रहे।

जूनियर सिलेक्शन कमेटी (पुरानी कमेटी) के सदस्य बीकानेर निवासी नरेश गहलोत ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। उन्होंने कहा कि वे जूनियर सिलेक्शन कमेटी के सदस्य थे लेकिन बाद में नई सिलेक्शन कमेटी बना दी गई। जिन सदस्यों की बैठक में नई सिलेक्शन कमेटी बनाई गई, उनके प्रमुख धनंजय सिंह हैं। वे जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बताते हैं जबकि आरसीए ने 11 अक्टूबर 2025 को ही जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की संबद्धता समाप्त कर दी गई थी। ऐसे में नई सिलेक्शन कमेटी वैध नहीं है। इसी याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुनील बेनीवाल की एकलपीठ ने जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता रद्द करने और उनकी ओर से लिए गए फैसलों को रद्द कर दिया।

तेज रफ्तार ऑडी ने मचाया कहर, डिवाइडर तोड़कर ठेलों से टकराई, 16 को रौंदकर निकली, एक की मौत

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर की पत्रकार कॉलोनी में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। खराबास सर्किल के पास एक तेज रफ्तार ऑडी कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क किनारे मौजूद लोगों व खाने की ठेलों को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। इस दर्दनाक हादसे में 16 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ऑडी कार अत्यधिक तेज गति में थी। डिवाइडर से टकराने के बाद कार बेकाबू हो गई और करीब 30 मीटर तक सड़क किनारे खड़े दर्जनभर से अधिक ठेलों को टक्कर मारती चली गई। ठेलों के पास बैठे लोग अचानक हुए इस हादसे की चपेट में आ गए।

ऑडी कार जब्त, जांच जारी

हादसे की सूचना मिलते ही मुहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत जयपुरिया अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने ऑडी कार को जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि कार दमन-दीव नंबर की है। मामले की गहन जांच की जा रही है।

घायलों में से 8 का इलाज जयपुरिया अस्पताल में किया गया। 4 घायलों को परिजन निजी अस्पताल ले गए, जबकि 4 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। गंभीर रूप से घायल 3 से 4 लोगों को एसएमएस अस्पताल और जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इलाज के दौरान रमेश बैरवा की मौत

पुलिस ने हादसे में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की है। जयपुरिया अस्पताल में इलाज के दौरान रमेश बैरवा ने दम तोड़ दिया। घायलों में पारस मोदी, मृदुल लुहार, राकेश, राजेन्द्र खारोल, रमेश बैरवा, दीपक, हेमराज, मोहरीलाल मीणा, रवि जैन, प्रकाश, आशीष, दीवान, राजेश, देशराज और चमन जैन शामिल हैं। मौके पर एफएसएल टीम ने भी पहुंचकर फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए।

ठंड से कांपा राजस्थान, कई जिलों में कोहरा छाया, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में हल्की बारिश और अति घने कोहरे ने मौसम को और ज्यादा सख्त कर दिया है। मौसम विभाग ने राजस्थान समेत तीन राज्यों में कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि कई जिलों में कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। दृश्यता में कमी और तापमान में गिरावट के चलते लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार (10 जनवरी) को पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान के साथ-साथ पश्चिमी उत्तरप्रदेश और बिहार में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इससे दृश्यता प्रभावित हो सकती है और ठंड का असर और बढ़ेगा।

राज्य में सबसे अधिक 5 मिलीमीटर बारिश झुंझुनू में दर्ज की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान जवाई बांध (पाली) में 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान जैसलमेर में 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार आगामी एक सप्ताह तक राज्य में मौसम शुष्क बना रहने की संभावना है।

शीतलहर और कोहरे का अलर्ट

मौसम विभाग ने कई जिलों में कोल्ड डे की आशंका को देखते हुए चेतावनी जारी की है। अलवर, भरतपुर, बूंदी, दौसा, डीग, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोचपुतली-बहरोड़, सवाई माधोपुर, टोंक, चूरू और डीडवाना-कुचामन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं श्रीगंगानगर, फलोदी, नागौर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, बीकानेर, प्रतापगढ़, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बारां और अजमेर जिलों में येलो अलर्ट लागू किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों को ठंड और कोहरे को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

सड़कों पर जब उतरा रोबोटिक डॉग्स, तो हर कोई रह गया दंग, जानें क्या है इसका नाम और खासियतें

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सेना दिवस 2026 की मुख्य परेड जयपुर में 15 जनवरी होगी। इस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल चल रही है। जयपुर की सड़कों पर इन दिनों फौजी बूटों की धमक के साथ-साथ एक और आवाज़ सुनाई दे रही है - लोहे के पैरों की खनक। इस लोहे के रोबोटिक डॉग्स को जो भी देख रहा है वो दंग रह जा रहा है। आखिर ये है क्या चीज?

भारतीय सेना ने अपनी सबसे एडवांस तकनीक यानी 'रोबोटिक डॉग्स' को जयपुर की परेड में भी उतारा है। इस 'रोबोटिक डॉग्स' को देखने वालों की सांसें थम जाती हैं। आखिर ये क्या बला है। क्या है इस रोबोटिक डॉग्स की खासियत? ये महज़ खिलौने हैं या फिर जंग के मैदान में पासा पलटने वाले आधुनिक हथियार? आइए जानते हैं रोबोटिक डॉग्स, मल्टी यूटीलिटी लेगी इक्विपमेंट की खासियत?

रोचक बात है कि नए रोबोटिक डॉग्स का नाम म्यूल क्यों रखा गया है। नए रोबोटिक डॉग्स को तकनीकी भाषा में एमयूएलयू यानी यानी मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट कहा जाता है। सेना में सामान ढोने के लिए खच्चर का प्रयोग किया जाता है। खच्चर को अंग्रेजी में म्यूल कहते हैं। सामान्यतौर पर इसका भी थोड़ा बहुत इसी प्रकार का उपयोग है। इसका चीन, अमेरिका में भी प्रयोग होता है।

रोबोटिक डॉग्स यानि म्यूल की खासियतें जानकर चौंक जाएंगे। एकबारगी तो आपको विश्वास नहीं होगा। सेना ने बहुत प्यार से रोबोटिक डॉग्स का नाम 'संजय' रखा है। इनका वजन करीब 51 किलोग्राम है और ये दिखने में किसी खूंखार शिकारी कुत्ते जैसे लगते हैं। लेकिन इनकी असली ताकत इनके अंदर छिपी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' में है। इनको दिल्ली की एरोआर्क कंपनी ने विकसित किया है। ये रोबोटिक डॉग्स एक बार में चार्ज होने के बाद 20 घंटे तक लगातार काम कर सकते हैं। इन्हें रिमोट से तो ऑपरेट किया ही जा सकता है। ये ऑटोमैटिक रूप से भी काम करते हैं।

ये रोबोटिक डॉग्स -40°C की हाड़ कंपाने वाली ठंड से लेकर 55°C की चिलचिलाती धूप में भी काम कर सकते हैं। ये 3 मीटर प्रति सेकंड की रफ़्तार से भाग सकते हैं। ऊबड़-खाबड़ पहाड़, गहरी खाइयां या शहर की संकरी सीढ़ियां, इनके लिए चुटकियों का खेल है। इनके चेहरे पर लगे हाई-डेफिनिशन थर्मल कैमरे और लईडर सेंसर रात के अंधेरे में भी दुश्मन को पहचान लेते हैं।

सूर्य घर योजना में कनेक्शन के नाम पर मांगी 90 हजार की घूस

दो बिजली अधिकारी रंगे हाथ गिरफ्तार

भरतपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विद्युत विभाग के दो अधिकारियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत विद्युत कनेक्शन दिलाने के नाम पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मिनी प्लांट में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के एवज में अधिकारी 5,000 रुपये प्रति फाइल की मांग कर रहे हैं। शिकायत में यह भी उल्लेख था कि कुल सौदा 90 हजार रुपये में तय किया गया था।

सत्यापन के बाद एसीबी टीम ने घासीराम कॉलोनी में कार्रवाई की और जेईएन अभिषेक को उसके घर पर 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। योजना के अनुसार शेष राशि सोमवार को दी जानी थी। कार्रवाई के दौरान अभिषेक को शक हुआ और वह स्कूटी लेकर मदरपुर रोड की ओर भागा लेकिन नाली में गिर गया और एसीबी टीम ने उसे मौके पर दबोच लिया। उसके पास से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है।

घटना के दौरान एक्सईएन मोहित कटियार मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया और आगरा की ओर निकल पड़ा। एसीबी टीम ने तुरंत उसका पीछा किया और किरावली (आगरा) में उसे पकड़कर भरतपुर एसीबी कार्यालय ले आई। दोनों अधिकारी भरतपुर जिले में उज्जैन अधिशासी अभियंता कार्यालय में तैनात थे।

एडिशनल एसपी एसीबी अमित सिंह ने बताया कि परिवादी से पहली किस्त के तौर पर 50 हजार रुपये आज लिए गए थे, जबकि शेष 40 हजार सोमवार को देने थे। दोनों अधिकारियों को पकड़ लिया गया है और उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई जारी है। एसीबी टीम दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने पहुंची पुलिस पर फायरिंग

दोनों तरफ से चली गोलियां, कार छोड़कर भागा आरोपी

कोटा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी क्रम में ग्रामीण सांगोद क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब कुख्यात हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा ने पुलिस पर फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे जिले में नाकाबंदी कर दी गई और पुलिस के उच्च अधिकारी स्वयं मोर्चा संभालने पहुंचे। हालांकि देर रात तक आरोपी का कोई सुराग नहीं लगा।

घटना उस समय हुई जब शहर और ग्रामीण पुलिस की संयुक्त टीम आदिल को पकड़ने के लिए दबिश दे रही थी। पुलिस अधीक्षक (शहर) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आदिल मिर्जा की लोकेशन सांगोद के किशनपुरा गांव में मिली थी। पुलिस टीम ने जब उसे घेरा, तो आदिल ने अचानक पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। अपने बचाव में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, लेकिन गोली आरोपी की कार पर लगी और वह अंधेरे का फायदा उठाकर कार छोड़कर फरार हो गया।

सौभाग्य से इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी या आमजन को चोट नहीं आई। पुलिस का कहना है कि आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी, जिसके चलते वह घिरने पर बौखला गया और फायरिंग का सहारा लिया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि घटना के बाद सांगोद थाने में हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के खिलाफ पुलिस पर फायरिंग और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पूरे इलाके में भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है और उसके ठिकानों पर लगातार छापेमार कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य अपराध करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस अब सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश कर रही है और सीसीटीवी व तकनीकी सर्विलांस की मदद से उसकी मूवमेंट ट्रैक की जा रही है। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/ 360, दि.08-01-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.2-2-2026 के 16.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी नं.-360, कार्य विवरणः जीएनटी डिवीजन के 71 संख्यक इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग व पैनल इंटरलाकिंग स्टेशनों/गूमटीज पर एस्पायरेशन टाइप स्मोक डिटेक्शन सिस्टम का प्रावधान। विज्ञापित निविदा मूल्य रु. 7,09,31,449.24, पूर्व धरोहर राशि-बोली सुरक्षा रु.5,04,700.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य

यदि निविदाएं खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस में निर्धारित समय पर खोला जायेगा।

ई-बिड्स या ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 02-02-2026 के 16.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी हेतु हमारे वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।

कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल **ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in** के माध्यम से ही सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, गुंटूर

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 01, एनआयटी संख्याः सी/इ.29/टीआरडी/एससी/60/2025-26, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/इ.29/टीआरडी/एससी/60/2025-26,दि.5-1-2026, एससी डिवीजनः तेलंगाना राज्य में भरतमाला परियोजना के तहत इंटर कारिडोर रूट के अंतर्गत खम्मम तथा देवरपल्ले के बीच 4 - लेन एस्सेस कंट्रोल्ड ग्रीन फील्ड हायवे के प्रस्तावित निर्माण सहित तत्संबंधित टीआरडी परिवर्तन या माडिफिकेशंस।अनुमानित लागत रु.89,78,974.78, कार्य पूरा करने की अवधिः120 दिन, बंद करने की तिथिः02-02-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटःhttp://ireps.gov.in** पर लागिन करें।

निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग द्वारा ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in के निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई भी परिवर्तन हो तो उसका अवलोकन भी किया जा सकता है।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेन्ट्स द्वारा ही वे, निविदा प्रपत्र मूल्य तथा पूर्व धरोहर राशि-पुधरा को जमा कर सकते है।

इस निविदा सूचना को, एसआर. डीइइ/टीआरडी, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद, के कार्यालय पर रखे हुए नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर्स के साथ प्रस्तुत करें।

निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन द्वारा जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, सिकंदराबाद

निविदा सूचना संख्याः54/2026,दि.09-01-2026
भंडारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाइन पर दर्शाया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी को उक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स स्वीकार नही किए जायेंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की नियत तिथि की निविदा बंद करने का समय14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इन्डिजेनस आफर्स, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को, केवल आनलाइन सिस्टम पर वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध तत्संबंधित द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
52255010बी	इलेक्ट्रिक लोकोज हेतु आयपी आधारित वीएसएस
एलएन256561बी	एयर स्प्रींग 140 केएन
33251513ए	ब्रेक सिलेण्डर
33251514ए	हायर केपासिटी एयर स्प्रींग एस्सेंबली
54255007बी	एससीआर के टीयर-2 व टीयर -3 स्थानों हेतु डब्ल्यूएएन पोर्ट्स सहित रूटर्स
66259683	ट्रैक मशीन हेतु वाल्व्ज आदि का प्रापण
एलएन256561सी	उच्च क्षमता का एयर स्प्रिंग 180केएन
66259544	प्लास्सर मेक का ट्रैक मशीन स्पेयर्स
66259542	ट्रैक मशीन हेतु वाल्व्ज आदि का प्रापण
38252363	नान-एसबेस्टाज एल टाइप
एलएन265039	135टी का रोड शन्टिंग व्हीकल
60258788	टी-8970 के प्रति पीएससी गार्ड रेल स्लीपर्स
82255015	एचक्यू एमइडी जीटीइ लैप्रोस्कोप सेट
82255007	एचक्यू एमइडी मोडूलर आपरेशन थिएटर्स

टिप्पणी: -निविदा खोलने की नियत तिथियां- क्रम सं. 01 दि.19-01-2026, क्रम सं. 02 दि.23-01-2026, क्रम सं. 03 एवं 04 दि.27-01-2026, क्रम सं. 05 दि.29-01-2026, क्रम सं. 06 दि.30-01-2026, क्रम सं. 07 से 11 दि.02-02-2026, क्रम सं. 12 दि.05-02-2026, क्रम सं. 13 से 15 दि.09-02-2026

शुध्दिपत्र

निविदा सूचना सं. 50/2025 दि.12-12-2025, निविदा सं.33255011ए नियत तिथि 09-01-2026, संक्षिप्त विवरणः एलएचबी एफआयएटी बोगी फ्रेम्स के फैब्रिकेशन हेतु 21 आयटम्स के सेट को, मौजूदा के स्थान पर, नियत तिथि 19-01-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु. 50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं।

अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिंकदराबाद

A2210

For further tender conditions / details and for downloading the tender documents, Please visit website at https://www.ireps.gov.in or www.scr.indianrailways.gov.in

19वें राजीव गांधी अंडर-19 लीग टी20 क्रिकेट चैंपियनशिप का समापन

युवा खिलाड़ियों को मंत्री लक्ष्मण कुमार ने दिए पुरस्कार

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 19वें राजीव गांधी अंडर-19 लीग टी20 क्रिकेट चैंपियनशिप-2026 का समापन समारोह हैदराबाद में रविवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्य के समाज कल्याण मंत्री एडलुरी लक्ष्मण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और विजेता हैदराबाद टीम को पुरस्कार प्रदान किए।

मंत्री लक्ष्मण कुमार ने इस अवसर पर युवा प्रतिभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी सेहत के प्रति लापरवाह हो रही है और नशे जैसी हानिकारक आदतों की ओर आकर्षित हो रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इन बुरी आदतों से दूर रहें और अपने समय का अधिकतम उपयोग खेलों और व्यायाम के लिए करें, ताकि वे स्वस्थ रहें और अपने जीवन में उच्च शिखरों तक पहुंचें। मंत्री ने याद दिलाया कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने खेलों को हमेशा प्राथमिकता दी और युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का अकाल निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दशक में तेलंगाना में खेलों की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाए। लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में खेलों को उच्चतम प्राथमिकता दी जा रही है। युवा खिलाड़ियों को संवारने के लिए यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो तेलंगाना को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि सामाजिक कल्याण विभाग की गुरुकुल पाठशालाओं के छात्र खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार के प्रोत्साहन से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से बच्चों का जीवन बदल सकता है, विशेषकर गरीब परिवारों के लिए। इस लीग में देश के 12 राज्यों की टीमों ने भाग लिया, जो युवाओं में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि का प्रमाण है। फाइनल में विजयी हैदराबाद टीम को मंत्री ने विशेष रूप से बधाई दी। मंत्री ने कहा कि खेलों से युवा में अनुशासन, एकता और संघर्ष की भावना बढ़ती है, और यही उन्हें अच्छे नागरिक बनने में मदद करती है। उन्होंने पिछले 20 वर्षों से स्वर्गीय राजीव गांधी के नाम पर ये प्रतियोगिताएं आयोजित करने वाले पूर्व सांसद हनुमंत राव को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरी, पूर्व सांसद वि. हनुमंत राव, सरकारी सलाहकार केशवराव हरकर वेणुगोपाल, किसान आयोग के अध्यक्ष कोदंड रेड्डी, निगम अध्यक्ष मेट्टु साईकुमार, पूर्व एमएलसी शिवसेना रेड्डी रामूलू नायक, डीसीसी अध्यक्ष मोते रोहित, सय्यद सैफुल्ला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मनरेगा में कटौती से ग्रामीण पलायन, कृषि संकट बढ़ेगा : डीसीसी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्लाह ने शनिवार को चेतावनी दी कि केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में प्रस्तावित बदलावों से बड़े पैमाने पर ग्रामीण बेरोजगारी, शहरों की ओर श्रमिकों का पलायन और खेतिहर मजदूरों की गंभीर कमी पैदा होगी। एआईसीसी के राष्ट्रव्यापी विरोध के तहत चिंतलकुंटा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सैफुल्लाह ने कहा कि मनरेगा को कमजोर करना केवल ग्रामीण समस्या नहीं रहेगा, बल्कि इससे पूरा आर्थिक तंत्र प्रभावित होगा, जिसमें कृषि, शहरी श्रम बाजार और खाद्य कीमतें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि योजना में कटौती से ग्रामीण श्रमिकों को शहरों की ओर पलायन के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे शहरी रोजगार और बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ेगा, जबकि गांवों में महत्वपूर्ण कृषि मौसम के दौरान मजदूरों की भारी कमी हो जाएगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि धान और सब्जियों जैसी फसलें सबसे अधिक प्रभावित होंगी, जिससे उत्पादन घटेगा और कीमतें बढ़ेंगी। सैफुल्लाह ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मनरेगा को कानूनी रूप से गारंटीशुदा रोजगार के अधिकार से हटाकर एक विवेकाधीन कल्याणकारी योजना में बदल रही है, जिससे इसकी मूल भावना कमजोर हो रही है। उन्होंने मजदूरी दरों में ठहराव, भुगतान में देरी और आधार-आधारित भुगतान प्रणाली के कारण वास्तविक श्रमिकों के बाहर हो जाने पर भी चिंता जताई। डीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि प्रस्तावित केंद्रीकरण से ग्राम पंचायतें कमजोर होंगी और ठेकेदारों के लिए रास्ता खुलेगा, जिससे स्थानीय निकाय केवल क्रियान्वयन एजेंसियों तक सीमित रह जाएंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मजदूरी की जिम्मेदारी राज्यों पर डालने से योजना के तहत रोजगार सृजन हतोत्साहित होगा। यह कहते हुए कि मनरेगा करोड़ों लोगों के लिए जीवनरेखा रही है, खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान, सैफुल्लाह ने कहा कि किसी भी तरह की कटौती से ग्रामीण संकट और गहराएगा तथा पंचायती राज संस्थाएं कमजोर होंगी।

जन सेवा संघ की बैठक

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के चुनाव प्रभारी श्रीकांत पांडेय की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ । संस्था के चुनाव प्रभारी श्रीकांत पांडेय ने सभी पदाधिकारियों से अपने-अपने प्रगति रिपोर्ट एवं रूपरेखा के बारे में जानकारी मांगी। प्रेरणा स्रोत वी के सिंह ने बताया कि नई केंद्रीय कमेटी में नए लोग ही रहेंगे पुरानी केंद्रीय कमेटी के कोई भी नहीं रहेंगे। जो निष्क्रिय हैं उन्हें विश्राम दिया जाए। आई टी सेल को बिनीत सिंह एवं राजेश शर्मा देखेंगे। संस्था के वर्तमान अध्यक्ष आरपी सिंह ने बताया कि वह निरंतर हैदराबाद महानगरपालिका और संबंधित अधिकारियों से संपर्क में हैं और प्रयास कर रहे हैं के नेकलेस रोड पर पक्का घाट का निर्माण जल्द से जल्द हो सके। संचालन समिति के संयोजक डी डी तिवारी ने बताया कि सभी समितियों पर संचालन समिति नजर रखेगी तथा प्रत्येक माह इसकी समीक्षा की जाएगी। संस्था के नए अध्यक्ष बिश्वजीत सिंह ने बताया कि हम हर महीने दो से तीन क्षेत्र का दौरा करेंगे।

छात्रों को राष्ट्रीय क्विज में सफलता

गणतंत्र दिवस समारोह देखने का मौका

सूर्यापेट, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोडड स्थित तेजा विद्यालया के दो छात्रों को रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सफलता मिलने के बाद नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह देखने का दुर्लभ अवसर मिला है। तेजा विद्यालया की सातवीं कक्षा की छात्राएं तुम्मा ब्लेसी स्नेहिता रेड्डी और रामिनेनी सहस्रा ने देश भर से 1.23 लाख प्रतिभागियों में से शीर्ष 200 विजेताओं की सूची में अपना स्थान बनाया। यह प्रश्नोत्तरी भारतीय अंतरिक्ष यात्रा, खेल, आत्मनिर्भर भारत और वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर आधारित थी। प्रत्येक विजेता छात्र को 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा और उनके साथ एक अभिभावक नई दिल्ली यात्रा में शामिल हो सकेगा। प्रधानाध्यापिका उस्तेला रमा देवी, निदेशक सोमी रेड्डी और विद्यालय के शिक्षक छात्रों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी।

खम्मम में सीपीआई की जनसभा 18 जनवरी को ऐः कूनामनेनी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राज्य सचिव और विधायक कूनामनेनी संबशिव राव ने शनिवार को घोषणा की कि पार्टी अपनी शताब्दी समारोह के भव्य समापन के अवसर पर 18 जनवरी को खम्मम स्थित एसआरबीजीएनआर डिग्री कॉलेज मैदान में एक विशाल जनसभा आयोजित करेगी। इस जनसभा में देशभर से लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, वामपंथी दलों के वरिष्ठ नेता तथा लगभग 40 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कूनामनेनी ने कहा कि 'सीपीआई खम्मम जनसभा'भारत में साम्यवाद की प्रासंगिकता पर सवाल उठाने वालों को निर्णायक जवाब देगी। हैदराबाद में सीपीआई के राष्ट्रीय और राज्य नेताओं के साथ अनौपचारिक रूप से पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और अन्य राज्यों से लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिनमें से कई लोग अपने स्तर पर परिवहन की व्यवस्था कर रहे हैं।

जनसभा से पहले 10 हजार सदस्यों वाली जना सेवा दल की परेड भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि 19 जनवरी को एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद 19 से 21 जनवरी तक सीपीआई की राष्ट्रीय सचिवालय, कार्यकारिणी समिति और परिषद की बैठकें होंगी। राजनीतिक घटनाक्रम पर बोलते हुए कूनामनेनी ने कहा कि श्रमिक अधिकारों को प्रभावित करने वाली हालिया नीतियों के मद्देनज़र कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच एकता की मांग तेजी से बढ़ रही है। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव पल्ला वेंकट रेड्डी ने कहा कि लोग आज भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कम्युनिस्टों की ओर रुख कर रहे हैं।

पत्रकारिता का सम्मान बनाए रखने के लिए सरकार तत्पर : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, हाउसिंग, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार पत्रकारिता के सम्मान और पत्रकारों के कल्याण के लिए हर संभव सहयोग करेगी।

सरकार का उद्देश्य किसी भी पत्रकार का सम्मान घटाना या किसी को छोटा दिखाना नहीं है। मंत्री ने जीओ 252 पर शनिवार को सचिवालय में 14 पत्रकार संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में पत्रकार संगठनों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव और सिफारिशें दीं, जिन्हें सरकार सकारात्मक रूप से लागू करने का वचन देती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक्रिडिटेशन कार्डों की संख्या कम करने का कोई प्रचार या योजना नहीं है। पिछले लगभग 23 हजार कार्डों की तुलना में इस बार और अधिक कार्ड जारी किए जाएंगे। एक्रिडिटेशन कार्ड और मीडिया कार्ड में किसी प्रकार का अंतर नहीं होगा और सभी लाभ सभी कार्डधारकों को उपलब्ध होंगे। मंत्री ने कहा कि एक्रिडिटेशन कार्डों की मंजूरी में किसी प्रकार की बाधा नहीं है, लेकिन सरकार इस प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी विवरणों और दस्तावेजों की समीक्षा करेगी, जिसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र भी शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि पत्रकारों के लिए आवास आवंटन, पेंशन, बस पास, बीमा जैसी सुविधाओं पर भी विचार किया जाएगा। पत्रकारों के लिए आवास संबंधी मुद्दों को निपटाने के लिए कोई कोर्ट बाधा नहीं होगी। बैठक में तेलंगाना मीडिया अकादमी के चेयरमैन के. श्रीनिवास रेड्डी, आईएंडपीआर कमिश्नर सीएच प्रियंका और सीपीआरओ जी. मल्सूर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प.पू. डोंगरेजी महाराज गौशाला द्वारा आगामी 15 फरवरी को आयोजित संत शिरोमणी पूज्य रामचंद्र डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव के विशाल कार्यक्रम मे पधारने हेतु स्वामी नारायण गुरुकुल के साधु सुखवल्लभदास स्वामी, देवनार स्कूल फॉर ब्लाइंड के संस्थापक पद्मश्री डॉ. साईबाबा गौड, अभिनेत्री लक्ष्य नायुडु, अभिनेता हरी, डॉ. दिव्या, डॉ. हरिकुमार, लायन सुरेश जगनानी, लायन महोनदास, सुरेन्द्र मोहन, गुंटी दामोदर आदि को निमंत्रीत करते हुए संयोजक जसमत पटेल, वसंत पटेल, प्रभु पटेल, घनश्याम पटेल, अशोक पटेल, मनसुख पटेल, जयंती पटेल, ललित पटेल, अनील पटेल एवं अन्य।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैटक संपन्न

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक निर्दोष भवन खैरताबाद में हुई | बैठक में गत्त माह में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया | मुख्य रूप से आगामी 23 जनवरी बसंत पंचमी को निर्धारित सामूहिक उपनयन कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया एवं कार्यो का आबन्टन किया गया। उनमें साजसज्जा, स्वागत, भोजन व्यवस्था, परोसगारी, पुरोहित,नाई का प्रबंध पूजा बटुकों के वस्त्र सूप आदि की खरीदारी समिति गठित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ राम कुमार तिवारी ने की | बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, सूर्य प्रकाश शुक्ला, श्रीदत्त शुक्ला, प्रेमसुन्दर शुक्ला, लक्ष्मी नारायण अवस्थी, विनोद प्रसाद तिवारी, राहुल मिश्रा, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, जय शंकर प्रसाद तिवारी राकेश तिवारी ने भाग लिया |

संक्रांति पर भारी यातायात जाम, यात्रियों को हुई देरी

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति की वजह से शहर में शनिवार को भारी भीड़ और यातायात जाम की स्थिति बनी, जिससे प्रमुख मार्गों पर यात्रियों को बड़ी देरी का सामना करना पड़ा। शाम 5 बजे से निज़ामपेट, मियापुर, केपीएचबी, भारत नगर, एसआर नगर, अमीरपेट, मैत्रीवनम, खैराबाद, लकड़ी-का-पुल से लेकर एमजी बस स्टेशन तक सड़कों पर भारी भीड़ देखी गई। इन मार्गों पर सामान और यात्रियों के साथ सड़कें भरी हुई थीं, जिससे यातायात काफी प्रभावित हुआ। इसके अलावा, नामपल्ली मैदान में चल रही नुमाइश प्रदर्शनी में भी भारी भीड़ ने एमजे मार्केट, बेगम बाजार, अफजल गंज, नामपल्ली और आबिड्स सहित आसपास की सड़कों पर जाम बढ़ा दिया। वरिष्ठ यातायात अधिकारियों ने स्थिति पर नजर रखी और कई क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित कर जाम को कम करने का प्रयास किया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - 2026 मनाया गया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के 1000 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - 2026 मनाया गया। अवसर पर पार्षद राकेश जयसवाल जामबाग डिवीजन ने स्थानीय काशी विश्वनाथ मंदिर में अभिषेकम और पूजा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य, शक्ति और लंबी उम्र के लिए सोमनाथ महादेव से प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में एम. कृष्णा (महासचिव, गोलकुंडा जिला), आधारी राज कुमार (अध्यक्ष, जामबाग मंडल), मयूर कालेकर, वेंकट रेड्डी, नंदू कुमार, अज्जू मुदिराज, श्रीकांत और जामबाग मंडल के भाजपा उपस्थित थे।

फर्जी नियुक्तियों से नौकरियां देने वाले तीन गिरफ्तार

आदिलाबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिला पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो राज्य में नौकरियों के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी कर रहा था। इस बात का खुलासा एसपी अखिल महाजन ने मीडिया के सामने किया। उन्होंने बताया कि अनंत ईसोल्यूशन और विद्यादान एनजीओ के नाम पर बेरोजगारों से ठगी करने वाले मधुकिरण, सुधाकर और सतीश को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया है। दो अन्य आरोपी फरार हैं। आरोपियों ने 2013 में 'अनंथा ई सॉल्यूशन' नाम से एक कंपनी बनाई थी और कहा था कि वे आउटसोर्सिंग के जरिए नौकरियां देंगे। बाद में, 2023 में, सुजाता ठाकुर, नामिनी सतीश और लावण्या के साथ, उन्होंने 'विद्या डॉन ऑर्गेनाइजर्स' नामक एक सोसायटी पंजीकृत की, और उन्होंने सोचा कि वे केंद्रीय लोक कल्याण विद्यांजलि 2.0 योजना के धन का दुरुपयोग करेंगे और केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त सीएसआर फंड को हड़प लेंगे। सरकार की इजाजत के बावजूद बेरोजगारों पर भरोसा है। आदिलाबाद, निर्मल, आसिफाबाद, मंचिरयाला, वारंगल, खम्मम और अन्य जिलों में, एजेंटों के माध्यम से, उन्होंने कहा कि वे सरकारी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों में आउटसोर्सिंग नौकरियां देंगे, जिनमें से प्रत्येक को रुपये का भुगतान करना होगा। बताया जाता है कि उन्होंने एक लाख रुपये से लेकर 2.50 लाख रुपये तक वसूले और फर्जी नियुक्ति आदेश दिये। उन्होंने बताया कि इस गिरोह ने राज्य भर में 2,401 अभ्यर्थियों से ठगी की है।फर्जी नियुक्ति आदेश से नौकरी दिलाई और तीन माह तक वेतन देने के बाद जब वेतन नहीं मिला तो पीड़ितों ने विभिन्न पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराई। परिणामस्वरूप, गिरोह में एजेंट राहुल, कोआ विट्ठल और वरलक्ष्मी को पहले ही गिरफ्तार कर कई स्टेशनों पर रिमांड पर भेजा जा चुका है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है कि इसमें किसकी भूमिका है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ज़हर देकर मुझे ...

आईएएस या आईपीएस बनना कठिन परिश्रम का परिणाम होता है और इन अधिकारियों को छुट्टियाँ भी मुश्किल से मिलती हैं। तबादले उनकी सेवा का सामान्य हिस्सा हैं। मीडिया से मेरी अपील है कि परिवारों के बारे में भी सोचे। मीडिया कर्मियों के भी घर में पत्नी और बच्चे होते हैं। आईएएस अधिकारियों के भी परिवार होते हैं; उन्हें मानसिक पीड़ा देना अन्याय है। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के खिलाफ आलोचना सभी सीमाएँ पार कर चुकी है। क्या महिलाओं का करियर बनाना गलत है? मंत्रियों के खिलाफ अराजकता फैलाने और महिला अधिकारियों को परेशान करने से क्या हासिल होगा?' सिनेमैटोग्राफी मंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने फिल्म उद्योग से दूरी बना ली है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'पुष्पा' फिल्म से जुड़े विवाद के बाद मैंने प्रीमियम शो की अनुमति रोक दी है। राजा साब और चिरंजीवी की फिल्मों की टिकट दरों और अनुमतियों से जुड़ी फाइलों की मुझे जानकारी नहीं थी; वे सरकारी आदेश मेरी जानकारी के बिना जारी हुए।

मैंने फिल्म उद्योग से ध्यान हटा लिया है और वापस लौटने की कोई योजना नहीं है।''

महिला आईएएस अधिकारियों ...

जिसमें सेवारत महिला आईएएस अधिकारियों के खिलाफ "बेबुनियाद आरोप और संकेत" लगाए गए थे।

तेलंगाना आईपीएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के सचिव विक्रम सिंह मान ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "अपुष्ट दावों, मनगढ़ंत कहानियों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चुनिंदा विकृतीकरण के माध्यम से महिला अधिकारियों को निशाना बनाना न केवल निंदनीय है, बल्कि यह एक गहरी प्रतिगामी और महिला विरोधी मानसिकता को भी दर्शाता है।" एसोसिएशन ने संबंधित मीडिया संस्थानों से तत्काल और बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की।

डोभाल बोले- जंग...

'बदला' शब्द शायद बहुत अच्छा न लगे, लेकिन बदला खुद एक ताकतवर एहसास है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है।

हमें इस देश को उस मुकाम पर वापस ले जाना है, जहां हम अपने अधिकारों, अपने विचारों और अपने विश्वास के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। हमारी सभ्यता बहुत विकसित थी। हमने किसी के मंदिर नहीं तोड़े। हम कहीं लूटने नहीं गए। हमने किसी दूसरे देश या लोगों पर हमला नहीं किया, लेकिन हम अपनी सुरक्षा और खुद को लेकर आने वाले खतरों को समझने में नाकाम रहे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRD-12-61-79, दिनांक: 06.01.2026

स्थान सहित कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के विशाखापट्टनम में लदान कार्य के दौरान वैगन टैरपॉलिन कवरिंग (Tarpaulin Covering) करने हेतु लाइन-10 एवं लाइन-11 दोनों ट्रैक के लिए OHE के रूपान्तरण से संबंधित VGCB में TRD कार्य एवं बचेली-किरंदुल के बीच कि.मी. 438/46-49 से RYD में 02 सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग के निर्माण के लिए TRD कार्य एवं KK-I सेक्शन में अराकु वैली (Valley) स्टेशन पर उच्च-स्तरीय प्लेटफॉर्म का प्रावधान।

निविदा मूल्य : ₹ 41,82,078.23, EMD : ₹ 83,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 11 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 28.01.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), वाल्टियर

PR-996/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

गुजरात ने यूपी वॉरियर्ज को 10 रन से हराया

कप्तान एश्ले गार्डनर की फिफ्टी, अनुष्का ने 44 रन बनाए; 3 बॉलर्स को 2-2 विकेट

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात जायंट्स ने विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में जीत से शुरुआत की है। टीम ने शनिवार के पहले मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 10 रन से हराया।

डीवाई पाटिल स्टेडियम में 208 रन का टारगेट चेज कर रही यूपी की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 197 रन ही बना सकी। फीबी लिचिफील्ड ने सबसे ज्यादा 78 रन बनाए। गुजरात के लिए रेणुका सिंह ठाकुर, सोफी डिवाइन और जॉर्जिया वेयरहम ने 2-2 विकेट झटके। एक-एक विकेट कप्तान एश्ले गार्डनर और राजेश्वरी गायकवाड को मिला।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन बनाए थे। जोकि गुजरात का सबसे बड़ा स्कोर है। कप्तान एश्ले गार्डनर ने 65 और अनुष्का शर्मा ने 44 रन बनाए। दोनों में 103 रन की पार्टनरशिप हुई। सोफी डिवाइन 38 रन बनाकर आउट हुईं। सोफी एक्लेस्टोन ने दो विकेट झटके।

विमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा सिक्स का रिकॉर्ड बना

गुजरात-यूपी मैच में कुल 21 छक्के लगे हैं। जोकि विमेंस टी-20 के इतिहास में एक मैच में लगे सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है। पिछला रिकॉर्ड 19 छक्कों का है। जोकि डब्ल्यूबीबीएल 2017-18 सीजन में सिक्सर्स बनाम स्टार्स और डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी बनाम डीसी मैचों में बना था।

पूजा वस्त्राकर डब्ल्यूपीएल के शुरुआती 2 हफ्ते नहीं खेलेंगी

जांघ की मांसपेशी में खिंचाव, आरसीबी ने नीलामी में 85 लाख रूपए में खरीदा था

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के शुरुआती दो हफ्तों के मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने नवंबर 2025 की नीलामी में 85 लाख रूपए में खरीदा था।

आरसीबी के हेड कोच मलोलन रंगराजन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से रिहा होने से दो दिन पहले पूजा को जांघ में खिंचाव महसूस हुआ।

इससे पहले वह कंधे की चोट से उबर रही थीं। डॉक्टरों के अनुसार, पूजा को अभी कम से कम दो हफ्तों का और आराम करना होगा।

पूजा 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से क्रिकेटर से दूर हैं

पूजा आखिरी बार अक्टूबर 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप में खेली थीं। डब्ल्यूपीएल 2026 उनके लिए वापसी का मौका था, लेकिन चोट के चलते उनका इंतजार बढ़ गया। कोच के मुताबिक, पूजा टीम की बैलेंस और कॉम्बिनेशन में अहम भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में टीम को अन्य ऑलराउंडर्स पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

आरसीबी ने जीत से किया डब्ल्यूपीएल 2026 का आगाज

आरसीबी ने डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस को आखिरी ओवर में 3 विकेट से हराया। एमआई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 154/6 रन बनाए थे, जवाब में आरसीबी ने 157/7 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।

पूजा की अनुपस्थिति में आरसीबी ने गेंदबाजी की शुरुआत इंग्लैंड की स्पिनर लिंसी स्मिथ से कराई, जिन्होंने 2 ओवर में 23 रन दिए। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने डेब्यू मैच में 4 ओवर में 37 रन दिए।

ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क मैच की हीरो रहीं। उन्होंने 4 विकेट लेने के साथ 44 गेंदों पर नाबाद 63 रन बनाए। वह डब्ल्यूपीएल इतिहास में दूसरी खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने एक ही मैच में फिफ्टी और चार विकेट लिए। आरसीबी एक समय 65/5 पर संघर्ष कर रही थी, लेकिन नादिन और अरुंधति के बीच 52 रन की साझेदारी ने टीम को संभाला। कोच ने कहा कि इस मैच में ऑलराउंडर्स की अहमियत साफ नजर आई।

अगला मैच यूपी वारियर्स के खिलाफ

आरसीबी का अगला मैच सोमवार (12 जनवरी 2026) को यूपी वारियर्स के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम, मुंबई में ही होगा।

'सिलेक्टर्स के फैसले का सम्मान करता हूं'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

मुँबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के टी20 स्क्वाड से अचानक शुभमन गिल को बाहर कर दिया गया. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ठीक पहले सिलेक्टर्स ने ये कड़ा फैसला लिया. हर कोई एकदम हैरान रह गया था. गिल ने अब तक इस विषय पर बात नहीं की थी लेकिन अब न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले उनकी प्रतिक्रिया सामने आई है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शुभमन गिल जलवा बिखेरते हुए नजर नहीं आएंगे. गिल को एशिया कप 2025 द्वारा टी20 स्क्वाड में जगह दी थी और उपकप्तान बनाया गया था. शुभमन का प्रदर्शन उस लेवल का नहीं रहा लेकिन सभी को उम्मीद थी कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में उन्हें

जगह मिल जाएगी. हालांकि, गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बाद टीम से बाहर कर दिया गया. अब गिल ने टी20 टीम से बाहर होने पर चुप्पी तोड़ी.

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने पर क्या बोले गिल?

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ. वनडे कप्तान शुभमन गिल इसका हिस्सा बने और उनसे टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में जगह नहीं मिलने पर बात की. गिल ने यहां टीम इंडिया को बड़े टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं भी दी. उन्होंने जवाब में कहा, 'मैं सिलेक्टर्स के फैसले का सम्मान करता हूं और मैं टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम को सबसे बेस्ट करने की बधाई देता हूं.'

रोहित-विराट पर भी आई खास प्रतिक्रिया

शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में भी पूछा गया. उन्होंने दोनों की तारीफ की और कहा, 'रोहित भाई इतिहास के सबसे शानदार वनडे सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं और विराट भाई वनडे के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं.'

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में शुभमन गिल से रहेंगी उम्मीदें

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 जनवरी 2026 से शुरू हो रही है. शुभमन गिल चोटिल होने के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला का हिस्सा नहीं बने थे. अब वो न्यूजीलैंड सीरीज द्वारा वनडे में वापसी करते हुए नजर आएंगे. उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद रहने वाली है.

टीम इंडिया का वनडे सीरीज के लिए स्क्वाडः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल.

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में विवाद

खाली कराए गए होटल; कमरों से बाहर मिला सामान

ग्रेटर नोएडा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप एक बार फिर विवादों में घिर गई है। चैंपियनशिप में भाग लेने आए कई राज्यों के मुक्केबाजों, प्रशिक्षकों और सपोर्ट स्टाफ को होटल खाली करने के लिए कह दिया गया जबकि चैंपियनशिप अभी भी जारी है। मुक्केबाज गुरुवार और जब अपनी बाउट समाप्त कर वापस होटल लौटे तो उनका कमरों से सामान पैक कर रिसेप्शन पर रख दिया गया। उनसे कहा गया कि होटल में उनके लिए आगे की बुकिंग नहीं है।

महासंघ की घटनाक्रम पर नजर

आयोजकों की ओर से मुक्केबाजों को होटल में ठहराने की व्यवस्था कराई गई थी। चैंपियनशिप के पहले दिन रिंग

लवलीना बोरगोहेन

नहीं लगने के चलते मुकाबले देर से शुरू हुए थे। महिला मुक्केबाजों के 32 मुकाबले अगले दिन शिफ्ट करने पड़े थे। वहीं, भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) का कहना है कि जब उन्हें इसका पता लगा तो उनकी ओर से मुक्केबाजों को ठहराने की तत्काल व्यवस्था कराई गई। ज्यादातर मुक्केबाजों को आयोजन स्थल गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में ठहराया गया है। जहां अच्छे इंतजाम हैं। महासंघ का कहना है कि उनकी घटनाक्रम पर पूरी नजर है।

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किलो भार वर्ग) और टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75) ने राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली। निकहत ने यूपी की कुसुम बघेल को 4-1 से हराया। लवलीना ने भी यूपी की इमरोज खान को 5-0 से परास्त किया। पुरुषों में जदुमणि सिंह ने अमित पंघाल को 5-0 से परास्त कर दिया। उनकी खिताबी भिड़ंत उत्तराखंड के पवन बर्तवाल के साथ होगी। उन्होंने मणिपुर के विक्टर सिंह को 5-0 से पराजित किया।

खेल आयोजनों में प्रशासकों का सैर सपाटा नहीं होगा बर्दाश्त, सरकार ने किया स्पष्ट

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने खेल प्रशासकों को स्पष्ट कर दिया है कि ओलंपिक, एशियाई, राष्ट्रमंडल खेल आयोजनों को खिलाड़ियों के हित और अवसर की बजाय परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की मौजूदगी में खेल सचिव हरिरंजन राव ने यह हिदायत खेल प्रशासन सम्मेलन में दी। उन्होंने खेल प्रशासकों से 15 जनवरी तक जापान में इस वर्ष होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपने दल के नामों की सिफारिश करने को कहा। सम्मेलन में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), राष्ट्रीय खेल संघों के पदाधिकारियों के अलावा गुजरात के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री हर्ष सांघवी ने शिरकत की।

'जो खेल आयोजनों को सैर

समझें, उनकी जरूरत नहीं'

खेल सचिव ने पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से स्वीकृत देश की 10 वर्षीय पदक रणनीति प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह शर्मनाक होगा यदि अधिकारियों का एक बड़ा दल बहु आयोजन खेलों में जाए और खिलाड़ियों को उनकी आवश्यकता के समय एक भी उपलब्ध न हो। अधिकारियों को इन खेलों के दौरान हर समय एथलीटों के लिए मौजूद रहना होगा। उन्होंने साफ किया कि यदि आप इन खेलों को रिश्तेदारों के साथ सैर समझते हैं तो कृपया नहीं जाएं। राव ने कहा, एशियाड के लिए 15 जनवरी तक सहायक कर्मियों सहित सभी सपोर्ट स्टाफ के नाम देने हैं। तय तिथि में नाम नहीं देने पर आप खेलों में भाग नहीं ले पाएंगे।

आईओए ने खेल संघों का अनुदान 20 लाख किया

आईओए ने वार्षिक आम बैठक में राष्ट्रीय खेल महासंघों को दी जाने वाली वार्षिक अनुदान राशि 10 से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी। साथ ही राज्य ओलंपिक संघों की वार्षिक सहायता राशि भी 7 से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी है।

एशियाड में 111 पदक जीतने की उम्मीद

राव ने कहा कि हमने इस बार एशियाड में 111 पदक जीतने की उम्मीद लगाई है जो पिछले हांगझोउ एशियाड में हासिल किए गए सर्वश्रेष्ठ 106 पदकों से बेहतर है। जुलाई-अगस्त में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण समेत 22 पदक जीतने की उम्मीद है। मांडविया ने पदक रणनीति कहा, हम जिस 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की योजना बना रहे हैं उनमें वह खिलाड़ी खेलेंगे जो इस वक्त स्कूल में हैं। हमें ऐसी प्रतिभाओं को अभी से पहचानना होगा। वहीं राव ने कहा, 2036 के ओलंपिक में हमारा शीर्ष 10 में आने के लिए 12 से 14 स्वर्ण समेत 30 से 35 पदक जीतने का लक्ष्य होगा।

कोच यान जेलेज्नी से अलग हुए नीरज चोपड़ा

90 मीटर के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विदाई

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी एक सीजन बाद समाप्त करने की घोषणा की। नीरज ने इसे सीख, प्रगति और आपसी सम्मान से भरा सफर बताया, हालांकि अलग होने की वजह स्पष्ट नहीं की।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शनिवार को चेक गणराज्य के दिग्गज कोच यान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी समाप्त करने की घोषणा की। यह साझेदारी सिर्फ एक सीजन तक चली, जिसे नीरज ने प्रगति, आपसी सम्मान और खेल के प्रति साझा जुनून से भरा बताया। हालांकि, नीरज ने इस करार के खत्म होने की कोई ठोस वजह नहीं

बताई।

यान जेलेज्नी भाला फेंक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं और विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। अपने अनुभव को साझा करते हुए नीरज ने कहा कि जिस खिलाड़ी को वह बचपन से अपना आदर्श मानते आए हैं, उससे सीधे सीखना उनके लिए सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'यान के साथ काम करने से मुझे एक नया टूलबॉक्स मिला, नई एक्सरसाइज, तकनीकी विचार और खेल को देखने के नए नजरिए। तकनीक, रिद्म और मूवमेंट को लेकर उनकी सोच अद्भुत है। हर सेशन से मैंने कुछ नया सीखा।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि मैंने अपने जीवन के आदर्श के साथ एक गहरी दोस्ती बनाई। जान न केवल अब तक के सबसे महान भाला फेंक खिलाड़ी हैं, बल्कि सबसे बेहतरीन इंसानों में से भी एक हैं।'

59 वर्षीय यान जेलेज्नी ने भी इस साझेदारी को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'नीरज जैसे एथलीट के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। मुझे खुशी है कि हम साथ आए और मैंने उन्हें पहली बार 90 मीटर की बाधा पार कराने में मदद की।' उन्होंने आगे बताया कि विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर नीरज लगभग हर प्रतियोगिता में कम से कम दूसरे स्थान पर रहे, जो एक बेहतरीन रिकॉर्ड है। हालांकि, टोक्यो से 12 दिन पहले लगी पीठ की चोट ने उनके प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया।

मलेशिया ओपन में भारत का सफर खत्म

सेमीफाइनल में पीवी सिंधु हारीं, सात्विक-चिराग भी क्वार्टरफाइनल में बाहर

कुआलालंपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कुआलालंपुर में खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 मलेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती पूरी तरह समाप्त हो गई है। विमेंस सिंगल्स में दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जबकि मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान खत्म हो गया।

सेमीफाइनल में वांग झी यी से हारीं सिंधु

विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में पीवी सिंधु का सामना चीन की वर्ल्ड नंबर-2 खिलाड़ी वांग झी यी से हुआ। सिंधु को सीधे गेमों

में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मैच के दोनों गेमों में सिंधु ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन निर्णायक पलों में वह इसे बरकरार नहीं रख सकीं। पहले गेम में 3-4 अंकों की बढ़त के बाद की गई गलतियों का फायदा वांग झी यी ने उठाया।

दूसरे गेम में सिंधु ने बैकहैंड साइड पर ज्यादा लिफ्ट खेली, जिस पर वांग झी यी ने लगातार स्मैश लगाकर दबाव बनाया और मैच अपने नाम कर लिया।

यामागुची के रिटायर होने से मिला था सेमीफाइनल का टिकट

इससे पहले क्वार्टरफाइनल में सिंधु का सामना जापान की तीसरी सीड अकाने यामागुची से हुआ था। सिंधु ने शानदार खेल दिखाते हुए महज 11 मिनट में पहला गेम 21-11 से जीत लिया। इसके बाद यामागुची घुटने की चोट के कारण मैच से हट गईं (रिटायर्ड हर्ट), जिससे सिंधु को सेमीफाइनल में जगह मिल गई।

राउंड ऑफ 16 में भी शानदार जीत

राउंड ऑफ 16 में सिंधु ने जापान की आठवीं सीड टोमोका मियाजाकी को सिर्फ 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराकर आसानी से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया था।

सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में बाहर

मेंस डबल्स में भारत की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया की छठी सीड जोड़ी फजर अल्फियन और मुहम्मद रियन अर्दियांतो ने शिकस्त दी।

इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में सात्विक-चिराग ने मलेशिया की जुनैदी अरिफ और रॉय किंग याप की जोड़ी को 39 मिनट में 21-18, 21-11 से हराया था।

पहले ही खत्म हो चुकी थी अन्य भारतीय चुनौती

मेंस सिंगल्स में भारत की चुनौती पहले ही समाप्त हो गई थी। लक्ष्य सेन और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गए थे। वहीं, विमेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स की भारतीय जोड़ियां पहले ही राउंड में टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी थीं।

इस तरह मलेशिया ओपन 2026 में भारत का सफर सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल तक ही सीमित रह गया।

एक ही दिन मैदान पर दिखेंगे भारत और पाकिस्तान

वडोदरा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। 11 जनवरी 2026 के दिन भारत और पाकिस्तान को लेकर एक इत्तेफाक देखने को मिलेगा. क्योंकि इस दिनों दोनों ही टीमें इंटरनेशनल मैच के लिए मैदान में उतरेंगी. टीम इंडिया रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में मुकाबला करेगी, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की टीम रंगीरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका से भिड़ेगी.

पाकिस्तान के मैच में दिलचस्पी

आमतौर पर जब टीम इंडिया कोई इंटरनेशनल मुकाबला या सीरीज खेलते हुए, तब भारतीय फैंस का ध्यान बाकी देशों के मुकबाले की तरफ कम जाता है. हालांकि पॉजिटिव हो या नेगेटिव, पाकिस्तान को लेकर भारत में दिलचस्पी जरूर दिखती है.

हेड टू हेड

जहां तक टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट की बात हैं, दोनों ही टीमों ने आपस में 29 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 17 पाकिस्तान और 11 श्रीलंका ने जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश की वजह से धुल गया था. आंकड़ों के हिसाब से पाकिस्तान का पलड़ा भारी नजर आ रहा है.

सीरीज जीतने की चाहत

पाकिस्तान फिलहाल श्रीलंका के टूर पर है जहां वो टी-20 सीरीज के 2 मुकाबले खेलकर 1-0 से आगे चल रही है. पहला मैच पाक टीम ने 6 विकेट से जीता था, दूसरा मैच बारिश की वजह से धुल गया. अगर सलमान आगा की टीम 11 जनवरी को होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच जीत जाती है, तो वो सीरीज पर भी कब्जा जमा लेगी.

दांबुला की स्लो पिच

रंगिरी दांबुला की पिच धीमी रहने की उम्मीद है, और जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा सरफेस की तरफ से मदद बढ़ सकती है. नई गेंद शुरुआती वक्त में सीमर्स के लिए कुछ मदद दे सकती है, जबकि बाद में पारी में स्पिन गेंदबाजी निर्णायक भूमिका निभा सकती है. ऐसे में उम्मीद की जा रही है, कि दोनों ही टीमें फिरकी सेना के साथ मैदान में उतरेगी.

बारिश के आसार

अगर दांबुला के मौसम की बात करें, तो बारिश तीसरे टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में भी खलल डाल सकती है, या फिर पूरी मैच को ही रद्द करा दे. वेदर फॉरकास्ट के मुताबिक धूप निकलेगी, लेकिन घने बादलों की वजह से बारिश भी हो सकती है. वहीं एवरेज टेम्प्रेचर 29 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है.

तेलंगाना को वैश्विक नवाचार राजधानी बनाने का लक्ष्य: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य को एक वैश्विक 'नवाचार राजधानी' के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), शोध-आधारित नवाचार और तकनीक के नैतिक उपयोग को केंद्र में रखा जाएगा। यह बात आईटी और उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कही। शनिवार को बिट्स पिलानी-हैदराबाद परिसर में आयोजित बिट्स एलुमनी एसोसिएशन ग्लोबल मीट 2026 में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि तकनीक को केवल शैक्षणिक डिग्रियों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय सेवा और आत्मनिर्भर भारत के व्यापक लक्ष्य के लिए सार्थक रूप से लागू किया जाना चाहिए। वैश्विक डिजिटल मॉडलों से तुलना करते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि जहाँ कई देशों ने निजी डिजिटल एकाधिकार को बढ़ावा दिया है, वहीं भारत आधार और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के माध्यम से एक वैश्विक मॉडल के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना इस दर्शन को एआई -सक्षम तेलंगाना डेटा एक्सचेंज के माध्यम से आगे बढ़ाया है, जो देश में अपनी तरह की पहली पहल है और शोध व नवाचार को बड़ा प्रोत्साहन दे रही है। प्रस्तावित तेलंगाना एआई इनोवेशन हब और एआईविश्वविद्यालय से नए मानक स्थापित होने और अन्य राज्यों के लिए संदर्भ मॉडल बनने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान एआईयुग में केवल बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि समन्वय अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने डेटा गोपनीयता, नैतिकता और जिम्मेदार एआई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया तथा तकनीकी कंपनियों से अनुसंधान एवं विकास पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जहाँ पहले कंपनियों का मूल्यांकन आकार, गति और मूल्यांकन के आधार पर होता था, वहीं आज दीर्घकालिक स्थिरता मजबूत सिस्टम आर्किटेक्चर, डेटा स्वामित्व, तेज निर्णय-क्षमता और जन विश्वास पर निर्भर करती है। श्रीधर बाबू ने कहा कि भविष्य की नौकरी बाजार ऐसे रचनात्मक विचारकों को अधिक महत्व देगा जो समस्याओं की जड़ पहचान कर समाधान दे सकें, न कि केवल कोडिंग तक सीमित पेशेवरों को।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई के लाभ केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण चुनौतियों का समाधान करने वाला शोध होना चाहिए, ताकि तकनीक का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँचे। 'तेलंगाना राइजिंग' विजन में भागीदारी के लिए उन्होंने बिट्स पिलानी के एलुमनी और नेतृत्व को आमंत्रित करते हुए कहा कि सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार और अत्याधुनिक अकादमिक शोध को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। इस अवसर पर बिट्स एलुमनी एसोसिएशन के चेयरपर्सन प्रेम जैन, मैपमाईइंडिया के संस्थापक एवं चेयरमैन राकेश वर्मा, बीजीएम 2026 की चेयरपर्सन अनिता सहित कई एलुमनी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केटीआर को हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में बोलने का आमंत्रण

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के. टी. रामाराव (केटीआर) को हार्वर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले 23वें इंडिया कॉन्फ्रेंस में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह आमंत्रण हैदराबाद और तेलंगाना के प्रति वैश्विक रुचि बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की मान्यता के रूप में दिया गया है। '' द इंडिया वी एमेजिंग '' विषय पर आधारित यह सम्मेलन 14 और 15 फरवरी को हार्वर्ड विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। यह अमेरिका में आयोजित सबसे बड़े छात्र-नेतृत्व वाले भारत-केंद्रित सम्मेलनों में से एक है, जिसमें भारत और दक्षिण एशियाई प्रवासी समुदाय से जुड़े छात्र, शिक्षाविद, उद्योग जगत के नेता, नीति निर्माता और सांस्कृतिक हस्तियाँ भाग लेती हैं। इस सम्मेलन में पूर्व में नीता मुकेश अंबानी, नितिन गडकरी, जयराम रमेश और अजीम प्रेमजी जैसी प्रमुख भारतीय हस्तियाँ भाग ले चुकी हैं। केटीआर को मिला यह आमंत्रण तेलंगाना को एक प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में उनकी भूमिका को दर्शाता है। सम्मेलन के पहले दिन हार्वर्ड केनेडी स्कूल में शासन, विकास और सार्वजनिक नीति पर चर्चा होगी, जबकि दूसरे दिन हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल में व्यापार, उद्यमिता और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सत्र होंगे, जहाँ केटी रामाराव संबोधित करेंगे।

संक्रांति यात्रियों के लिए जाम-मुक्त राजमार्ग सुनिश्चित: मंत्री

12 लाख वाहन ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जाएंगे

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने संक्रांति त्योहार के दौरान हैदराबाद से अपने गृह नगर जाने वाले यात्रियों के लिए सुचारु यात्रा सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। शनिवार को मंत्रियों के क्वार्टर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि पूरे तेलंगाना में टोल प्लाज़ा और राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात जाम रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

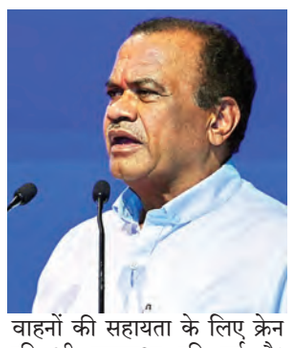

उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग 12 लाख वाहन ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जाएंगे, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 9 लाख थी। उन्होंने यह भी बताया कि यदि टोल गेट पर अत्यधिक जाम होता है तो टोल शुल्क माफ करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि फ्यूचर सिटी से बंदर तक प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाईवे की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी हो चुकी है और इसके निर्माण के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जा रही हैं।

उन्होंने पंतांगी टोल गेट पर भारी जाम का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने टोल गेट खोलने के आदेश दिए हैं। डीजीपी के साथ समन्वय कर सुरक्षा व्यवस्था की गई है और राष्ट्रीय राजमार्ग पर हर 20 किलोमीटर पर एक एम्बुलेंस तैनात की जाएगी। खराब पड़े वाहनों की सहायता के लिए क्रेन की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि एक टोल-फ्री नंबर भी स्थापित किया गया है और सरकार तेलंगाना सीमा तक स्थिति की निगरानी कर रही है।

थानों और न्यायालयों के बीच पुलिस एक महत्वपूर्ण सेतु : डॉ. एम. रमेश

याचिकाएं समय पर दायर करने पर भी जोर

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय ऑडिटोरियम में कोर्ट ड्यूटी ऑफिसर्स (सीडीओ) की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश ने की, जबकि संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. गज राव भूपाल भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों और लोक अभियोजकों के साथ समन्वय बढ़ाकर अभियोजन दर में सुधार करना था। पुलिस कमिश्नर ने पास्कों , बलात्कार, हत्या और अन्य गंभीर मामलों की स्थिति की समीक्षा की और कहा कि जांच की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सीडीओ समय पर गवाहों का उत्पादन कराएं, न्यायालय आदेशों का पालन करें और मुकदमों की निगरानी में कोई चूक न हो। कमिश्नर ने विशेष रूप से सीडीओ, सम्मन / वारंट और कोर्ट लायजनिंग ऑफिसर्स की भूमिका पर जोर दिया। उन्हें निर्देशित किया गया कि समन सही समय पर भेजे जाएं, गवाहों का उत्पादन सुनिश्चित किया जाए और गैर जमानती वारंट तत्काल लागू किए जाएं। उन्होंने बांड मामलों में तेजी से कार्रवाई करने और वकीलों के साथ समन्वय में बांड रद्द करने की याचिकाएं समय पर दायर करने पर भी जोर दिया। बैठक में सीडीओ को कोर्ट मानिटरिंग सिस्टम ऐप और सेंटर आफ एक्सीलेंश एप्लिकेशन में न्यायालय की सुनवाई की अगली तिथि, गवाहों की जानकारी, वारंट की स्थिति और न्यायालय के निपटान की जानकारी रोज़ अपडेट करने के निर्देश दिए गए। एसएचओ को महत्वपूर्ण मुकदमों की पूर्व सूचना देने और गवाहों को सुनवाई से पहले सही ढंग से ब्रीफ करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में डीसीपी क्राइम्स ए. मुथ्यम रेड्डी, एडीसीपी (क्राइम्स) राम कुमार, सीसआरबी इंस्पेक्टर क्रांति कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नर ने सीडीओ को याद दिलाया कि वे पुलिस थानों और न्यायालयों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु हैं, और उनकी दक्षता सीधे तौर पर मुकदमों के नतीजों को प्रभावित करती है।

शमशाबाद में व्यक्ति की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद में अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। मृतक की पहचान तमिलनाडु निवासी सी नारायण स्वामी के रूप में हुई है, जो शमशाबाद में रह रहे थे। देर रात मधुरा नगर स्ट्रीट नंबर 3 में कुछ लोगों ने उनका शव पड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान शव पर कई चोटों के निशान पाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

जीएचएमसी का अवैध विज्ञापनों को हटाने के लिए विशेष अभियान

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिकाओं के परिसीमन और कई नगरपालिकाओं के ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में विलय के बाद, शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में अनधिकृत और अवैध विज्ञापन संरचनाएँ पाई गई हैं। यह जानकारी जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने शनिवार को दी। जन सुरक्षा, दृश्य प्रदूषण और नगर निगम नियमों के उल्लंघन को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनज़र, जीएचएमसी ने अपने अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत विज्ञापन तत्वों की पहचान और उन्हें हटाने के लिए एक विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत कई अवैध होर्डिंग, बैनर और अन्य संरचनाएँ पहले ही हटाई जा चुकी हैं। कर्णन ने कहा कि यह कार्रवाई चरणबद्ध और निरंतर तरीके से पूरे जीएचएमसी क्षेत्र में की जाएगी, ताकि शहरी व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और विज्ञापन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो सके। प्रवर्तन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जीएचएमसी एक समर्पित प्रवर्तन टीम गठित करने की प्रक्रिया में है, जो विशेष रूप से अनधिकृत विज्ञापनों की निगरानी, नियमन और कार्रवाई करेगी। आयुक्त ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें अवैध संरचनाओं को हटाना और जीएचएमसी अधिनियम एवं संबंधित नियमों के तहत दंडात्मक कार्रवाई शामिल है। उन्होंने विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों और संपत्ति मालिकों से मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की।

आरजीआईए पर 14 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खबरों के अनुसार राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को जांच के दौरान करीब 14 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। यह प्रतिबंधित मादक पदार्थ कतर से आए दो यात्रियों के पास से बरामद किया गया। अधिकारियों का अनुमान है कि जब्त किए गए नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 14 करोड़ रुपये है। दोनों यात्रियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में विदेशों में उगाई गई हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कड़ी निगरानी के बावजूद तस्कर भारत में इस मादक पदार्थ को लाने की कोशिश कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि महज दो दिन पहले ही सीमा शुल्क अधिकारियों ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान से 1 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया था।

भर्ती अधिसूचना में देरी के खिलाफ बेरोजगारों का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस सरकार द्वारा नौकरी कैलेंडर और भर्ती अधिसूचना जारी करने में देरी के खिलाफ शनिवार को बेरोजगार युवाओं ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। युवाओं ने भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर चिक्कड़पल्ली स्थित सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी से आरटीसी एक्स रोड्स तक रैली निकाली। प्रदर्शन के दौरान कई युवाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया, जिससे कुछ कार्यकर्ताओं को चोटें आईं और कुछ के कपड़े फट गए।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से विधानसभा चुनाव में किए गए 2 लाख रिक्त पदों को भरने के वादे को पूरा करने की मांग की। बेरोजगार युवाओं का कहना है कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता हासिल करते समय जनहितकारी शासन का आश्वासन दिया था, लेकिन एक साल बीतने के बाद भी भर्ती अधिसूचनाएं जारी नहीं की गईं। एक बेरोजगार युवक नरेंद्र ने कहा कि सरकार ने उन्हें विश्वास दिलाया था, लेकिन अब उन्हें पुस्तकालय में बंद करके उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। वहीं, भर्ती की तैयारी कर रही युवती ने बताया कि उनके बेहतर भविष्य के लिए परिवार संघर्ष कर रहा है, लेकिन सरकार विभागों में रिक्तियों के बावजूद अधिसूचनाएं जारी नहीं कर रही। उन्होंने सरकार से तत्काल भर्ती अधिसूचना जारी करने की मांग की।

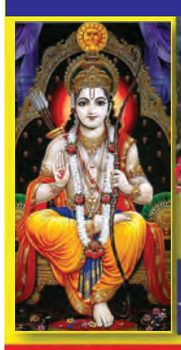

महिला की गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

खम्मम, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार देर रात खम्मम शहर के कस्बा बाजार इलाके में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। स्थानीय लोगों ने महिला को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। मृतका की पहचान प्रमीला (35) के रूप में हुई है, जो कोथागुडेम जिले के भद्राचलम निवासी एक आरएमपी डॉक्टर की पत्नी बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार पारिवारिक विवादों के चलते पति-पत्नी कुछ समय से अलग रह रहे थे, जिसके बाद प्रमीला खम्मम में रहने लगी थी और एक शॉपिंग मॉल में काम कर रही थी। बताया गया है कि पति से अलग होने के बाद उसके पति का एक दोस्त कथित तौर पर उसका पीछा कर रहा था। पुलिस को संदेह है कि महिला को परेशान करने वाले उसी व्यक्ति ने इस हत्या को अंजाम दिया हो सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

बाघ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत वन विभाग अलर्ट

मंचरियाल, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को हाजीपुर मंडल के पेद्दामपेट गांव में बाघ की गतिविधि सामने आने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार गांव के बाहरी इलाके में एक सिंचाई परियोजना की नहर के पास बाघ के पदचिह्न देखे गए हैं, जिसके बाद ग्रामीणों ने मानव हताहतों से बचाव के लिए वन विभाग से तत्काल कदम उठाने की मांग की है। बाघ की मौजूदगी के कारण ग्रामीण खेतों में जाने और कृषि कार्य करने से डर रहे हैं। मौके पर पहुंचे वन अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में एक मादा बाघिन की आवाजाही है और गोल्लापल्ली, बुद्धिपल्ली, पेद्दामपेट सहित आसपास के गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने किसानों और ताड़ी उतारने वालों से समूह में निकलने और अत्यंत आवश्यक होने पर ही खेतों की ओर जाने को कहा है। वन विभाग के अनुसार यह बाघ वर्ष 2025 में क्षेत्र की तलाश में महाराष्ट्र से पलायन कर इस जिले में आ गया था और तब से यहीं घूम रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.